THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

मणिपुर के पांच जिलों में इंटरनेट पर प्रतिबंध हटा

इंफाल, 16 सितंबर (एजेंसियां)। मणिपुर सरकार ने सोमवार को घाटी के जिलों में इंटरनेट सेवाओं पर लगा अस्थायी निलंबन तत्काल प्रभाव से हटाने का फैसला किया है। मणिपुर के आयुक्त (गृह) एन अशोक कुमार ने कहा कि राज्य सरकार ने मौजूदा कानून व्यवस्था की समीक्षा के बाद इंटरनेट सेवाएं फिर से बहाल करने का फैसला किया है। 10 सितंबर को लोगों की भलाई और तनाव को फैलने से रोकने के लिए इंटरनेट पर अस्थायी निलंबन जारी किया गया था। मणिपुर सरकार ने ब्रॉडबैंड सेवाओं पर 13 सितंबर को ही प्रतिबंध कुछ शर्तों के साथ हटा लिया था। मणिपुर में बीते दिनों हिंसा की घटनाओं में बढ़ोतरी के विरोध में छात्रों, महिलाओं ने डीजीपी और सुरक्षा सलाहकार को हटाने की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन शुरू किया था।

वर्ष-29 अंक : 176 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **भाद्रपद शु.14 2081 मंगलवार, 17 सितंबर-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ✲ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

मेरा मजाक उड़ाया गया : पीएम मोदी

> 8000 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास

> मैं सरदार की भूमि में पैदा हुआ बेटा, चुपचाप देशहित में नीति बनाने में लगा रहा

अहमदाबाद, 16 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री मोदी गुजरात दौरे पर हैं। दौरे के दूसरे दिन सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अहमदाबाद के जीएमडीसी मैदान में आयोजित स्वागत समारोह में उन्होंने कहा कि तीसरी बार पीएम पद की शपथ लेने के बाद पहली बार गुजरात आया हूं। आप लोगों ने हर वक्त मुझ पर प्यार लुटाया है। जब बेटा अपने घर आकर आशीर्वाद लेता है तो ऊर्जा कई गुना बढ़ जाती है। उत्साह और जोश और बढ़ जाता है। पीएम ने ये भी कहा कि कई लोगों ने मेरा मजाक उड़ाया, लेकिन मैं सरदार वल्लभभाई पटेल की भूमि में पैदा हुआ बेटा हूं।

चुप रहकर देश हित में नीति बनाने में लगा रहा। प्रधानमंत्री ने यहां 8000 करोड़ रुपए के कई प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया। साथ ही 30 मेगावॉट के सोलर सिस्टम का भी उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि लोग मोदी के बारे में भांति-भांति की बातें करते रहे। मैंने भी सोच लिया था कि जितना मजाक उड़ाना है उड़ा लो, मैं एक शब्द भी नहीं बोलूंगा। हर अपमान को सहते हुए मैं देश के लोगों के कल्याण के लिए नीति बनाने और निर्णय लेने में जुटा रहा। इन 100 दिनों में 15 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की कई परियोजनाओं का काम शुरू हो गया है। चुनाव के दौरान मैंने 3 करोड़ घर बनाने की गारंटी दी थी। उसका काम भी शुरू हो गया है। आज से अहमदाबाद-भुज के बीच नमो भारत रैपिड रेल शुरू हो गई है। नमो भारत रैपिड रेल आने वाले समय में देश के कई शहरों को जोड़ने जा रही है। देश में 15 से ज्यादा रूटों पर नई नमो भारत रैपिड रेल शुरू होने वाली है। आज देश में 125 से ज्यादा वंदे भारत ट्रेनें लोगों की सेवा कर रही हैं। यह भारत का स्वर्णिम काल है। अगले 25 वर्षों में हमें देश को विकसित बनाना है। मेरे देशवासी ही मेरे आराध्य हैं। मैंने अपने आराध्य के लिए अपने आपको खपा देने का निर्णय किया है। जिऊंगा तो आपके लिए, जी-जान से खपता रहूंगा तो आपके लिए। करोड़ों देशवासियों के आशीर्वाद के साथ मैं नई ऊर्जा और उत्साह के साथ जी रहा हूं।

एनसी-कांग्रेस की सरकारों में आतंकवाद बढ़ा : शाह

> वे जम्मू-कश्मीर में 370 लाना चाहते हैं

> हम आतंक को पाताल में दफन कर देंगे

श्रीनगर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर के पद्दार नागसेनी में जनसभा को संबोधित किया। वे सोमवार को जम्मू-कश्मीर दौरे पर हैं। उन्होंने यहां तीन सभाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा, 'नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस का गठबंधन आतंकवाद का पोषक रहा है। घाटी में जब-जब एनसी-कांग्रेस की सरकार आई, तब-तब यहां आतंकवाद को बढ़ावा मिला है।'

शाह ने कहा कि दोनों पार्टियां कहती हैं कि उनकी सरकार आई तो अनुच्छेद 370 को फिर से लागू करेंगे। क्या अनुच्छेद 370 वापस होना चाहिए? अनुच्छेद 370 अब इतिहास का हिस्सा बन चुका है। कश्मीर में कभी भी दो प्रधानमंत्री, दो संविधान और दो झंडे नहीं हो सकते। वहां केवल एक झंडा होगा और वह हमारा तिरंगा है। हमने विभाजन के दिन देखे, 1990 में आतंकवाद के दिन देखे, चंद्रिका शर्मा हों या परिहार बंधु हों सभी ने कुर्बानियां दीं। मैं आज इस वादा करता हूं कि हम आतंकवाद को इतना नीचे दफन करेंगे कि कभी बाहर नहीं आ पाएगा। शाह ने कहा कि एक ओर नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस आतंक से लैस जम्मू-कश्मीर बनाना चाहते हैं, तो दूसरी ओर मोदी जी विकसित कश्मीर बनाना चाहते हैं। धारा 370 हटने के बाद यहां की महिलाओं को जो आरक्षण मिला है। उसे नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस खत्म करना चाहते हैं। तो वहीं मोदी जी महिलाओं के साथ गुर्जर, पहाड़ी, दलित और ओबीसी को भी आरक्षण का अधिकार देना चाहते हैं। पहाड़ी और गुर्जर भाइयों को जो आरक्षण मिलता है, अनुच्छेद 370 बहाल होने पर वह नहीं मिल पाएगा, लेकिन मैं कश्मीर का माहौल देख रहा हूं।

अधिवक्ता एआई और डेटा विश्लेषण का करें अध्ययन : जस्टिस खन्ना

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश संजीव खन्ना ने सोमवार को कहा कि वकीलों के पास बहुत सारे अवसर हैं। उन्हें इनका लाभ उठाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), आनुपातिकता और डेटा विश्लेषण का अध्ययन करना चाहिए। औरंगाबाद राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए न्यायाधीश खन्ना ने कहा कि देश भर की अदालतों में 5.5 करोड़ मामले लंबित हैं। इनमें सुप्रीम कोर्ट में 83 हजार मामले शामिल हैं। उन्होंने कहा, 'देश में 1700 कानूनी कॉलेज हैं। हर साल लगभग एक लाख अधिवक्ता इनमें दाखिला लेते हैं। बार काउंसिल में करीब 15 लाख अधिवक्ता नामांकित हैं। अधिवक्ताओं को न केवल इन मामलों पर बहस करनी होती है, बल्कि अदालतों में न्यायाधीशों और न्यायाधिकरणों के सदस्यों के रूप में भी काम करना पड़ता है। इसलिए, आपके लिए बहुत बड़ा अवसर इंतजार कर रहा है।' उन्होंने आगे कहा, 'प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा निर्माण और डेटा विश्लेषण, आनुपातिकता जैसे उभरते क्षेत्र विधायी और कार्यकारी नीति के साथ-साथ न्यायिक निर्धारण के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। कानून को अलग-थलग करके नहीं समझा जा सकता और इसके लिए अंत में विषय अध्ययन की आवश्यकता होगी।' न्यायाधीश संजीव खन्ना ने कहा कि कानूनी पेशा कोई व्यवसाय नहीं है, बल्कि यह ईमानदारी, दृढ़ता और जिम्मेदारी की गहरी भावना की मांग करता है। इसका मुख्य उद्देश्य नैतिकता, सम्मान और गरिमा बनाए रखना है। उन्होंने यह भी कहा कि विधायिका का सदस्य बनने के लिए निर्वाचित होने की आवश्यकता होती है, जिसमें वर्षों की मेहनत की आवश्यकता होती है, जबकि नौकरशाही में शामिल होने के लिए बहुत कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं को पास करना होता है। उन्होंने आगे कहा, 'वकील के रूप में आप तुरंत ही तीसरे पक्ष यानी न्यायपालिका का हिस्सा बन जाते हैं, जो महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, क्योंकि यहीं पर कार्यपालिका और कानूनी कार्रवाइयों को चुनौती दी जाती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को अहमदाबाद में नमो मेट्रो को हरी झंडी दिखा कर रवाना करते हुए।

केजरीवाल आज शाम 4:30 बजे एलजी से मिलेंगे

सीएम पद से इस्तीफा देंगे; संसदीय कमेटी की बैठक में नए सीएम पर चर्चा

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) विनय सक्सेना ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को मंगलवार शाम साढ़े 4 बजे मिलने का समय दिया है। इसी समय केजरीवाल सीएम पद से इस्तीफा देंगे।

इससे पहले दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया केजरीवाल से मिलने उनके घर पहुंचे। सूत्रों के मुताबिक, दोनों नेताओं में अगले सीएम के नाम को लेकर चर्चा हुई। आप की राजनीतिक मामलों की कमेटी (पीएसी) की बैठक भी शुरू हो चुकी है। इसमें नए मुख्यमंत्री समेत पार्टी की आगे की रणनीति पर चर्चा हुई है। हालांकि दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि अभी सीएम के नाम पर चर्चा नहीं हुई है। इस पर फैसला केजरीवाल के इस्तीफे के बाद विधायक दल लेगा। 13 सितंबर को शराब नीति केस में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद केजरीवाल ने 15 सितंबर को मुख्यमंत्री पद छोड़ने का ऐलान किया था। केजरीवाल के इस्तीफे की घोषणा के बाद चर्चा है कि कैलाश गहलोत, गोपाल राय, आतिशी और सुनीता केजरीवाल में से कोई एक सीएम बन सकता है।

संस्थानों के बारे में सचेत रहने की जरूरत

> सरकारी एजेंसियों पर टिप्पणी को लेकर बोले उपराष्ट्रपति धनखड़

मुंबई , 16 सितंबर (एजेंसियां)। सीबीआई को पिंजरे में बंद तोता वाली टिप्पणी पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भी बयान दिया है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग और जांच एजेंसियों समेत कई संस्थाएं कठिन परिस्थितियों में अपना कर्तव्य निभाती हैं। एक नकारात्मक टिप्पणी उन्हें हतोत्साहित कर सकती है।

उन्होंने कहा कि देश के संस्थानों के बारे में सचेत रहने की जरूरत है। क्योंकि वह मजबूती से उचित जांच और संतुलन के साथ कानून के तहत काम कर रहे हैं। रविवार को मुंबई में एक कार्यक्रम में धनखड़ ने कहा कि राज्य के सभी अंगों का एक ही उद्देश्य है कि आम आदमी को सभी अधिकार मिलें और भारत समृद्ध हो। उन्होंने कहा कि संस्थानों को लोकतांत्रिक मूल्यों और सांवधानिक आदर्शों को पोषित करने के लिए मिलकर और एकजुटता से काम करने की जरूरत है।

इन पवित्र मंचों को विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका का राजनीतिक भड़काऊ बहस का ट्रिगर बिंदु न बनने दें। यह हानिकारक है। ऐसे संस्थानों की स्थापना चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने चुनाव आयोग और जांच एजेंसियों का जिक्र करते हुए कहा कि संस्थाएं कठिन परिस्थितियों में अपना कर्तव्य निभाती हैं और टिप्पणियां उन्हें निराश कर सकती हैं। हाल ही में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत पर फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस भुइया ने कहा था कि केजरीवाल की गिरफ्तारी अनुचित थी। जस्टिस भुइंया ने सीबीआई की आलोचना करते हुए कहा था कि उसे पिंजरे में बंद तोता होने की धारणा को दूर करना चाहिए। उन्होंने सीबीआई द्वारा केजरीवाल को गिरफ्तार करने के समय पर सवाल उठाया था। कहा था कि सीबीआई की गिरफ्तारी का उद्देश्य केजरीवाल को जेल से बाहर आने से रोकना था। जस्टिस भुइंया ने कहा था कि 'सीबीआई देश की एक प्रमुख जांच एजेंसी है। यह जनहित में है कि सीबीआई न केवल निष्पक्ष दिखे, बल्कि उसकी निष्पक्षता पर सवाल उठाने वाली किसी भी धारणा को दूर करने की भी उसे हरसंभव कोशिश करनी चाहिए।' उन्होंने कहा कि 'कानून के शासन द्वारा संचालित लोकतंत्र में धारणा मायने रखती है। जांच एजेंसी को निष्पक्ष होना चाहिए। कुछ समय पहले इसी अदालत ने सीबीआई की निंदा करते हुए इसकी तुलना पिंजरे में बंद तोते से की थी। यह जरूरी है कि सीबीआई इस धारणा को दूर करे।'

अमृतपाल के साथी राउके ने एनएसए को दी चुनौती

पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका की दायर केंद्र सरकार व डिब्रूगढ़ जेल को नोटिस

चंडीगढ़, 16 सितंबर (एजेंसियां)। खालिस्तान समर्थक और खडूर साहिब के सांसद अमृतपाल सिंह के साथी कुलवंत सिंह राउके ने पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। साथ ही खुद पर दूसरी बार लगाए गए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) को चुनौती दी है। उसने खुद पर लगाए एनएसए को गलत बताया है। इसके बाद अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए डिब्रूगढ़ जेल के सुपरिटेंडेंट, केंद्र सरकार और पंजाब सरकार को नोटिस जारी किया है। अगली सुनवाई पर उन्हें अपना जवाब दाखिल करना होगा। इससे पहले दलजीत सिंह कलसी समेत कुछ लोगों ने चुनौती है।

कुलवंत सिंह इस मामले में गिरफ्तार होने से पहले पंजाब स्टेट कॉर्पोरेशन में बतौर क्लर्क तैनात था। वह अमृतपाल सिंह का करीबी है। जब 23 फरवरी 2023 को अमृतपाल और उनके समर्थकों द्वारा कथित तौर पर अजनाला पुलिस स्टेशन परिसर हमला करने का केस दर्ज हुआ था। उसके बाद मार्च महीने में उसे गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद उसे डिब्रूगढ़ जेल भेज दिया गया था। अमृतपाल सिंह के खडूर साहिब से सांसद बनने के बाद उसके साथी भी चुनाव लड़ने की तैयारी में है। कुलवंत सिंह राऊके बरनाला सीट पर होने वाले उप चुनाव में चुनावी दंगल में उतरेंगे। इसका ऐलान कुलवंत सिंह के भाई महासिंह ने 3 महीने पहले किया था। उस समय उन्होंने मीडिया से कहा था कि 'मैंने शुक्रवार को अपने भाई से फोन पर बात की थी।

कांग्रेस का महायुति सरकार पर हमला

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में अदाणी समूह को 6600 मेगावाट की थर्मल और नवीकरणीय ऊर्जा की बोली जीतने पर कांग्रेस ने महायुति सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि ये रेवड़ियां राज्य के उपभोक्ताओं पर टैरिफ का बोझ डालेंगीं। महाराष्ट्र में महायुति सरकार हार की ओर बढ़ रही है। इसलिए वह अपने आखिरी दिनों में उनकी मदद में बिता रही है। इस अनुबंध के तहत अदाणी समूह को बड़ी बिजली खरीदने का मौका मिला है।

एक्स पर पोस्ट में उन्होंने पीएम से प्रश्न पूछे। उन्होंने कहा कि क्या ये सच नहीं है कि 13 मार्च, 2024 को 1600 मेगावाट थर्मल और 5000 मेगावाट की बोलियों के लिए महाराष्ट्र सरकार ने निविदा के नियम और शर्तें प्रतिस्पर्धा को कम करने के लिए मानक बोली दिशानिर्देशों में संशोधन किया गया था?

उन्होंने कहा कि 1600 मेगावाट कोयला बिजली के लिए टैरिफ लगभग 12 करोड़ रुपये प्रति मेगावाट है, ऐसे समय में जब अदानी ने खुद बीएचईएल के साथ 7 करोड़ रुपये प्रति मेगावाट से कम पर अनुबंध किया है। एनटीपीसी/डीवीसी/नेवेली लिग्नाइट कॉरपोरेशन जैसी बड़ी तापीय परियोजनाएं इसे 8-9 करोड़ रुपये प्रति मेगावाट पर लागू कर रहे हैं।

रमेश ने पूछा कि क्या परियोजना लागत का 28,000 करोड़ रुपये पूरी तरह से महाराष्ट्र सरकार के ऊर्जा मंत्रालय द्वारा नियंत्रित एजेंसियों द्वारा वित्तपोषित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा के लिए टैरिफ 2.5 रुपये प्रति यूनिट रेंज में हैं, लेकिन अदाणी ग्रीन 2.7 रुपये प्रति यूनिट पर बिजली की आपूर्ति करेगा? उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र राज्य में अदाणी समूह को वितरित की गई ये रेवड़ियां (मुफ्त चीजें) 2.% करोड़ उपभोक्ताओं पर टैरिफ का भारी बोझ डालेंगी।

अदाणी समूह ने महाराष्ट्र को 6,600 मेगावाट की बंडल नवीकरणीय और थर्मल बिजली की आपूर्ति करने की बोली जीती, जब इसकी 4.08 रुपये प्रति यूनिट की दर ने जेएसडब्ल्यू एनर्जी और टोरेंट पावर को पीछे छोड़ दिया।

अदाणी पावर की बोली उस लागत से लगभग एक रुपये कम थी। जिस पर महाराष्ट्र वर्तमान में बिजली खरीदता है और इससे राज्य की भविष्य की बिजली आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिलेगी।

उग्रवादियों ने राज्यमंत्री के घर पर ग्रेनेड से किया हमला

इंफाल, 16 सितंबर (एजेंसियां)। मणिपुर में चल रहे संघर्ष के बीच उग्रवादियों ने राज्य सरकार के एक मंत्री के घर को निशाना बनाया। उग्रवादियों ने उखरूल जिले में मंत्री काशिम वाशुम के घर पर ग्रेनेड से हमला किया। ग्रेनेड फटने से उनके घर की दीवारें और कुछ हिस्सा टूट गया। गनीमत रही कि हमले के वक्त घर पर कोई सदस्य मौजूद नहीं था। हमले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। एक अधिकारी ने बताया कि छींटे बरामद कर लिए हैं। ग्रेनेड हमले के बाद कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं। जांच के लिए आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी ने भी हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। वाशुम राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा की सहयोगी नागा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) के विधायक हैं। वहीं तंगखुल नागा जनजाति के शीर्ष संगठन तंगखुल नागा लॉन्ग ने हमले की कड़ी निंदा की है और पुलिस से अपराधियों के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की है।

पंजाब के नीट टॉपर ने सुसाइड किया

दिल्ली में धर्मशाला के कमरे में फंदे पर लटका मिला शव, एमडी कर रहे थे

मुक्तसर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब के श्री मुक्तसर साहिब के रहने वाले 2017 के नीट टॉपर डॉ. नवदीप सिंह (25) ने रविवार को सुसाइड कर लिया। उनका शव दिल्ली में पारसी अंजुमन धर्मशाला के एक कमरे में फंदे से लटका हुआ मिला। नवदीप दिल्ली के मौलाना आजाद कॉलेज में रेडियोलॉजी डिपार्टमेंट से एमडी कर रहे थे। पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही नवदीप का पूरा परिवार दिल्ली पहुंच गया।

पुलिस ने पोस्टमॉर्टम कराने के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया है। अभी पुलिस जांच में स्पष्ट नहीं हो पाया है कि नवदीप ने आत्महत्या क्यों की है। परिवार का कहना है कि नवदीप अपने परिवार के साथ काफी जुड़ा हुआ। परिवार में कोई ऐसा विवाद नहीं था, जिससे वह ऐसा कदम उठाए। नवदीप सिंह पारसी धर्मशाला में ही रहते थे। रविवार सुबह जब वह कई देर तक कमरे से बाहर नहीं आए तो गार्ड ने दरवाजा खटखटाया। काफी देर इंतजार करने के बाद अंदर से कोई जवाब नहीं मिला तो गार्ड ने अन्य लोगों की मदद से कमरे का दरवाजा तोड़ दिया। अंदर नवदीप ने पंखे से फांसी लगाई हुई थी। गार्ड ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी।

हिंदू समाज पर हमलों से बाज आएं इस्लामिक कट्टरपंथी : विश्व हिंदू परिषद

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने देश के अलग-अलग राज्यों में गणेशोत्सव के दौरान किए गए हमले की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि देशभर में लगभग डेढ़ दर्जन से अधिक स्थानों पर श्री गणेश उत्सवों के आयोजनों पर हुए जिहादी हमलों से विहिप आहत है। ये हमले घोर निंदनीय और असहनीय हैं।

विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ. सुरेंद्र जैन ने कहा कि गणपति विसर्जन के 18 से अधिक पवित्र कार्यक्रमों पर जिहादियों द्वारा हमले किए गए। कई जगह भगवान गणपति जी की प्रतिमा को खंडित करने का दुस्साहस भी किया गया। इससे पहले रामनवमी, महावीर जयंती तथा अन्य हिंदू त्योहारों की शोभा यात्राओं पर भी हमले किए गए। हिंदू समाज पर ये हमले केवल हिंदू त्योहारों पर ही नहीं अपितु, मुहर्रम, ईद ए मिलाद व बारावफात जैसे मुस्लिम कार्यक्रमों के दौरान भी होते हैं। ये हमले घोर निंदनीय और असहनीय हैं। अब बहुत हो चुका है। अब इन्हें 'काफिरोफोबिया' से बाहर निकलना चाहिए। इन्हें हिंदुओं के सब्र की और परीक्षा नहीं लेनी चाहिए। विहिप नेता ने कहा कि जिहादी कहते हैं कि तथाकथित मुस्लिम मोहल्ला और मस्जिदों के सामने की सड़कों से हिंदू शोभायात्रा नहीं निकालनी चाहिए। उन्होंने मद्रास उच्च न्यायालय का हवाला देते हुए कहा कि एक मामले में इन्होंने कहा था कि कुछ लोग सांप्रदायिक हो सकते हैं, देश की सड़क धर्मनिरपेक्ष है, जिसका सभी उपयोग करेंगे। अगर इसी तरह बाकी लोग भी सोचने लगे तो आप, जहां वे बहुमत में है, वहां अपने कार्यक्रम कैसे कर सकेंगे? ओवैसी, मदनी और तौकीर जैसे सभी मुस्लिम नेताओं को हाई कोर्ट की यह चेतावनी समझनी चाहिए। अपने समाज को भड़काना बंद करना चाहिए और हिंदुओं को इस रास्ते पर चलने के लिए मजबूर नहीं करना चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि देश में फैलाई गई नफरत का ही परिणाम है कि जिहादियों की मानसिक विकृति के रोज नए-नए प्रकार देखने को मिल रहे हैं। लगभग 10 जगह अवरोध खड़े करके ट्रेनों को पलटने या दुर्घटना ग्रस्त करने के षड्यंत्र सामने आ चुके हैं। कहीं जूस में पेशाब मिलाया जा रहा है तो कहीं रोटी सब्जी में थूका जा रहा है। कहीं वक्फ के नाम पर लैंड जिहाद हो रहा है। कहीं लव जिहाद के नाम पर हिंदू कन्याओं को मौत के घाट उतारा जा रहा है। वोट जिहाद, जनसंख्या जिहाद, अवैध धर्मांतरण, घुसपैठ जिहाद और ना जाने कितने प्रकार के जिहाद इजाद किए जा रहे हैं।

'पॉलीग्राफ टेस्ट में गुमराह करने वाले जवाब दे रहे संदीप घोष'

आरजी हत्याकांड को लेकर सीबीआई का बड़ा दावा

कोलकाता, 16 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में प्रशिक्षु महिला डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले को एक महीने से अधिक समय हो गया है। पूरे देश में विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। इस मामले में लगातार नए-नए चौंकाने वाले पहलू सामने आ रहे हैं। अब केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने एक हैरान करने वाला दावा किया है। जांच एजेंसी का कहना है कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल डॉ. संदीप घोष ने पॉलीग्राफ टेस्ट में हर अहम सवाल का भ्रामक जवाब दिया। उन्होंने आवाज के विश्लेषण के दौरान भी जांच एजेंसी को गुमराह करने की कोशिश की।

डॉक्टर घोष पर लगे ये भी आरोप

वित्तीय अनियमितताओं के मामले में पहले ही गिरफ्तार किए गए डॉ. घोष पर अब सबूतों से छेड़छाड़ का भी आरोप लगाया गया है। अस्पताल में महिला रेजीडेंट डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या की घटना ने देश को हिलाकर रख दिया है। सियालदह की एक अदालत ने संदीप घोष को 17 सितंबर तक सीबीआई की हिरासत में भेजा है। वहीं, सीबीआई ने अभिजीत मंडल को भी सबूतों से छेड़छाड़ करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

जांच के दौरान पूर्व प्रिंसिपल डॉ. संदीप घोष का पॉलीग्राफ टेस्ट और आवाज विश्लेषण किया गया। घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने बताया कि नई दिल्ली स्थित केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल) की एक रिपोर्ट के मुताबिक उनका बयान इस मामले से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर भ्रामक पाया गया है। उन्होंने आगे कहा कि हो सकता है कि पॉलीग्राफ टेस्ट के दौरान मिली जानकारी को ट्रायल के दौरान सबूत के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जा सके। मगर, एजेंसी पुष्टि करने वाले सबूत इकट्ठा कर सकती है, जिनका इस्तेमाल अदालत में किया जा सकता है।

आत्महत्या दिखाने की कोशिश की

सीबीआई ने आरोप लगाया कि घोष को इस मामले की जानकारी नौ अगस्त को नौ बजकर 58 मिनट पर मिल गई थी, लेकिन उन्होंने तत्काल पुलिस में शिकायत नहीं की। घोष ने बाद में चिकित्सा अधीक्षक-उप प्रधानाचार्य के माध्यम से एक अस्पष्ट शिकायत की। जबकि पीड़िता को दोपहर 12 बजकर 44 मिनट पर मृत घोषित कर दिया गया था। अधिकारी ने आगे बताया, 'उन्होंने तुरंत एफआईआर दर्ज कराने की कोशिश नहीं की। बल्कि आत्महत्या का एक नया सिद्धांत पेश किया। जबकि पीड़िता के शरीर पर दिखाई देने वाली चोट के अनुसार यह संभव नहीं है।'

पर्दाफाश करने की जरूरत : सीबीआई

जांच एजेंसी का कहना है कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल डॉ. संदीप घोष ने अस्पताल परिसर में 31 साल की डॉक्टर का शव मिलने के कुछ घंटों बाद ताला पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी अभिजीत मंडल से बात की थी। इनमें कोई सांठगांठ हो सकती है और इसका पर्दाफाश करने की जरूरत है। सीबीआई ने आरोप लगाया है कि घोष ने सुबह 10 बजकर तीन मिनट पर अभिजीत मंडल से संपर्क किया और दोपहर एक बजकर 40 मिनट पर एक वकील से संपर्क किया, जबकि अप्राकृतिक मौत का मामला रात साढ़े 11 बजे बजे दर्ज किया गया। गिरफ्तार किए गए मंडल को घटना की सूचना नौ अगस्त को सुबह 10 बजकर तीन मिनट पर मिल गई थी, लेकिन वह तुरंत घटनास्थल पर नहीं पहुंचे। अधिकारियों ने दावा किया कि मंडल एक घंटे बाद घटनास्थल पर पहुंचे थे।

कक्षा पांच की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म

अगरतला, 16 सितंबर (एजेंसियां)। त्रिपुरा में एक कक्षा पांच की छात्रा को अगवा कर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म करने की घटना सामने आई है। घटना उत्तरी त्रिपुरा जिले की है। बेलोनिया महिला थाने में मामला दर्ज किया गया है और पुलिस जांच में जुटी है। गौरतलब है कि बीते कुछ दिनों में ही त्रिपुरा में सामूहिक दुष्कर्म की यह दूसरी घटना है। इससे पहले दक्षिण त्रिपुरा जिले में भी ऐसी घटना घटी थी।

स्कूल से लौटते समय किया गया पीड़िता को अगवा

पुलिस ने बताया कि पीड़ित छात्रा स्कूल से लौट रही थी लेकिन काफी देर बीतने के बाद भी अपने घर नहीं लौटी। इस पर छात्रा के पिता ने बेटी की तलाश शुरू की, लेकिन शाम तक कुछ पता नहीं चलने पर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। पिता ने पुलिस को बताया कि उसे डर है कि उसकी बेटी को अगवा किया गया है।

खास खबरें

'बताओ, किसकी तुड़वानी है शादी?'

अजीब नौकरी करता है शख्स, पैसे लेकर तबाह कर देता है रिश्ता!

आपने दुनिया में तरह-तरह की नौकरियों के बारे में सुना होगा. इनमें कुछ नौकरियां तो सामान्य होती हैं लेकिन कुछ लोग ऐसी-ऐसी चीज़ों से पैसे कमाते हैं कि सुनकर एक बार यकीन ही न हो. आपने लोगों को शादी तय करवाना या इसे ऑर्गनाइज़ कराने के लिए पैसे लेकर काम करते हुए देखा और सुना होगा. आज हम आपको इससे उलट एक ऐसे आदमी के बारे में बताएंगे, जो शादियां बर्बाद करता है। स्पेन के रहने वाले एक शख्स ने दावा किया है कि वो लोगों की शादी तुड़वाने का काम करता है. इसके लिए वो अच्छे पैसे लेता है और वक्त पर पहुंचकर अपना काम बखूबी से अंजाम देता है. इस शख्स की उम्र 35-40 साल है और वो अपनी अजीबोगरीब नौकरी की वजह से न सिर्फ स्पेन में बल्कि दुनिया भर में चर्चा की वजह बना हुआ है. उसने खुद सोशल मीडिया पर एक वीडियो के ज़रिये अपने काम के बारे में बताया।

'पैसे लेकर मैं तुड़वाता हूं शादी'

ऑडिटी सेंट्रल वेबसाइट के मुताबिक शख्स का नाम अर्नेस्टो है और वो बेहद अजीब सर्विस ऑफर करता है. उसने दावा किया है कि कुछ लोग अपनी शादी से बहुत खुश होते हैं लेकिन कुछ लोगों के लिए ये बुरे सपने की तरह होता है. ये वही लोग हैं, जो उसके क्लाइंट हैं. 550 यूएस डॉलर्स यानि 46,135 रुपये की बेस फीस लेकर अर्नेस्ट अपने क्लाइंट्स की शादी ऐन वक्त पर बर्बाद कर देता है. वे पैसे लेकर क्लाइंट से दिन, तारीख और जगह के बारे में पूछते हैं और शादी के बीच पहुंचकर कुछ ऐसा करते हैं कि खुद ही दूल्हा या दुल्हन शादी तोड़ देते हैं. मज़े की बात ये है कि उनके पास इतनी रिक्वेस्ट हैं कि शादियों के सीज़न में वो बिल्कुल खाली नहीं रहते।

आखिर कैसे टूट जाती है शादी?

अर्नेस्ट ने बताया कि जिन्हें शादी नहीं करनी होती है, वे उन्हें पैसे देते हैं. वे उनकी शादी के समय समारोह में पहुंचते हैं और खुद को दूल्हा या दुल्हन का प्रेमी बताने लगता है. वो सारे मेहमानों के बीच अपने प्रेमी या प्रेमिका को अपने साथ भाग जाने के लिए कहने लगता है. अर्नेस्ट का ड्रामा इतना ज़बरदस्त होता है कि शादी टूट ही जाती है. अर्नेस्ट की फीस में आने-जाने का खर्चा नहीं होता है, लेकिन अगर उन्हें थप्पड़, घूंसा या मार पड़ी तो एक्स्ट्रा चार्ज देना पड़ता है. हर थप्पड़ के लिए अर्नेस्ट 4600 रुपये एक्स्ट्रा लेता है. यही वजह है कि वो मार खाने की कोशिश करते हैं।

वड़ा पाव विक्रेता पर आत्महत्या के लिए उकसाने का केस

ठेकेदार की हत्या मामले में मजदूर गिरफ्तार

मुंबई, 16 सितंबर (एजेंसियां)। ठाणे के भिवंडी में 16 वर्षीय एक लड़के के फांसी लगाने के बाद आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। नारपोली पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान वड़ा पाव विक्रेता कुणाल चौधरी के रूप में हुई है।

वरिष्ठ निरीक्षक भरत कामथ ने बताया कि 11 सितंबर को गौरव झा वड़ा पाव खरीदने चौधरी की दुकान पर गया था। चौधरी ने किशोर से अपने घर पर कुछ सामान देने के लिए कहा, लेकिन झा ने मना कर दिया। गुस्साए चौधरी ने उसे थप्पड़ मार दिया। इसके कुछ समय बाद किशोर ने अपने घर में फांसी लगा ली। अधिकारी ने बताया कि चौधरी के पिता की शिकायत पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया है। हालांकि, उसे अभी गिरफ्तार नहीं किया गया।

मजदूरी विवाद को लेकर ठेकेदार की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

ठाणे जिले के अंबरनाथ में अपने मालिक की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या करने के आरोप में 23 वर्षीय एक मजदूर को गिरफ्तार किया गया है। अंबरनाथ पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक अशोक भगत ने बताया कि सलीम याकूब शेख ने रविवार को 52 साल के मजदूर ठेकेदार अब्दुल रहमान की पीट-पीटकर हत्या कर दी। दरअसल, ठेकेदार ने शेख की दैनिक मजदूरी 1,000 रुपये से घटाकर 700 रुपये कर दी, जिस पर विवाद हो गया।

आरएसएस के विजयादशमी उत्सव में इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ. के. राधाकृष्णन होंगे मुख्य अतिथि

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सबसे महत्वपूर्ण आयोजनों में से एक विजयादशमी उत्सव को लेकर संघ की तरफ से तारीख और मुख्य अतिथि के नाम का औपचारिक ऐलान कर दिया गया। आरएसएस ने इस बार भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष पद्म भूषण डॉ. के राधाकृष्णन को मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया है।

इसकी जानकारी आरएसएस ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए दी। विजयादशमी में संघ प्रमुख मोहन भागवत के साथ ही मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होने वाले डॉ. के. राधाकृष्णन का भी संबोधन होगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स से विजयादशमी उत्सव के बारे में जानकारी देते हुए लिखा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा आयोजित श्री विजयादशमी उत्सव 12 अक्टूबर, 2024 को प्रातः 7.40 बजे रेशिमबाग, नागपुर में संपन्न होगा। इस उत्सव में प्रमुख अतिथि पद्म भूषण डॉ. के. राधाकृष्णन, भूतपूर्व अध्यक्ष, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन होंगे और सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का उद्बोधन होगा। बता दें कि, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हर वर्ष विजयादशमी के अवसर इस उत्सव का आयोजन करता है। संघ का यह वार्षिक विजयादशमी उत्सव, हिंदू समाज में पौरूष, पराक्रम और जागरण के पावन पर्व के रूप में मनाया जाता है। संघ के इस वार्षिक विजयादशमी उत्सव को सरसंघचालक के संबोधन (भाषण) के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। संघ के स्वयंसेवकों के अलावा भारत में सत्ता पक्ष और विपक्ष के तमाम दलों की नजरें, इस बात पर टिकी होती है कि संघ प्रमुख इस उत्सव के दौरान, हिंदू समाज, मुस्लिम एवं अन्य अल्पसंख्यक समाज, सरकार के कामकाज और देश में चल रहे ज्वलंत मुद्दों पर क्या-क्या बोलते हैं, क्योंकि संघ प्रमुख के इस दिन दिए गए भाषण को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का आधिकारिक स्टैंड और भविष्य का एजेंडा माना जाता है। संघ की यह भी परंपरा रही है कि, वार्षिक विजयादशमी उत्सव के कार्यक्रम में समाज और देश के प्रतिष्ठित व्यक्ति को आमंत्रित कर,उनके विचार भी सुने जाए।

हरियाणा की राजनीति में भूचाल

भाजपा प्रत्याशी ने उम्मीदवारी से नाम वापस लिया

सिरसा, 16 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा की राजनीति में सोमवार को उस समय नया मोड़ आ गया, जब सिरसा में भाजपा के प्रत्याशी रोहताश जांगड़ा ने नामांकन वापस लेने का फैसला कर लिया और निर्वाचन अधिकारी कार्यालय पहुंचकर नाम वापस ले लिया।

इस महत्वपूर्ण घटनाक्रम ने न केवल भाजपा के भीतर हलचल मचा दी है, बल्कि जांगड़ा के समर्थन में और खिलाफ भी प्रतिक्रियाएं तेज हो गई हैं। माना जा रहा है कि रोहिताश्व जांगड़ा ने यह कदम पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के इशारे पर उठाया है। भाजपा के मैदान से हटने के बाद अब यहां हलोपा के प्रत्याशी गोपाल कांडा की स्थिति मजबूत हो गई है, क्योंकि अब यहां सीधी टक्कर होगी। कांग्रेस ने यहां से पूर्व विधायक और प्रभावशाली नेता लक्ष्मण दास अरोड़ा के नाती गोकुल सेतिया को टिकट दिया है। जांगड़ा के नामांकन वापस लेने से सुथार समाज में भी नाराजगी देखने को मिल रही है। इस समाज के कई लोग जांगड़ा को समर्थन दे रहे थे। लेकिन उनकी उम्मीदें अब धुल गई हैं। इस मुद्दे को लेकर समाज के भीतर विरोध प्रदर्शन और असंतोष की लहर भी उठ सकती है। इस घटनाक्रम ने सिरसा की राजनीति में एक नई हलचल पैदा कर दी है, और आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि भाजपा इस स्थिति को कैसे संभालती है और क्या नए उम्मीदवार की घोषणा के बाद पार्टी के भीतर की स्थिति सामान्य हो पाती है। सिरसा सीट पर हालांकि गोपाल कांडा और इनेलो का गठबंधन है।

इसलिए भाजपा को आशंका थी कि कहीं चुनाव जीतने के बाद सरकार गठन के समय कहीं गोपाल कांडा पाला बदलकर कांग्रेस की तरफ न चले जाएं। इसलिए भाजपा के पूर्व सीएम मनोहर लाल ने तुरुप का पत्ता चलते हुए अपने प्रत्याशी को मैदान से हटा लिया। उम्मीद की जा रही है कि ऐसे में भाजपा अपने करीब 10,000 वोट गोपाल कांडा को ट्रांसफर करवा सकती है। कांडा का यहां जानधार है। क्योंकि पिछला चुनाव वे 603 वोट से ही जीत पाए थे। इसलिए उनकी स्थिति काफी मजबूत हो गई है।

केजरीवाल के इस्तीफे पर अन्ना हजारे बोले

'राजनीति में जाने के लिए मैंने मना किया था'

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कार्यकर्ताओं के बीच बड़ा ऐलान किया। रविवार को कहा कि वो दो दिन बाद सीएम पद से इस्तीफा दे देंगे। इस पर सियासी दलों ने तो अपनी राय जाहिर की ही है समाज सेवी अन्ना हजारे ने भी प्रतिक्रिया दी है। सीएम केजरीवाल के इस फैसले को लेकर समाजसेवी अन्ना हजारे ने कहा कि, मैंने पहले ही अरविंद केजरीवाल को बताया था कि राजनीति में नहीं जाना, समाज की सेवा करना। इसी से तुम बड़े आदमी बन जाओगे। कई साल हम लोग साथ में रहे, उस वक्त मैं बार-बार कह रहा था कि राजनीति में नहीं जाना। समाज सेवा अपने जीवन में आनंद देती है। मैं आनंद में डूबे रहने वाला व्यक्ति हूं। आज जो होना था वो हो गया। उनके दिल में क्या है, मैं क्या जानता हूं।

कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता उदित राज ने सीएम केजरीवाल की मंशा पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा, इस पर कांग्रेस पार्टी जवाब तो नहीं देगी, उनकी पार्टी का यह आंतरिक मामला है कि वो इस्तीफा देंगे कि मुख्यमंत्री बने रहेंगे। मेरा मानना है कि इस कदम के पीछे सहानुभूति के आधार पर वोट लेना है। उनकी अपनी रणनीति है कि वो क्यों इस्तीफा दे रहे हैं। इस्तीफा देना था, तो जब जेल जा रहे थे, उसी समय दे देना चाहिए था। अब इस समय इस्तीफे की पेशकश कर रहे हैं तो जरूर कोई बात होगी। दिल्ली से भाजपा सांसद योगेंद्र चांदोलिया ने कहा कि, केजरीवाल ने इस्तीफा सुप्रीम कोर्ट के दबाव में देने का फैसला किया है। सुप्रीम कोर्ट ने जो शर्त लगाई है, उसने केजरीवाल के हाथ पांव सारे बांध दिए गए हैं। अब वह सुनीता केजरीवाल को मुख्यमंत्री बनाएंगे और खुद शीश महल का आनंद लेंगे। दिल्ली की जनता केजरीवाल के नाटक को जान चुकी है।

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने (रविवार, 15 सितंबर) पार्टी नेताओं को संबोधित करते हुए कहा था, मैं जब जेल में था तो भाजपा वालों ने पूछा कि केजरीवाल ने अपने पद से इस्तीफा क्यों नहीं दिया। मैं आपसे पूछने आया हूं कि आप केजरीवाल को ईमानदार मानते हो कि गुनहगार मानते हो? दो दिन के बाद मैं सीएम पद से इस्तीफा देने जा रहा हूं। मैं तब तक सीएम की कुर्सी पर नहीं बैठूंगा, जब तक जनता अपना फैसला न सुना दे। आप अपना फैसला सुनाओगे, तब मैं उस कुर्सी पर बैठूंगा।

राशन वाली बोरी से बना प्लाजो, बिक रहा मॉल के अंदर, कीमत 60 हजार रुपए!

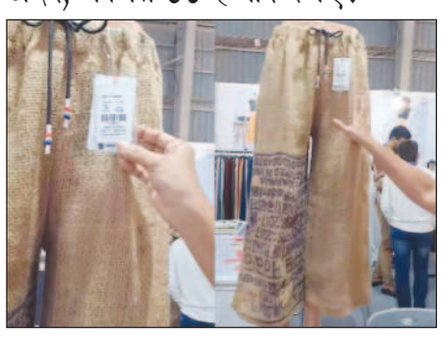

फैशन के मामले में दुनिया काफी तेजी से आगे बढ़ रही है. बाजार में अक्सर नए अंदाज के ड्रेस नजर आ जाते हैं. शुरुआत में उन्हें देखकर ऐसा लगता है कि भला ऐसे कपड़े कौन पहनता है, लेकिन समय के साथ हर कोई उस फैशन को अपना लेता है. लेकिन इनमें से कई ऐसे फैशनेबल कपड़े भी होते हैं, जिन्हें देखकर जिंदगीभर आप तमाम कोशिशों के बावजूद पहन नहीं सकते. अभी हाल ही में ऐसी ही एक फटी हुई जींस का वीडियो वायरल हुआ था, लेकिन आज हम आपको जो दिखाने जा रहे हैं, वो भी कुछ कम नहीं है. दरअसल, राशन वाली बोरी से किसी ने लड़कियों के लिए प्लाजो तैयार कर दिया. ये प्लाजो इधर-उधर नहीं, बल्कि मॉल के अंदर बिक रहा है।

इंस्टाग्राम पर यह वीडियो खूब देखा जा रहा है, इस अकाउंट को मोहम्मद सादिक कादरी हैंडल करते हैं. उनके द्वारा शेयर किया गया वीडियो कहां और किस मॉल का है, इसकी जानकारी तो उपलब्ध नहीं है. लेकिन वीडियो में आप देख सकते हैं कि इसे बनाने वाली कंपनी का नाम होली फैशन है, जिसका दफ्तर महाराष्ट्र के मुंबई में है. मॉल के अंदर इस ड्रेस को शोकेस में लगाया गया है, जिस पर नजर पड़ गई. वो करीब से जाकर उस प्लाजो को देखता है. फिर उस पर लगे प्राइस टैग पर कीमत दिखाता है. इस बोरी से बनी प्लाजो की कीमत 60 हजार रुपए रखी गई है।

पहेली बने हुए थे पिरामिडों के 'प्लाज्मा बुलबुले'

एलियन्स पर भी था शक, चीनी वैज्ञानिकों ने खोला राज

वैज्ञानिकों ने मिस्र में पिरामिडों के आसपास कई बार कुछ असामान्य चीजें तैरती हुई पाई हैं. चीनी वैज्ञानिकों ने पिरामिडों के ऊपर तथाकथित 'प्लाज्मा बुलबुले' के रहस्य से पर्दा उठाने का दावा किया है. इस तरह के बुलबुलों को लेकर अकसर कई तरह की साजिशों की अटकलें लगती रहती हैं, जिनमें एलियन्स तक का हाथ होने का दावा किया जाता रहता है. लेकिन चीनी वैज्ञानिकों ने इस तरह की तमाम साजिशों को खारिज कर इसके पीछे पूरी तरह से प्राकृतिक और वैज्ञानिक कारण बताया है।

मजेदार बात ये भी है कि मिडवे द्वीप पर भी ऐसे बुलबुले पाए गए, जहां कभी एक महत्वपूर्ण अमेरिकी नौसेना बेस था. उनका कहना है दुख की बात है कि अजीब संकेत इस बात का संकेत नहीं हैं कि बहारी दुनिया के जीव और उसके हरे-उंगलियों वाले साथी ताबूत के पीछे से बाहर निकलकर आपका अपहरण करने वाले हैं

इस शोध के लिए शोधकर्ताओं ने बुलबुले खोजने के लिए उन्नत लो लैटीट्यूड लॉन्ग रेंज आयनोस्फेरिक रडार का उपयोग किया. इन भूमध्यरेखीय प्लाज्मा बुलबुले, पृथ्वी के ऊपरी वायुमंडल में आवेशित कणों के गायब होने के कारण होते हैं. यह एक ऐसा क्षेत्र बनाता है जहाँ इलेक्ट्रॉनों का स्तर कम होता है, जिसे वैज्ञानिक बुलबुले के समान मानते हैं। ये बुलबुले सैकड़ों मील तक फैल सकते हैं और जीपीएस और उपग्रह संचार जैसी चीज़ों को भी बाधित कर सकते हैं. बीजिंग में चीनी विज्ञान अकादमी के भाग भूविज्ञान और भूभौतिकी संस्थान के वैज्ञानिकों ने अगस्त में कहा कि पिछले साल नवंबर में उनके रडार पर सौर तूफान से उत्पन्न प्लाज्मा बुलबुले दिखाई दिए थे. ये बुलबुले मिस्र और अक्षांश के निचले क्षेत्रों में अन्य क्षेत्रों में पाए गए।

मस्जिद विवाद में व्यापारियों में झड़प

शिमला, 16 सितंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के सोलन शहर में सोमवार को उस दौरान माहौल तनावपूर्ण हो गया, जब कुछ व्यापारियों ने व्यापार मंडल के बाजार बंद आवाहन के बावजूद दुकानें खुली रखी। इससे गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए कहा, 'सोलन में रहना होगा तो जय श्रीराम कहना होगा'। दरअसल, संजौली मस्जिद विवाद मामले में लाठीचार्ज के विरोध में सोलन के व्यापारियों ने सोमवार सुबह सुबह 9 से 12 बजे तक बाजार बंद का आवाहन किया था। मगर कुछ दुकानदारों ने दुकानें बंद नहीं की। इससे व्यापारी भड़क गए और उनकी दुकानों के बाहर प्रदर्शन किया। पुलिस ने समझाने पर गुस्साएं प्रदर्शनकारी शांत हुए और बाजार में आक्रोश रैली निकाली।

कर्नाटक के मंगलुरु में वीएचपी और बजरंग दल का प्रदर्शन

सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर नाराजगी, बैरिकेडिंग तोड़ी; आरएएफ के जवान तैनात

मंगलुरु, 16 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मंगलुरु में मिलाद-उन-नबी से जुड़ी एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने नाराजगी जताई है। सोमवार सुबह दोनों संगठन मंगलुरु की सड़कों पर प्रदर्शन के लिए उतरे। प्रोटेस्ट रोकने के लिए पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाई, जिसे प्रदर्शनकारियों ने तोड़ दिया। स्थिति को काबू में करने के लिए प्रशासन ने रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) के जवानों को तैनात किया है।

हिंसक प्रदर्शन को लेकर दक्षिण कन्नड़ के एसपी ने कहा- ईद-ए-मिलाद से एक दिन पहले ही हमने जिले सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम कर लिए थए। पुलिस ने कहा कि हम सुनिश्चित कर रहे हैं कि कोई अप्रिय घटना न हो। जो भी शांति भंग करेगा, उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मिलाद-उन-नबी को लेकर मंगलुरु पुलिस अलर्ट पर

इस्लाम धर्म में ईद मिलाद-उन-नबी का त्योहार पैगंबर हजरत मोहम्मद के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है। इस दिन मुसलिम समुदाय में प्रार्थनाएं, समारोह और जश्न और जुलूस निकाले जाते हैं। मंगलुरु में सोमवार शाम तक

अलग-अलग हिस्सों में जुलूस निकाले जाएंगे। इन्हीं जुलूस को लेकर संगठनों में हिंसा न हो, इसके पुलिस मंगलुरु पुलिस अलर्ट मोड पर है।

कल मस्जिद पर भी पथराव, 5 वीएचपी कार्यकर्ता गिरफ्तार

आजतक की रिपोर्ट के मुताबिक, रविवार रात करीब 10:30 बजे मंगलुरु के बाहरी इलाके में कटिपल्ला की बद्रीया मस्जिद पर कुछ बाइक सवार लोगों ने पथराव किया। इसमें मस्जिद के कांच टूट गए। घटना को लेकर मंगलुरु पुलिस ने 5 लोगों को गिरफ्तार किया। ये सभी लोग वीएचपी से जुड़े लोग हैं। गिरफ्तारी को लेकर वीएचपी के कार्यकर्ताओं देर रात नराज हो गए। वे सड़कों पर आकर प्रदर्शन पर उतारु हो गए। हालांकि, प्रशासन ने इस प्रदर्शन को बढ़ने नहीं दिया और स्थिति को काबू में कर लिया।

सूरत में मिलाद-उन-नबी पर शांति के लिए पुलिस का फ्लैग मार्च

सूरत में पुलिस ने सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए सोमवार सुबह फ्लैग मार्च किया। सूरत के पुलिस कमिश्नर अनुपम सिंह गहलोत ने कहा- 16 तारीख को सूरत के अलग-अलग इलाकों में ईद के जुलूस निकाले जाएंगे और 17 तारीख की सुबह से गणपति विसर्जन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इसे देखते हुए सूरत पुलिस ने काफी तैयारियां की हैं।

कमिश्नर ने कहा- हमारे 15 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी और होमगार्ड तैनात रहेंगे और उनकी मदद के लिए स्टेट रिजर्व पुलिस की 11 कंपनियां और रैपिड एक्शन फोर्स की 1 कंपनी रहेगी। हमने एक स्पेशल यूनिट भी बनाई है जो किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहेगी।

सुविचार: कभी-कभी लोग इसलिए सच नहीं सुनना चाहते क्योंकि वे अपने भ्रम को टूटने नहीं देना चाहते।

शहर में विसर्जन के लिए तैयारी पूरी: आम्रपाली काटा

15,000 कर्मचारी और अधिकारी किए गए तैनात
3 पालियों में लगाई गई है ड्यूटी
कमांड कंट्रोल के अलावा 10 नियंत्रण कक्ष
468 क्रेनें तैनात

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) आयुक्त आम्रपाली काटा ने सोमवार को नेकलेस रोड पर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और कहा कि मंगलवार को गणेश प्रतिमा विसर्जन के सुचारू संचालन के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि मूर्ति विसर्जन बिना किसी बाधा के सम्पन्न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए नगर निगम के स्वच्छता, इंजीनियरिंग और अन्य विभागों से लगभग 15,000 कर्मचारी और अधिकारी 3 पालियों में 24 घंटे तैनात किए गए हैं।

अधिकारियों, उत्सव समिति के सदस्यों और अन्य विभागों के साथ कई समन्वय बैठकें आयोजित की गईं, ताकि व्यवस्थाओं की योजना बनाई जा सके और समीक्षा की जा सके तथा यदि कोई कमी रह गई हो तो उसे दूर किया जा सके।

पूरे शहर में स्थिति पर नज़र रखने के लिए तीन शिफ्टों में अतिरिक्त आयुक्त स्तर के अधिकारियों द्वारा संचालित कमांड कंट्रोल के अलावा 10 नियंत्रण कक्ष संचालित किए गए हैं। शहर भर में 73 तालाबों और झीलों में मूर्ति विसर्जन की व्यवस्था की गई है और अब तक 468 क्रेनें तैनात की गई हैं। आम्रपाली ने श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे जुलूस के दौरान कंफ़ेद्दी और कागज़ के झंडे न बरसाएं, क्योंकि इससे सफाई कर्मचारियों के लिए सफाई का काम कठिन हो जाता है।

हुसैन सागर तक चलाई जाएंगी 600 विशेष बसें

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गणेश प्रतिमा विसर्जन और शोभा यात्रा के मद्देनजर तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) 17 सितंबर को शहर के विभिन्न मार्गों से हुसैन सागर और उसके आसपास के क्षेत्रों के लिए लगभग 600 विशेष बसें चलाएगा। टीजीएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक वीसी सज्जनार ने कहा कि श्रद्धालुओं की परेशानी मुक्त आवाजाही की सुविधा के लिए ये विशेष बसें उस दिन संचालित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम की सीमा के अंतर्गत 30 डिपो में प्रत्येक बस डिपो से 15 से 30 बसों की व्यवस्था की गई है। यात्रियों को विशेष बस सेवाओं से संबंधित जानकारी के लिए राठीफाइल बस स्टेशन पर 9959226154 और कोटी बस स्टेशन पर 9959226160 पर संपर्क करने की सलाह दी गई।

लगाए जाएंगे 30 स्वास्थ्य शिविर

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने सोमवार को अधिकारियों से मंगलवार को हैदराबाद में गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए 30 स्वास्थ्य शिविर स्थापित करने और स्थानों पर एम्बुलेंस तैनात करने को कहा। नरसिम्हा ने आपातकालीन स्थितियों में तुरंत उपचार प्रदान करने के लिए डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ की उपलब्धता पर जोर दिया। मंत्री ने अधिकारियों से शहर के टैंक बंड में गणेश भक्तों और पर्यटकों के लिए आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं सुनिश्चित करने को कहा। मंगलवार को गणेश विसर्जन के मद्देनजर तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम ने टैंक बंड और अन्य स्थानों पर 600 विशेष बसें चलाने की घोषणा की है।

एक और स्थानीय छात्र के साथ धोखाधड़ी

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद का एक 25 वर्षीय छात्र ऑनलाइन ठगी का शिकार हो गया। पीड़ित को व्हाट्सएप के माध्यम से एक संदेश मिला। भेजने वाले ने उसे होटल और रिसॉर्ट के लिए गूगल समीक्षा पोस्ट करने जैसे कार्य दिए और प्रत्येक कार्य के लिए 50 रुपये का भुगतान करने का वादा किया। फिर पीड़ित को एक आईडी का उपयोग करके टेलीग्राम के माध्यम से इन कार्यों के लिए भुगतान प्राप्त करने के लिए अपने बैंक खाते का विवरण साझा करने के लिए कहा गया। इसके बाद, पीड़ित को "टोटल जॉब्स 2024 ग्रुप 14वें" नामक एक टेलीग्राम समूह में जोड़ा गया। उसे 1,000 रुपये का अग्रिम भुगतान करके एक प्रीपेड कार्य पूरा करने के लिए कहा गया, जिसके बाद उसे एक कोड दिया गया और "रिसेप्शनिस्ट" से संपर्क करने का निर्देश दिया गया। घोटालेबाजों ने कार्य पूरा करने पर पीड़ित को पैसे ट्रांसफर कर दिए। इसी तरह, दूसरे और तीसरे कार्य के लिए भी घोटालेबाजों ने पैसे ट्रांसफर किए। हालांकि, पहले और दूसरे सबटास्क के लिए पीड़ित को अपने बैंक खाते से भुगतान करना पड़ा। सभी भुगतान पूरा करने के बाद, स्कैमर्स ने पीड़ित को सूचित किया कि उसकी ग़लती के कारण उसका खाता फ्रीज हो गया। खाते को अनफ्रीज करने के लिए, उन्होंने अतिरिक्त भुगतान की मांग की, जो पीड़ित ने किया।

मुख्यमंत्री ने गणेश विसर्जन की व्यवस्थाओं की समीक्षा की

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को मंगलवार को होने वाले हैदराबाद गणेश विसर्जन के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सभी एहतियाती कदम उठाने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने सोमवार को विसर्जन प्रक्रिया की व्यवस्थाओं और निगरानी के संबंध में कमांड कंट्रोल सेंटर में समीक्षा बैठक की। बैठक में हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सी वी आनंद सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शामिल हुए।

आयुक्त आनंद ने मुख्यमंत्री को निगरानी उपायों के बारे में जानकारी दी और बताया कि ग्रेटर हैदराबाद में 733 सीसीटीवी कैमरों के जरिए विसर्जन प्रक्रिया की निगरानी की जा रही है। मुख्यमंत्री ने टैंक बंड, प्रमुख विसर्जन स्थलों और झीलों सहित प्रमुख स्थानों पर विशेष निगरानी की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि निरंतर निगरानी के अलावा, कर्मचारियों को हर घंटे कमांड कंट्रोल से अलर्ट और मार्गदर्शन प्राप्त करना चाहिए ताकि उच्च सतर्कता सुनिश्चित की जा सके। रेवंत रेड्डी ने समस्याग्रस्त क्षेत्रों पर अतिरिक्त ध्यान देने के महत्व पर जोर दिया और अधिकारियों को प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने के लिए ब्लाइंड स्पॉट और हॉटस्पॉट का रिकॉर्ड बनाए रखने का निर्देश दिया।

उन्होंने विसर्जन प्रक्रिया के दौरान किसी भी व्यवधान या समस्या से बचने के लिए सक्रिय कदम उठाने का भी निर्देश दिया।

तेलंगाना में राजनीतिक हमले किए जा रहे हैं : कौशिक रेड्डी

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के विधायक कौशिक रेड्डी ने राज्य में राजनीतिक हमलों के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा, "तेलंगाना के लोग देख रहे हैं कि सीएम ने किस तरह से बात की है।" उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम ने खुद अपने लोगों को उन्हें मारने के लिए भेजा था और कहा कि रेवंत रेड्डी ने खुद स्वीकार किया है कि उन्होंने लोगों को उनके घर भेजा था। उन्होंने मांग की कि डीजीपी और गृह सचिव रेवंत की टिप्पणी पर जवाब दें। उन्होंने दावा किया कि उन्हें तब गिरफ्तार किया गया जब वे खम्मम जिले के बाढ़ पीड़ितों से मिलने गए थे। उन्होंने साफ किया कि उन पर हमला करने वालों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। कौशिक रेड्डी ने दावा किया कि उन्हें जान से मारने की धमकियां देने वाले फोन कॉल आ रहे हैं और कहा कि अगर उन्हें कुछ हुआ तो रेवंत जिम्मेदार होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस की मदद से सैकड़ों लोगों ने उन पर हमला किया। उन्होंने कहा कि वह तेलंगाना के लोगों की खातिर राजनीति में आए हैं। उन्होंने आरोप लगाया, "एक डॉक्टर ने मुझे बताया कि रेवंत रेड्डी को मनोवैज्ञानिक विकार है। कांग्रेस के नौ महीने के शासन के दौरान, राज्य नौ साल पीछे चला गया। रेवंत रेड्डी सुबह एक शब्द बोलते हैं और शाम को दूसरा शब्द बोलते हैं।"

एबिड्स, विधानसभा क्षेत्र में यातायात ठप

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में उत्सव के माहौल के कारण सोमवार को यातायात व्यवस्था चरमरा गई, क्योंकि गणेश प्रतिमा विसर्जन से पहले सुबह-सुबह ही लोग सड़कों पर उमड़ पड़े। नामपल्ली, अबिड्स और असेंबली में भारी ट्रैफिक और वाहनों की धीमी गति थी। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने एक्स को बताया कि कई इलाकों में ट्रैफिक गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के बाद लौट रहे वाहनों की भारी भीड़ के कारण है।

गणेश विसर्जन जुलूस के खाली वाहनों के वापस लौटने के कारण, एआर पेट्रोल पंप, गन पार्क, रवींद्र भारती, डीजीपी कार्यालय से लकड़ी का पूल की ओर वाहनों की आवाजाही धीमी है। गणेश प्रतिमाओं को ले जाने वाले वाहनों के अलावा अन्य वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी तथा मुख्य जुलूस मार्ग पर तथा सहायक नदी जुलूसों से लगे अन्य स्थानों पर उनका मार्ग परिवर्तित कर दिया जाएगा।

पश्चिम से पूर्व या इसके विपरीत जाने की सुविधा केवल बशीरबाग जंक्शन पर उपलब्ध है।

यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे इनर रिंग रोड और मसाब टैंक - पंजागुट्टा - बेगमपेट और सिकंदराबाद मार्ग या आउटर रिंग रोड का उपयोग करें, ताकि यातायात मोड़ बिंदुओं से बचा जा सके।

कुत्तों ने 30 भेड़ों को मार डाला
किसान ने मदद की अपील की

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार रात को रंगारेड्डी जिले के कोंडुर्ग मंडल में कुत्तों के एक झुंड ने एक किसान की 30 भेड़ों पर हमला कर उन्हें मार डाला। येल्लमपल्ली श्रीशैलम नाम का किसान अपनी भेड़ों को चराने के लिए बाहर ले गया और शाम को उन्हें घर में बंद करके चला गया। सोमवार की सुबह जब वह वापस लौटा तो उसने देखा कि उसकी भेड़ें कुत्तों के झुंड द्वारा हमला किए जाने के बाद मर चुकी हैं। परेशान किसान ने राज्य सरकार से मुआवजा दिलाने की अपील की है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि कुत्तों द्वारा जानवरों पर हमले की घटनाएं काफी बढ़ गई हैं तथा हाल के दिनों में तो कुत्तों ने इंसानों पर भी हमला किया है।

एपीटीए ने बाढ़ प्रभावित परिवारों की मदद के लिए बढ़ाया हाथ

खम्मम, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अमेरिकन प्रोग्रेसिव तेलुगु एसोसिएशन (एपीटीए) ने खम्मम में बाढ़ प्रभावित परिवारों की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। एसबीआईटी के चेयरमैन गुंडाला कृष्णा ने प्रभावित परिवारों को एपीटीए द्वारा उपलब्ध कराई गई सब्जियों के साथ-साथ आवश्यक वस्तुओं की लगभग 300 किट वितरित कीं। उन्होंने कहा कि खम्मम में हाल ही में आई अभूतपूर्व बाढ़ के कारण कई परिवारों ने अपना सब कुछ खो दिया है।

उन्होंने बताया कि एपीटीए के तत्वावधान में तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में 700 से अधिक बाढ़ प्रभावित परिवारों को आवश्यक घरेलू किट वितरित किए गए। उन्होंने एपीटीए के अध्यक्ष त्रिनाद मुद्रगेदा, वैश्विक संचालन अध्यक्ष मधु वुल्ली, खम्मम प्रभारी कार्तिक गुंडाला और विजयवाड़ा प्रभारी कोटेश चव्वाकुला को उनके इस दयालु कार्य के लिए धन्यवाद दिया।

2008 में अमेरिका में स्थापित, देश भर में 10,000 सदस्यों के साथ, एपीटीए तेलुगु एनआरआई का समर्थन करने और स्वदेश में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है। एसोसिएशन ने 10,000 से अधिक छात्रों को लाभान्वित करते हुए 15 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की है।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

एनडब्ल्यू/148/डब्ल्यू।।।/टेन्डर नोटिस/जीएस/2024-25 दि.13/09/2024
PUB/0919/24

निम्न कार्यों हेतु खुली निविदा जारी की गयी है तथा निविदा विवरण को, पहले ही www.ireps.gov.in पर अपलोड किया गया है।

क्रम सं.1, टेंडर नं.-टी-202425-जीएस-001,प्राधिकरण -डिप्युटी सीइ/जीएस/एनइडी, विज्ञापित निविदा मूल्यः रु.24,06,75,969/- पूर्व धरोहर राशिः रु. 13,53,400/- पूरा करने की अवधिः पंद्रह महिने(15महिने) निविदा पपत्र मूल्यःरु. शून्य कार्य विवरणः एससीआर गति शक्तिः नांदेड डिवीजन- दक्षिण मध्य रेलवे के पूर्णा-अकोला तथा पूर्णा-सिकंदराबाद के मुख्य लाइनों को जोडने(कनेक्ट करने) के लिए, पूर्णा जंक्शन स्टेशन (3.22किमी) पर बाय-पास लाइन का प्रस्तावित कार्य, आयआरएस जीइः 0004 विनिर्देशनों नुसार, छोटे पुलों (मायनर ब्रिजेस) का निर्माण कार्य, नाली या ड्रेन, प्लाट फार्म सहित सीओपी,आरबीजी, बिल्डिंग, गूम्पटीज, तत्संबंधित आपूर्ति, परिवहन एवं स्टोन बल्लास्ट की डम्पिन्ग, पी.वे मटेरियल्स का परिवहन, बीजी ट्रैक को बिछाना व जोडना(लिंकिंग), एसइजे की एसेम्बलिन्ग व इन्सर्शन, पाइंट्स एवं क्रासिंग्स तथा अन्य संबंधित छिटपुट कार्यों का पूरा करना एवं निर्माण में मिट्टी के कार्य का प्रस्तावित निष्पादन या एर्थवर्क इन फार्मेशन/कटाई सहित ब्लैन्केटिन्ग पूरा करने का प्रस्तावित कार्य।

क्रम सं.1, टेंडर नं.- टी-202425-जीएस-001, निम्न समान स्वभाव का कार्य (50 लाख रुपये मूल्य) से अधिक, निर्माण में मिट्टी का कार्य या एर्थवर्क इन फार्मेशन तथा किसी भी प्रकार के पुलों को पूरा करने से संबंधित कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य

उपरोक्त निविदा दि.10.10.2024 के 15.00 बजे बंद होगी।
उप मुख्य अभियंता/जीएस/नांदेड

खुली ई-निविदा सूचना सं. एनइडी/इ.29/टीआरडी/टेन्डर/12एन्ड13/2024-25 दि.13/09/2024
PUB/0920/24

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1, टेन्डर नं. एन/इ.29/टीआरडी/टेन्डर/12/2024-25, कार्य विवरणः नांदेड डिवीजन के बदनापुर-करमाड स्टेशनों के बीच गेवराइ(जीइवीआरएआइ) पर दो लूप लाइनों का प्रावधान- ओएचइ व्यवस्था। पूरा करने की अवधिः6 महिने, अनुमानित मूल्यःरु. 3,18,33,822/-, बोली सुरक्षा राशिः रु. 3,09,200/-

क्रम सं.2, टेन्डर नं. एन/इ.29/टीआरडी/टेन्डर/13/2024-25-25केवी एसी ओएचइ की डिजाइन,आपूर्ति, इरेक्शन, टेस्टिंग व कमीशनींग कार्य व नई एसएसपी का प्रावधान सहित पूर्णा-अकोला लाइन से मनमाड-सिकंदराबाद लाइन को जोडने के लिए, पूर्णा जंक्शन पर बाय पास लाइन के लिए, मौजूदा एसीएंडीए का परिवर्तन कार्य। पूरा करने की अवधिः 6 महिने, अनुमानित मूल्यःरु. 3,36,33,868/- बोली सुरक्षा राशिः रु. 3,18,200/-

बंद करने की तिथि व समयः 14/10/2024, 16.00 बजे
A1183
वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/टीआर/नांदेड

निविदा शर्तों/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग के लिए कृपया हमारे वेबसाइटःhttps://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

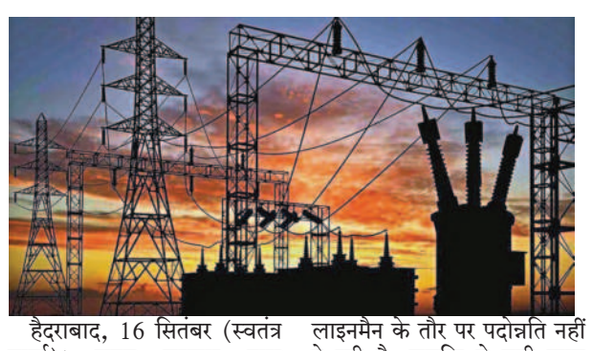

आदिलाबाद में विसर्जन के लिए व्यापक प्रबंध

आदिलाबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को आदिलाबाद, मंचेरियल जिलों में गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए व्यापक प्रबंध किए गए थे। जिले भर में रखी गई 810 मूर्तियों के विसर्जन के दौरान अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए कुल 1,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। मल्टी जोन के पुलिस महानिरीक्षक एस चंद्रशेखर रेड्डी सुरक्षा उपायों की निगरानी करेंगे। उन्होंने भक्तों से शांतिपूर्ण मौसम में विसर्जन समारोह मनाने का अनुरोध किया।

जिले में विसर्जन जुलूस पर नज़र रखने के लिए मार्गों पर 200 से ज़्यादा सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। जिला मुख्यालय को सात समूहों में बांटा गया है। मुख्य अतिथि शहर में जुलूस शुरू करने के लिए श्री सरस्वती शिशुमंदिर के परिसर में रखी गई मूर्ति की पूजा करेंगे। इस बीच, मंचेरियल जिले में रखी 2,307 मूर्तियों को विसर्जित करने के लिए गोदावरी नदी के किनारे सात स्थानों की पहचान की गई। इन स्थानों में रायपट्टनम पुल, लक्सेटिपेट में गोदावरी पुष्कर घाट, मंचेरियल में गौतमेश्वर स्वामी मंदिर, नासपुर मंडल के सीतारमपल्ली में इंटेक वेल, जयपुर मंडल में इंद्राम, गोदावरीखानी के पास गोदावरी पुल, चेन्नूर में पेद्दा चेरुवु और बेल्लमपल्ली में पोचम्मा चेरुवु शामिल हैं।

सुरक्षा व्यवस्था में चार एसीपी, 14 इंस्पेक्टर, 19 सब इंस्पेक्टर, 182 हेड कांस्टेबल, 366 कांस्टेबल, 29 महिला कांस्टेबल, 100 कांस्टेबल सहित 842 पुलिसकर्मी तैनात किए गए। जुलूस को सुचारू रूप से चलाने के लिए यातायात प्रतिबंध लगाए गए थे। निगरानी के लिए करीब 100 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। विसर्जन स्थलों पर विशेषज्ञ गोताखोरों को तैनात किया गया था। रामागुंडम के पुलिस आयुक्त एम श्रीनिवासुलु ने मंचेरियल के डीसीपी ए भास्कर के साथ दांडेपल्ली में रायपट्टनम पुल और मंचेरियल में गौतमेश्वर स्वामी मंदिर में मूर्ति विसर्जन स्थलों का निरीक्षण किया। निर्मल और कुमराम भीम आसिफाबाद जिलों में भी इसी तरह के व्यापक प्रबंध किए गए थे। रूट मैप पहले से ही तैयार कर लिए गए थे, जबकि मूर्तियों के विसर्जन के लिए स्थानों की पहचान कर ली गई थी।

दुर्घटनाओं में 2 लोगों की मौत

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार की सुबह शहर के बाहरी इलाके डुंडीगल में कंक्रीट के तैयार मिश्रण (आरएमसी) से मोटरसाइकिल टकराने पर 33 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी घायल हो गई। बिहार निवासी चौकीदार राकेश राय अपनी पत्नी के साथ शाहपुर नगर से बौरामपेट की ओर जा रहे थे, तभी बौरामपेट चौराहे के पास मियापुर की ओर से आ रहे एक आरएमसी ट्रक ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। राकेश की सिर में गंभीर चोट लगने से मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी को 108 एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया गया। राकेश डुंडीगल के बौरामपेट का निवासी था। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया, जिसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

दूसरे मामले में, पहाड़ीशरीफ में सड़क पर बाइक फिसलने से 37 वर्षीय एम सुधाकर की मौत हो गई।

गणेश प्रतिमाओं की शोभा यात्रा पर पुलिस की रहेगी पैनी नजर
पिछले दो महीनों से विसर्जन की व्यवस्था की तैयारी में जुटी पुलिस

हैदराबाद, 16 सितंबर (एनएसएस): शहर पुलिस ने जीएचएमसी सीमा में गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए व्यवस्था की है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एक लाख प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए पर्याप्त व्यवस्था की गई है और विसर्जन बंदोबस्त के लिए 25,000 पुलिसकर्मियों को तैयार रखा गया है। पुलिस पिछले दो महीनों से विसर्जन की व्यवस्था पर काम कर रही है। अकेले हुसैन सागर झील के आसपास करीब 3,000 लोगों को तैनात किया गया है। इस साल हुसैन सागर में 25,000 से 30,000 प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाएगा। अधिकारी दोपहर 1.30 बजे से पहले खैरताबाद में गणेश प्रतिमा का विसर्जन करने की तैयारी कर रहे हैं। बालापुर विनायक की प्रतिमा शाम करीब 4 बजे हुसैन सागर पहुंचने की संभावना है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए शी टीमें तैनात की जा रही हैं। हुसैनसागर झील और उसके आसपास 12 शी टीमें होंगी। मंगलवार सुबह 6 बजे से बुधवार रात 11 बजे तक भारी वाहन और निजी बसें भी शहर में नहीं चलेंगी। विसर्जन के दौरान पुलिस ने पूरे शहर में यातायात प्रतिबंध लगा दिए हैं। कुल 67 डायवर्जन प्वाइंट बनाए गए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने सुझाव दिया है कि अगर सभी लोग सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें तो विसर्जन शांतिपूर्वक हो सकता है। आपात स्थिति के लिए 9010203626 ट्रैफिक हेल्पलाइन नंबर, 8712660600 और 040-27852482 पर कॉल करें। दूसरी ओर, खैरताबाद गणपति शोभा यात्रा मंगलवार सुबह 6.30 बजे शुरू होगी। यहां करीब 700 पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। मार्ग पर 56 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसके अलावा सड़क पर सीसीटीवी कैमरों से भी सुरक्षा की निगरानी की जाएगी। बालापुर विनायक मंदिर में 220 पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। राचकोंडा पुलिस ने 30 सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था की है। लड्डू की नीलामी के बाद शोभा यात्रा शुरू होगी। 16 किलोमीटर की यात्रा के बाद यह एनटीआर मार्ग पहुंचेगी।

डिस्कॉम कारीगरों ने स्थायी कर्मचारियों के रूप में की मान्यता की मांग

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार द्वारा संचालित 4 बिजली कंपनियों में काम करने वाले 23,000 से ज़्यादा कारीगर राज्य सरकार के रवैये पर नाराज़गी जता रहे हैं और चाहते हैं कि सरकार उन्हें स्थायी कर्मचारी के तौर पर मान्यता दे। वे यह भी मांग कर रहे हैं कि सरकार लाइनमैन के खाली पदों पर कारीगरों को नियुक्त करे।

कारीगर इस बात से नाराज़ हैं कि सरकार जूनियर लाइनमैन की भर्ती कर रही है और उन्हें जूनियर लाइनमैन के तौर पर पदोन्नति नहीं दे रही है, जबकि वे वही काम करते हैं। उन्हें डर है कि अगर नए लाइनमैन नियुक्त किए गए तो उन्हें पदोन्नति नहीं मिलेगी।

हाल ही में, उत्तरी विद्युत वितरण कंपनी तेलंगाना लिमिटेड ने एई (इलेक्ट्रिकल और सिविल), जूनियर लाइनमैन और सब-इंजीनियर के कुल 2260 पदों को भरने के लिए अधिसूचनाएं जारी कीं और उनमें से 2212 पद जूनियर लाइनमैन के लिए थे। इसी तरह, दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी तेलंगाना लिमिटेड ने भी 1553 लाइनमैन पदों को भरने के लिए अधिसूचनाएं जारी कीं। तेलंगाना विद्युत कारीगर संयुक्त कार्रवाई समिति के अध्यक्ष एल ईश्वर राव ने कहा कि सरकार जूनियर लाइनमैन, जूनियर सहायक और अन्य पदों पर भर्ती कर रही है, जबकि कारीगर प्रणाली जारी है, जिससे उन्हें भारी नुकसान हो रहा है।

उन्होंने सरकार से लाइनमैन के सभी रिक्त पदों को कारीगरों से भरने की मांग की, क्योंकि वे वर्षों से एक ही काम कर रहे हैं। उन्होंने मांग की कि कारीगरों को सेवानिवृत्ति तक इसी पद पर बने रहना पड़ता है, क्योंकि मौजूदा व्यवस्था में पदोन्नति की कोई गुंजाइश नहीं है। हमें कारीगरों के बजाय जूनियर लाइन असिस्टेंट, सब-इंजीनियर और जूनियर प्लांट अटेंडेंट जैसे पदनाम दिए जाने चाहिए।

'केवल मुरली से काम नहीं चलेगा, धर्म की रक्षा के लिए सुदर्शन भी जरूरी'

योगी आदित्यनाथ का बड़ा बयान

अगरतला, 16 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को त्रिपुरा में बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि केवल मुरली से काम नहीं चलेगा, बल्कि सुरक्षा के लिए सुदर्शन भी जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर आप धर्म की रक्षा करेंगे तो धर्म भी आपकी रक्षा करेगा। उन्होंने कहा, त्रिपुरा में डबल इंजन की सरकार है, जो डबल स्पीड से सर्वांगीण विकास के लिए काम कर रही है। हम सबके सामने धार्मिक क्षेत्र में हो रही प्रगति उल्लेखनीय हैं। योगी आदित्यनाथ ने बांग्लादेश का नाम लिए बगैर कहा, बगल में आपके हजारों किलोमीटर की सीमा के पार जो हमारे बंधुगण रह रहे हैं, उनकी क्या स्थिति है, ये आपसे छिपी हुई नहीं है।

उन्होंने आगे कहा, हम सबको इस बात को ध्यान में रखना होगा कि अगर आप धर्म की रक्षा करेंगे तो धर्म आपकी रक्षा करेगा। लेकिन अगर आप अपने स्वार्थ के लिए धर्म का बलिदान करेंगे, तो वह धर्म भी आपके साथ उसी प्रकार का व्यवहार करेगा। हमारी सनातन मान्यता रही है- 'यतो धर्मस्ततो जयः', यही हम सबकी शिक्षा है। हम सब 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के रूप में देश को मजबूत करने के लिए कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प और सामर्थ्य हम सबको एक नई यात्रा पर आगे बढ़ा रहा है। आदित्यनाथ ने आगे कहा, हम यह भी जानते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण की स्मृति जब हम सबके सामने आती है, तो उनके एक हाथ में मुरली है, तो दूसरे हाथ में सुदर्शन है। केवल मुरली से काम नहीं चलेगा, बल्कि रक्षा के लिए सुदर्शन भी आवश्यक है। सुदर्शन जब आपके पास होगा तो फिर किसी को बलिदान नहीं देना पड़ेगा।

पाकिस्तान पर भी निशाना साधा

उन्होंने कहा, 1947 के पहले कौन लोग थे, जो भारत के दुर्भाग्यपूर्ण विभाजन के लिए जिम्मेदार थे। उन लोगों के बारे में सही जानकारी देने की आवश्यकता है। याद रखना,1905 में अंग्रेजों की जो बंग-भंग की साजिश थी, उस समय के समाज ने उसे विफल किया था, ऐसे ही मुस्लिम लीग की साजिशों को विफल करने के लिए उस समय का कांग्रेस नेतृत्व और जोगेंद्र नाथ मंडल ने मिलकर पानी फेरने का काम करते तो कभी भी पाकिस्तान जैसा नासूर नहीं बनता है। पाकिस्तान एक नासूर है। जब तक इसका ऑपरेशन नहीं होगा। तब तक इस कैंसर की समस्या का समाधान नहीं होने वाला है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) इस बात को जानता था कि अगर हम कांग्रेस के साथ संधि कर देंगे तो वे देश को विभाजित कर देंगे, हिंदुओं का नरसंहार करेंगे और हमारे देश की परंपराओं को नष्ट कर देंगे।

अपहरण कर 5 साल के बच्चे की हत्या

आगरा, 16 सितंबर (एजेंसियां)। आगरा में 5 साल के बच्चे की अपहरण के बाद हत्या कर दी गई। शव गांव के बाहर बंबा (रजवाहा) में मिला है। मासूम बच्चा दो दिन से लापता था।

पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। सोमवार दोपहर 12 बजे के बाद गांव से थोड़ी दूर पर बंबा में मासूम की लाश मिली। हत्या की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। बच्चे का एक कान कटा हुआ था। आंख और चेहरे पर चोट के कई निशान मिले। पिता ने पड़ोसियों पर हत्या का आरोप लगाया है। पड़ोसी वारदात के बाद से फरार हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। आरोपी पड़ोसियों की तलाश की जा रही है। उनके घर पर पुलिस ने ताला लगा दिया है।

सुल्तानपुर में 4 महिलाओं ने सियार को पीट-पीटकर मार डाला

सुलतानपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। सुल्तानपुर का मोतिगरपुर ब्लॉक क्षेत्र एक पखवारे से जंगली सियार के आतंक से जूझ रहा है। सोमवार को यहां के खैरहा गांव की चार महिलाओं ने बहादुरी का परिचय देते हुए एक सियार को लाठी-डंडे से मारकर ढेर कर दिया। वहीं, पिछले पंद्रह दिनों से लगी वन विभाग की टीम पूरी तरह फेल नजर आ रही है।

मोतिगरपुर के कोड़रिया क्षेत्र में पांच सितंबर को सियार ने एक दो माह की बच्ची को मार डाला था। इसके बाद से कोड़रिया, खैरहा, मीरपुर सरैया, शुकुल दुलैचा, छेदुवारी आदि गांवों में सियार का आतंक देखने को मिला। महिला-पुरुष दोनों को सियार ने हमला कर घायल किया था। कई गांवों में वन विभाग की टीम ने बाकायदा पिंजरा लगाकर सियार को पकड़ने के लिए एक-एक किलो मांस लगाया, लेकिन सियार पकड़ में नहीं आए। यही नहीं जाल से लेकर कैमरे तक लगाए गए, लेकिन कोई सफलता वन विभाग को नहीं मिली। इस बीच सोमवार को खैरहा गांव की कुछ महिलाएं बकरियों को चराने नदी के किनारे की तरफ ले गई थीं। तभी झाड़ियों के बीच से एक सियार ने बकरी पर धावा बोल दिया। बकरी तेजी से भागी तो एक महिला मोहरा देवी पत्नी स्व. दौलत निषाद की निगाह झाड़ी में छिपे सियार पर पड़ी। मोहरा के चिल्लाने पर तीन अन्य महिलाएं रत्ना देवी पत्नी राम भुआल, बिंदू पत्नी राम सेवक व सुनीता देवी पत्नी मुन्नू लाठी-डंडे व हंसिया के साथ मौके पर पहुंची। चारों महिलाओं ने घेरकर सियार पर हमला बोल दिया। देखते ही देखते चारों महिलाओं ने पीटकर सियार को मार डाला। ग्राम प्रधान सुभाष चंद्र निषाद की सूचना पर वन दरोगा चंद्र प्रकाश ने मौके पर जाकर जांच की है।

वाराणसी में 'प्राकृतिक ऑक्सीजन बैंक' विकसित करने की पहल

वाराणसी, 16 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में अब सरकार प्राकृतिक ऑक्सीजन बैंक विकसित करने में जुटी है। इन स्थलों पर एक एकड़ भूमि पर पौधरोपण और शेष स्थानों पर ओपन जिम, वॉकिंग ट्रैक आदि का निर्माण होगा। प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनके संसदीय क्षेत्र में पौधरोपण कर 'उपवन योजना' की शुरुआत कर सकते हैं।

वहीं, वाराणसी नगर निगम कंचनपुर और सारंग तालाब के पास 148 पौधे लगाकर 'उपवन योजना' का शुभारंभ होगा। इन दोनों स्थानों पर लंबी आयु वाले पौधों को लगाया जाएगा।

रोजगार मेले में पहुचेंगे योगी

गाजियाबाद, 16 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 18 सितंबर को गाजियाबाद के रामलीला ग्राउंड में पहुंच रहे हैं। यहां पर वह रोजगार मेले में भाग लेंगे और युवाओं को सर्टिफिकेट बांटेंगे। बताया जा रहा है कि 100 से ज्यादा कंपनियां इस रोजगार मेले में भाग लेंगे और 15000 युवाओं को इस रोजगार मेले के जरिए नौकरी मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

गाजियाबाद में उपचुनाव भी होने वाले हैं, जिसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भाजपा नेताओं के साथ पहले ही बैठक कर चुके हैं। माना जा रहा है कि इस रोजगार मेले का भाजपा पर सकारात्मक प्रभाव उप चुनाव में दिख सकता है। दरअसल गाजियाबाद में अतुल गर्ग के सांसद चुने जाने के बाद गाजियाबाद सदर विधानसभा सीट खाली हो गई थी, इस सीट पर उप-चुनाव होना है, इसलिए मुख्यमंत्री का गाजियाबाद दौरा खास माना जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहले सितंबर के पहले सप्ताह में आने की तैयारी थी, फिर 14 सितंबर की चर्चा हुई, लेकिन अब मुख्यमंत्री का 18 सितंबर का कार्यक्रम फाइनल हो गया है।

हालांकि, अधिकारिक कार्यक्रम आना अभी बाकी है। बीते दिनों जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गाजियाबाद पहुंचे थे, तो उन्होंने भाजपा के सैकड़ों नेताओ से यूपी चुनाव को लेकर चर्चा की थी और उसे लेकर दिशा निर्देश भी दिए गए थे। गाजियाबाद के हिंदी भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं को संबोधित करते हुए अपने बूथ को मजबूत करने का मंत्र दिया था।

पत्नी का सिर काटा, हाथ में लेकर थाने आ रहा था

पुलिस ने पकड़ा तो कहने लगा-थाने में ही सिर दूंगा; अवैध संबंध का था शक

मधेपुरा, 16 सितंबर (एजेंसियां)। मधेपुरा में एक पति ने अपनी पत्नी की गला काटकर हत्या कर दी। फिर पत्नी का कटा सिर लेकर घूमने लगा। वह कटा सिर हाथों में लेकर थाने में सरेंडर करने जा रहा था, इस बीच पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

पूछताछ करने पर कहने लगा कि वह पत्नी का सिर थाने में ही देगा। ग्रामीणों का कहना है कि आरोपी पति अर्जुन शर्मा (37) ने अवैध संबंध के शक में अपनी पत्नी (35) का धारदार दबिया से गला काट दिया। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और महिला के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। यह घटना श्रीनगर थाना क्षेत्र के पोखरिया टोला वार्ड संख्या 2 की है।

मुख्तार अंसारी की विसरा रिपोर्ट में जहर की पुष्टि नहीं, हार्ट अटैक से मौत !

लखनऊ, 16 सितंबर (एजेंसियां)। बांदा जेल में बंद बाहुबली मुख्तार अंसारी की मौत दिल का दौरा पड़ने से ही हुई थी विसरा रिपोर्ट में भी ये बात स्पष्ट हो गई है। बांदा के डीएम ने इससे संबंधित जांच रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है। बांदा डीएम राजेश कुमार ने करीब 5 महीने तक चली जांच करने के बाद शासन को रिपोर्ट भेजी है। लखनऊ भेजी गई विसरा रिपोर्ट में जहर की पुष्टि नहीं हुई है। सीसीटीवी फुटेज और बैरक की जांच के अलावा खाने की जांच रिपोर्ट का भी अध्ययन किया गया।

इसकी जांच के लिए जेल अधिकारियों और डॉक्टरों समेत 100 से ज्यादा लोगों के बयान लिए गए। जांच में परिजनों के 'स्लो पॉइजनिंग' के आरोपों को खारिज कर दिया गया है। बांदा जेल में बंद बाहुबली नेता मुख्तार अंसारी की मौत की वजह हार्ट अटैक थी। इससे पहले पोस्टमार्टम और विसरा जांच में किसी भी तरह के जहर की पुष्टि नहीं हुई थी। बता दें कि उत्तर प्रदेश की बांदा जेल में बंद माफिया मुख्तार अंसारी की 28 मार्च को मौत हो गई थी। इस घटना के बाद परिजनों ने जेल प्रशासन पर 'धीमा जहर' देने का गंभीर आरोप लगाया था। हालांकि, तब भी पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हार्ट अटैक से मौत की पुष्टि हुई थी। इसके बाद विसरा जांच के लिए भेजा गया था। 20 अप्रैल को आई विसरा रिपोर्ट में भी जहर की मौजूदगी नहीं पाई गई।

उत्तर प्रदेश सरकार ने 29 मार्च को मुख्तार अंसारी की हत्या की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए थे। उत्तर प्रदेश सरकार के प्रवक्ता ने कहा था कि तीन सदस्यीय समिति मौत की जांच करेगी। इस मामले को लेकर मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी ने दावा किया था कि उसके पिता को जेल में धीमा जहर दिया गया था। इसी तरह का दावा मुख्तार अंसारी के भाई और गाजीपुर से सांसद अफजाल अंसारी ने भी किया था। मौत से पहले मुख्तार अंसारी ने भी बाराबंकी कोर्ट में अर्जी दाखिल की थी। जिसमें आरोप लगाया गया था कि जेल में परोसे जा रहे खाने में जहरीला पदार्थ मिलाकर दिया जा रहा है। अंसारी ने दावा किया था कि 19 मार्च को खाना खाने के बाद उसके नसों और अंगों में दर्द होने लगा था।

शादीशुदा प्रेमिका को होटल ले गया फिर मार डाला

प्रयागराज, 16 सितंबर (एजेंसियां)। प्रयागराज में एक युवक ने अपनी शादीशुदा प्रेमिका को होटल में बुलाया। यहां उसकी गला दबाकर हत्या की। इसके बाद 5 घंटे तक लाश के पास बैठा रहा। फिर वह थाने पहुंचा और पुलिस वालों से कहा- मुझे गिरफ्तार कर लो। मैंने अपनी प्रेमिका को मार डाला है। उसकी लाश होटल के कमरे में पड़ी है। पूरा मामला रविवार की रात 8 बजे का है। युवक की बात सुनते ही पुलिस वालों के होश उड़ गए। पुलिस टीम उसे लेकर होटल पहुंची। यहां बेड पर महिला की लाश पड़ी हुई थी। पुलिस ने फोरेंसिक टीम बुलाई। एविडेंस कलेक्ट किए। इसके बाद महिला के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। इस दौरान युवक बस यही कहता रहा कि मुझे जल्द से जल्द जेल भेज दो। केस सोरांव थाना क्षेत्र का है।

धमकी-झांसा देकर महिला से संबंध बनाना रेप माना जाएगा

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला, यौन अपराधों की न्यायिक व्याख्या में महत्वपूर्ण निर्णय

प्रयागराज, 16 सितंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक निर्णय में कहा है कि कोई व्यक्ति भले ही महिला की सहमति से उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता हो, लेकिन यदि महिला भयभीत या भ्रमित होकर ऐसी सहमति देती है तो ऐसे संबंध को दुष्कर्म ही माना जाएगा। न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता ने यह टिप्पणी करते हुए आगरा के राघव कुमार नामक एक व्यक्ति की याचिका खारिज कर दी। राघव ने दुष्कर्म के मुकदमे को चुनौती देते हुए हाइकोर्ट पहुंचे थे।

यह मामला 15 नवंबर 2018 को महिला पुलिस स्टेशन आगरा में एक महिला द्वारा दर्ज की गई एफआईआर से जुड़ा है। एफआईआर में भारतीय दंड संहिता की कई धाराओं, जिनमें 376 (बलात्कार), 504 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान) और 506 (आपराधिक धमकी) शामिल हैं, के तहत मामला आगरा में दर्ज किया गया था।

असहमति के बावजूद यौन संबंध बनाए

शिकायतकर्ता महिला ने आरोप लगाया कि आरोपी और उसके परिवार के सदस्यों ने धमकियों और झूठे वादों का उपयोग करके उसकी असहमति के बावजूद उसे यौन संबंध में धकेल दिया। शिकायतकर्ता, जो एक उच्च शिक्षित महिला है, उसने दावा किया कि आरोपी ने उसे धोखा दिया और यौन उद्देश्यों के लिए उसका शोषण किया और फिर ब्लैकमेल किया।

आगरा का मामला, दोनों एक साथ पढ़ते थे

एफआईआर के अनुसार, आरोपी और शिकायतकर्ता पूर्व सहपाठी थे और कई वर्षों से एक-दूसरे को जानते थे। 2016 में आरोपी के परिवार ने विवाह का प्रस्ताव रखा, जिसे शिकायतकर्ता ने अस्वीकार कर दिया। कहा गया कि इसके बावजूद आरोपी ने संपर्क बनाए रखा और बाद में उसे अपनी मां की बीमारी का बहाना बनाकर अपने घर बुलाया। शिकायतकर्ता के अनुसार, आरोपी ने उसे चाय में नशीला पदार्थ मिलाकर बेहोश कर दिया। जब वह होश में आई, तो उसने खुद को नग्न पाया और पता चला कि उसकी नग्न तस्वीरें ली गई थीं। आरोपी और उसके परिवार ने इन तस्वीरों का उपयोग उसे ब्लैकमेल करने और यौन संबंध बनाने के लिए किया। और इनकार करने पर तस्वीरें सार्वजनिक करने की धमकी दी।

महिला ने आगे कहा कि आरोपी ने उसका भावनात्मक और आर्थिक शोषण किया, और जब उसने शादी की मांग की, तो उसने मना कर दिया गया और कहा कि उसके कार्यों का उद्देश्य पहले के विवाह प्रस्ताव के अस्वीकार के प्रतिशोध के रूप में था।

अदालत के सामने मुख्य कानूनी मुद्दा यह था कि क्या आरोपी और शिकायतकर्ता के बीच का संबंध सहमति के साथ था, और यदि नहीं, तो क्या आईपीसी की धारा 376 के तहत बलात्कार का आरोप लगाया जा सकता है।

अदालत ने आईपीसी की धारा 375 के तहत सहमति के परिभाषा की जांच की और यह विचार किया कि क्या शिकायतकर्ता की सहमति डर, धमकी या गलत धारणा के तहत दी गई थी, जिससे यह कानूनी रूप से अमान्य हो गई। न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता ने आईपीसी की धारा 90 का संदर्भ दिया, जिसमें कहा गया है- अदालत ने जोर देकर कहा कि सहमति स्वेच्छा से होनी चाहिए और इसमें सक्रिय और तर्कसंगत विचार शामिल होना चाहिए।

हर्जाने के 10 हजार जमा करने के लिए अब्दुल्ला आजम ने कोर्ट से मांगा समय

डबल पैन कार्ड केस में फंसे हैं सपा के पूर्व विधायक

रामपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। जेल में बंद समाजवादी पार्टी के सीनियर लीडर आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम ने हर्जाने के 10 हजार रुपये की व्यवस्था करने के लिए कोर्ट से समय देने की गुहार लगाई है. दरअसल, अब्दुल्ला आजम खान का डबल पैन कार्ड से संबंधित मामला रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट में विचाराधीन है. इसमें अब्दुल्ला आजम पक्ष पर अदालत ने 10 हजार हर्जाना लगाया था. इस हर्जाने की रकम को जमा करने के लिए अब्दुल्ला पक्ष ने अदालत से समय मांगा है. उन्होंने कहा कि रकम की व्यवस्था के लिए उन्हें कुछ समय चाहिए.

इस विषय पर वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी अमरनाथ तिवारी ने बताया- अब्दुल्ला आजम खान के डबल पैन कार्ड से संबंधित एक मामला माननीय विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट एमपी-एमएलए कोर्ट (रामपुर) के न्यायालय में विचाराधीन है. केस में गवाहों की गवाही हो गई है. बचाव पक्ष के द्वारा जिरह करने हेतु रिकॉल करने का प्रार्थना पत्र दिया गया था, जिसको न्यायालय के द्वारा दिनांक 9 तारीख को निरस्त कर दिया गया. इस आधार पर कि इनका प्रार्थना पत्र केवल न्यायालय में विलंब के लिए दिया गया है।

तेजस्वी यादव दो दिवसीय मुजफ्फरपुर दौरे पर

सीएम नीतीश, पीएम मोदी और प्रशांत किशोर पर एक साथ कसा तंज

मुजफ्फरपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। नेता विरोधी दल तेजस्वी यादव सोमवार को कार्यकर्ता जन संवाद कार्यक्रम के तहत मुजफ्फरपुर जिले का दौरा करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि मिथिलांचल के बाद तिरहुत के मुजफ्फरपुर जिला में पहुंचे हैं। मैं आज से दो दिनों के दौरे पर हूं और अपने राजद के कार्यकर्ता और लोगों से बातचीत कर उनकी समस्या को सुनूंगा और परेशानी को जानूंगा। इस दौरान उन्होंने सीएम नीतीश, पीएम मोदी और प्रशांत किशोर को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी।

'अपराध बेलगाम है, सीएम नीतीश बिहार संभालने में हुए फेल'

राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में अपराध बेलगाम हो चुका है। अपराधी सरकार के चंगुल से बाहर हो चुके हैं। बिहार सरकार का इकबाल खत्म हो चुका है। सीएम नीतीश कुमार से बिहार संभल नहीं रहा है। सीएम नीतीश को बिहार की दुर्दशा न दिखाई और न सुनाई दे रही है। उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश

अब तो अपने खुफिया विभाग के लोगों द्वारा हमारी निगरानी करवा रहे हैं। बीते दिनों दरभंगा में उनके लोग हमारे कार्यक्रम में लगाए गए।

भाजपा को दिया यह जवाब

तेजस्वी यादव ने बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा के सत्ता में रहने पर विदेश दौरा करने और सत्ता से बाहर आते ही जनता और कार्यकर्ता सम्मलेन करने वाले बयान पर भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि हम तो हमेशा से ही जनता के बीच में रहने वाले हैं और घूमते हुए रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब हमारा पासपोर्ट ही इन लोगों द्वारा जब्त कर लिया गया है तो ऐसे में क्या हम बाहर जा सकते हैं? जो लोग आरोप लगाते हुए कहते हैं, वे लोग पहले खुद में देखें।

'पहले महात्मा गांधी को मानना बंद करें, फिर शराबबंदी पर बोलें'

जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर पर तेजस्वी यादव ने बड़ा हमला किया। उन्होंने कहा कि जो लोग एक घंटे के अंदर बिहार में शराबबंदी को खत्म करने की बात कहते हैं, वे पहले गांधी जी को मानना बंद कर दें। प्रशांत किशोर को पहले अपने पास महात्मा गांधी की तस्वीर को लगाना बंद कर देना चाहिए। खुद महात्मा गांधी शराबबंदी के पक्षधर थे तो क्या प्रशांत किशोर को महात्मा गांधी को पहले मानना बंद कर देना चाहिए? ऐसे में तो लोगों के बीच मतिभ्रम होगा कि महात्मा गांधी को मानने वाले ऐसी बात करते हैं।

कांग्रेस विधायक के बिगड़े बोल : मंच से अधिकारियों और पूर्व विधायक पर गाली-गलौच

पटना, 16 सितंबर (एजेंसियां)। राजपुर विधानसभा के विधायक विश्वनाथ राम ने मंच से बिहार सरकार के अधिकारियों पर जमकर हमला बोला। विधायक ने आरोप लगाया कि बिहार के सभी अधिकारी निकम्मे और घूसखोर हैं, और अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करते हुए अधिकारियों और कर्मचारियों को गालियाँ दीं।

विधायक विश्वनाथ राम ने राजपुर विधानसभा के अधिकारियों को जनता के सामने बेअसर करार देते हुए कहा कि बिना घूस के कोई काम नहीं होता। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पूर्व मंत्री और राजपुर के पूर्व विधायक संतोष निराला ने इलाके के छह पंचायतों में जनता के साथ भेदभाव किया और विकास के नाम पर कोई काम नहीं किया। विधायक ने पूर्व विधायक संतोष निराला पर यह भी आरोप लगाया कि उन्होंने राजपुर की जनता को धोखा देते हुए अरबों रुपये की कमाई की। इसके साथ ही, विधायक ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मांग की कि पूर्व मंत्री संतोष निराला की संपत्ति को सार्वजनिक किया जाए ताकि उनके ईमानदारी का पता चल सके। विधायक के इस विवादास्पद बयान के दौरान, राजपुर विधानसभा के मूंगाव गांव में नागरिक अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया था। इस समारोह में, विधायक ने अधिकारियों और पूर्व विधायक के खिलाफ कई गंभीर आरोप लगाए और केंद्र सरकार के रेल राज्यमंत्री द्वारा राहुल गांधी पर की गई टिप्पणी को दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

लखनऊ में आगरा की युवती से कार में रेप

लखनऊ, 16 सितंबर (एजेंसियां)। आगरा की एक युवती के साथ गाड़ी में रेप किया गया। युवती को आरोपी ने हाईस्कूल से पोस्ट ग्रेजुएट तक की डिग्री और प्रमाणपत्र बनाने की बात कह लखनऊ बुलाया था। युवती का आरोप है कि रेप के साथ ही अश्लील वीडियो भी बनाए गए। वीडियो दिखाकर धमकी दी, कि किसी को बताने पर वायरल कर देंगे। फिलहाल, युवती की शिकायत पर पारा पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और मामले की जांच की जा रही है। युवती ने शिकायत में कहा है कि उसने फेसबुक पर घर बैठे शैक्षिक प्रमाणपत्र बनवाने का विज्ञापन देखा था। जिसके बाद उसने दिए गए नंबर पर बात की। राकेश कुमार नाम के युवक ने बात करने पर बताया कि बिना परीक्षा दिए 30 हजार में किसी भी डिग्री का प्रमाणपत्र बनवा देगा। इसका पूरा काम साथी श्रीनिवास करता है। जिसके बाद प्रति प्रमाणपत्र 15 हजार रुपए पर सौदा तय हुआ। युवती ने आरोपी के यूपीआई खाते में 15 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिए।

'केंद्रीय मंत्री अपने आकाओं को खुश करने को राहुल गांधी के खिलाफ तथ्यहीन बयान दे रहे', कांग्रेस का आरोप

पटना, 16 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में वंदे भारत ट्रेनों के शुभारंभ के अवसर पर केंद्रीय मंत्रियों द्वारा राहुल गांधी के खिलाफ किए गए विवादित बयानों को लेकर कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश प्रतिनिधि और प्रवक्ता प्रो. विजय कुमार मिट्ठू ने पत्रकारों को बताया कि केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू और केंद्रीय लघु उद्योग मंत्री जीतन राम मांझी द्वारा भागलपुर और गया में दिए गए बयानों ने पूरे देश में आक्रोश उत्पन्न कर दिया है। उन्होंने कहा कि देश के प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी को आतंकवादी और देशद्रोही जैसे तथ्यहीन आरोप लगाने से संपूर्ण भारतवासियों में काफी आक्रोश है। प्रो. विजय कुमार मिट्ठू ने कहा कि भागलपुर में वंदे भारत ट्रेन के शुभारंभ के मौके पर केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी के बारे में विवादित बयान देकर आसमान पर थूकने और सूर्य को आईना दिखाने वाली कहावत को चरितार्थ करने का काम किया है। इसके लिए उन्हें अविलंब मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर मुकदमा चलाया जाए।

उन्होंने कहा कि रवनीत सिंह बिट्टू जिन्हें कांग्रेस पार्टी ने तीन-तीन बार सांसद और उनके दादा को मुख्यमंत्री बनाने का काम किया था। आज जब वे भाजपा में है तो अपने प्रधानमंत्री, गृहमंत्री समेत अन्य नेताओं को खुश करने के लिए राहुल गांधी के बारे में अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर गया में वंदे भारत ट्रेन के शुभारंभ के अवसर पर केंद्रीय लघु उद्योग मंत्री जीतन राम मांझी ने राहुल गांधी को देशद्रोही कह प्रधानमंत्री की नजरों में अपनी टीआरपी बढ़ाने के लिए अमर्यादित, घटिया बयान देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति को पोस्ट एंड टेलीग्राफ विभाग के क्लर्क की कुर्सी से उठा कर कांग्रेस पार्टी ने सबसे पहले विधायक बनाया। आज वही सत्ता लोलुपता में राहुल गांधी, जिनके पिता और दादी दोनों ने देश के लिए अपने खून का एक-एक कतरा बलिदान कर दिया, उसे देशद्रोही कहते इन्हें शर्म नहीं आई। उन्हें (मांझी को) ढकनी भर पानी में डूब मरना चाहिए। आज जिन-जिन नेताओं तथा उनके बाप-दादा को कांग्रेस पार्टी ने जमीन से उठा कर विधायक, सांसद, मंत्री और मुख्यमंत्री तक बनाया, वही सबसे ज्यादा कांग्रेस और गांधी परिवार के बारे में अनर्गल, तथ्यहीन बयान दे रहे हैं।

राहुल गांधी पर शिवसेना विधायक की आपत्तिजनक टिप्पणी

जीभ काटने वाले को 11 लाख रुपए इनाम की घोषणा

मुंबई, 16 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में बुलढाना सेस शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की है। दरअसल शिवसेना विधायक ने राहुल गांधी के अमेरिका में आरक्षण को लेकर दिए गए बयान पर नाराजगी जताई और राहुल गांधी की जीभ काटने वाले को 11 लाख रुपये का इनाम देने का एलान किया। हालांकि महाराष्ट्र सरकार में शिवसेना की सहयोगी पार्टी भाजपा ने संजय गायकवाड़ से बयान से किनारा कर लिया है।

राहुल गांधी के आरक्षण को लेकर दिए बयान पर जताई नाराजगी

संजय गायकवाड़ महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र के बुलढाणा से विधायक हैं। संजय गायकवाड़ ने राहुल गांधी के आरक्षण को लेकर दिए गए बयान पर कहा कि 'वह विदेश में हैं। राहुल गांधी ने कहा कि वह भारत में आरक्षण व्यवस्था को खत्म करना चाहते हैं। इसने कांग्रेस का असली चेहरा लोगों के सामने ला दिया है।' इसके बाद गायकवाड़ ने विवादित एलान किया। वहीं शिवसेना विधायक के बयान पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि वह विधायक के बयान का समर्थन नहीं करते। संजय गायकवाड़ ने पहली बार विवादत बयान नहीं दिया है। इससे पहले भी वह कई बार विवादों में फंस चुके हैं। बीते महीने एक पुलिसकर्मी द्वारा विधायक की गाड़ी धोने का वीडियो सामने आया था। विवाद होने पर विधायक ने कहा था कि पुलिसकर्मी ने गाड़ी के भीतर उल्टी कर दी थी और वह अपनी मर्जी से गाड़ी को साफ कर रहा था। फरवरी में संजय गायकवाड़ ने कहा था कि साल 1987 में उन्होंने एक शेर का शिकार किया था और उसके दांत को आज भी गले में पहनते हैं। इसके बाद वन विभाग ने शेर के कथित दांत को फोरेंसिक जांच के लिए भेजकर विधायक के खिलाफ वन सुरक्षा कानून के तहत मामला दर्ज किया था।

नीतेश राणे पर मामला दर्ज

भाजपा विधायक नीतेश राणे के खिलाफ भड़काऊ भाषण देने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। नीतेश राणे पर आरोप है कि उन्होंने नवी मुंबई में गणेश उत्सव के दौरान दिए अपने भाषण में अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ बयानबाजी की और लोगों को भड़काने की कोशिश की। पुलिस ने इस मामले में भाजपा विधायक के साथ ही गणेश उत्सव के आयोजक के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है। घटना 11 सितंबर की है। पुलिस का कहना है कि आयोजक ने कार्यक्रम की इजाजत भी नहीं ली थी। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि नीतेश राणे को आमंत्रित किया गया था। इसी दौरान भाजपा विधायक ने विवादित बयानबाजी की। पुलिस ने राणे और कार्यक्रम के आयोजक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 302, 351(2), 352 के तहत मामला दर्ज किया है।

महाराष्ट्र पुलिस विधि अधिकारी संगठन ने सीएम से की मुलाकात

महाराष्ट्र पुलिस विधि अधिकारी संगठन ने सोमवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में संगठन ने सरकार के विभिन्न विभागों में काम कर रहे विधि अधिकारियों की सैलरी में असमानता का मुद्दा उठाया। ज्ञापन में कहा गया कि महाराष्ट्र पुलिस विभाग के कानूनी अधिकारियों को चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में काम करना पड़ता है और उनके वेतन में भी अन्य विभागों के कानूनी अधिकारियों की तुलना में काफी असमानता है। अधिकारियों ने सीएम से मुलाकात कर इस असमानता को दूर करने की मांग की।

महिला पुलिसकर्मी पर परीक्षार्थी के निजी अंगों की तलाशी लेने का आरोप

सीएम सरमा ने दिए जांच के आदेश

गुवाहाटी, 16 सितंबर (एजेंसियां)। समूह ग की असम सीधी भर्ती परीक्षा में एक महिला पुलिसकर्मी पर एक परीक्षार्थी के निजी अंगों की तलाशी लेने का आरोप लगा है। मामले में असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने डीजीपी को जांच के आदेश दिए हैं। दरअसल असम में समूह ग की सीधी भर्ती परीक्षा रविवार को कड़ी सुरक्षा के बीच हुई थी। इस परीक्षा में राज्य भर के 2,305 केंद्रों पर 11,23,204 उम्मीदवार शामिल हुए थे। परीक्षा के दौरान पूरे राज्य में साढ़े तीन घंटे तक इंटरनेट सेवाएं बंद रहीं थीं। इस दौरान नलबाड़ी में एक परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थी ने महिला पुलिसकर्मी पर उसके निजी अंगों की जांच करने का आरोप लगाया था।

मामले में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने एक्स पर पोस्ट किया कि नलबाड़ी घटना पर डीजीपी को जांच के निर्देश दिए हैं। जहां एक छात्रा ने आरोप लगाया है कि एक महिला कांस्टेबल ने परीक्षा हॉल में प्रवेश करने से पहले उसके निजी अंगों की तलाशी ली। उन्होंने कहा कि मेरे लिए माताओं और बहनों की गरिमा और सम्मान अत्यंत महत्वपूर्ण और समझौता योग्य नहीं है। सरकार के पास उच्चतम स्तर की सत्यनिष्ठा और पारदर्शिता के साथ असम सीधी भर्ती परीक्षा (एडीआरई) कराने का महत्वपूर्ण कार्य है।

सरमा ने कहा कि हम अपनी पूरी युवा पीढ़ी के प्रति इसके ऋणी हैं और किसी भी परिस्थिति में इससे समझौता नहीं किया जा सकता है। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि महिला उम्मीदवारों की शालीनता और गरिमा हर समय बरकरार रहे। उन्होंने कहा कि महिलाओं से जुड़ी तलाशी को लेकर न्यायालयों के प्रासंगिक निर्णयों और महिला आयोग के दिशानिर्देशों को ध्यान में रखते हुए एक उचित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) विकसित की जाए। इसे परीक्षाओं से पहले प्रसारित किया जाए। डीजीपी ने सीएम को उत्तरी लखीमपुर में परीक्षा के दौरान एक महिला उम्मीदवार के पास से नकल सामग्री बरामद किए जाने की जानकारी दी।

अनिल विज के कार्यक्रम में हंगामा

किसान और समर्थक आमने-सामने हुए, माहौल बिगड़ता देख गाड़ी में बैठकर निकले पूर्व गृहमंत्री

अंबाला, 16 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में 90 विधानसभा सीटों पर चुनाव के प्रचार के बीच लोगों ने नेताओं से हिसाब मांगना शुरू कर दिया है। प्रचार के दौरान हरियाणा भाजपा के पूर्व कैबिनेट मंत्री अनिल विज, पूर्व मंत्री कृष्ण बेदी, विधायक विनोद भयाना, जेजेपी नेता व पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला और बरवाला से कांग्रेस उम्मीदवार रामनिवास घोड़ेला को विरोध झेलना पड़ा। ग्रामीण इन्हें घेरकर उनकी समस्याएं हल न करने पर जवाब मांग रहे हैं। वहीं सरकार रहने के दौरान किसान-मजदूरों को दिल्ली जाने से रोकने पर भाजपा और जजपा के उम्मीदवार घिर रहे हैं। अंबाला कैंट में भाजपा उम्मीदवार अनिल विज के प्रोग्राम में भारतीय किसान यूनियन (भगत सिंह गुट) से जुड़े ग्रामीणों ने हंगामा किया। उचाना में ग्रामीणों ने दुष्यंत चौटाला की गाड़ी घेर ली। हरियाणा में 5 अक्टूबर को वोटिंग और 8 अक्टूबर को नतीजे घोषित होंगे।

अनिल विज के प्रोग्राम में हंगामा

अंबाला कैंट विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार और पूर्व गृहमंत्री अनिल विज को रविवार शाम जलबेड़ा और शाहपुर गांव में किसानों का विरोध झेलना पड़ा। विज के इन दोनों गांवों में चुनावी कार्यक्रम रखे गए थे। इसकी भनक लगते ही किसान यूनियनों से जुड़े लोग वहां पहुंच गए और झंडे लहराते हुए नारेबाजी करने लगे। शाहपुर गांव में विरोध जताने वाले लोग भारतीय किसान यूनियन (भगत सिंह गुट) से जुड़े थे। वह यूनियन के झंडे लेकर कार्यक्रम के अंदर पहुंच गए। हंगामे के दौरान विज समर्थकों ने भी 'अनिल विज जिंदाबाद' के नारे लगाने शुरू कर दिए। दोनों पक्षों के आमने-सामने हो जाने और नारेबाजी से माहौल गर्मा गया। हंगामा बढ़ता देखकर अनिल विज प्रोग्राम बीच में ही छोड़कर शाहपुर गांव से रवाना हो गए।

दुष्यंत चौटाला को काले झंडे दिखाए

हरियाणा के उचाना में शनिवार शाम पूर्व डिप्टी सीएम और जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) के उम्मीदवार दुष्यंत चौटाला का छातर गांव में विरोध हुआ। दुष्यंत का काफिला जैसे ही गांव में पहुंचा तो वहां युवाओं ने नारेबाजी करनी शुरू कर दी।

मोबाइल छीनने के लिए युवक की हत्या

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में मोबाइल छिनतई के दौरान दो नाबालिगों ने एक शख्स की चाकू मारकर हत्या कर दी. यह घटना उत्तर-पूर्व दिल्ली के बुलंद मस्जिद के पास की है. मृतक की उम्र 32 वर्ष बताई जा रही है. वहीं दोनों आरोपी 15 और 17 साल के थे. बुलंद मस्जिद के पास रविवार को देर शाम 8 बजे अब्दुल कयूम नाम का शख्स खड़ा था. पुलिस ने न्यूज एजेंसी को बताया कि कयूम रिक्शा चलाता था और वहां यात्रियों का इंतजार कर रहा था।

इसी दौरान दोनों लड़के उसके पास आए और उससे मोबाइल फोन छीनने लगे. इस दौरान दोनों ने कई बार कयूम पर चाकू से वार किया. इस कारण उसकी जान चली गई. घटना के बाद बुलंद मस्जिद के पास ही कयूम की खून से लथपथ लाश पड़ी रही. उस तरफ से आने जाने वाले लोगों की जब लाश पर नजर पड़ी तो पुलिस को इसकी सूचना दी गई।

साइबर अपराध की जद में बिहार-झारखंड-बंगाल के आधे से अधिक युवा, कई जगह पूरा का पूरा गांव कर रहा ठगी

गुरुग्राम, 16 सितंबर (एजेंसियां)। देशभर में सबसे बेहतर काम करने वाली कमिश्नरेट की साइबर पुलिस ने इस बात का खुलासा किया है कि बिहार और झारखंड से लेकर वेस्ट बंगाल तक के आधे से अधिक युवा साइबर अपराध की जद में आ रहे हैं। हालत यह है कि इन प्रदेशों में कई तो गांव के गांव ही साइबर अपराध को अंजाम देने में लगे हैं।

साइबर पुलिस ने क्रेडिट लिमिट बढ़ाने के नाम पर ठगी के दो आरोपियों से पूछताछ में इस बात का खुलासा किया कि जहानाबाद, नालंदा, जामताड़ा, गिरीडीह व वेस्ट बंगाल क्षेत्र के लोग इसमें शामिल हैं। साइबर ठगी के पैसे इनके बैंक खातों में गए हैं। ठग इतने शातिर हैं कि वहां के दुकानदार से लेकर पेट्रोल पंप संचालक को भी फंसा लेते हैं। यहां पर साइबर अपराध में सबसे अधिक लोग संलिप्त हैं। इसके पीछे कारण यह है कि ठगों को बैंक खाता आसानी से मिल जाता है। यहां के ठगों की ओर से ढाबे व चाय की दुकान पर काम करने वालों के नाम पर बैंक खाता खुलवाकर उसे मात्र पांच से 10 हजार रुपये में खरीद लिया जाता है। इस क्षेत्र के युवा पढ़ने में ठीक होते हैं, लेकिन आगे की पढ़ाई के बजाय वह साइबर अपराध के दलदल में फंस रहे हैं। एक लिंक बनाकर 100 लोगों को भेजते हैं, अगर दिनभर में दो भी फंस गए तो उनकी महीनों की कमाई पर हाथ साफ कर देते हैं।

पुलिस रिमांड के दौरान पूछताछ के दौरान इस बात का खुलासा हुआ है कि आरोपी के गांव के आसपास के गांवों में विशेषकर जिला नवादा, नालंदा, शेखपुरा कस्बा, वारसलीगंज व बिहार शरीफ कस्बा में काफी संख्या में युवक टावर लगाने, गैस एजेंसी, पेट्रोल पंप की फ्रेंचाइजी, पतंजली, वाहन एजेंसी व अन्य एजेंसी, फ्रेंचाइजी दिलाने व देने के नाम पर ठगी की वारदातों को अंजाम देते हैं। आरोपी ने बताया कि इसके इलाके के युवक लोगों के पास मैसेज करके और सोशल मीडिया के माध्यम से टावर लगाने, गैस एजेंसी, पेट्रोल पंप, पतंजली, वाहन एजेंसी व अन्य प्रकार की फ्रेंचाइजी देने के नाम का विज्ञापन डालते हैं और फर्जी सैंक्शन लेटर देकर लोगों से ठगी की वारदात को अंजाम देते हैं।

देशभर में साइबर अपराध की जांच में बेहतर काम के लिए गृह मंत्रालय की ओर से हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत कपूर को सम्मानित किया जा चुका है। कमिश्नरेट की पुलिस आठ माह में 798 साइबर ठगी का मुकदमा दर्ज कर 1200 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है। ठगी के रिकवरी का प्रतिशत भी सबसे अधिक हरियाणा के पास है।

'ये व्यावहारिक नहीं, सरकार स्थिति जांचने के लिए छोड़ रही शिगूफा'

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। देश में सत्ताधारी गठबंधन एनडीए की तरफ से मौजूदा कार्यकाल में एक देश एक चुनाव को लागू करने के रिपोर्ट पर कांग्रेस पार्टी ने जोर देकर कहा कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का कोई मसौदा प्रस्ताव नहीं था और सरकार ने इस पर बात करने का कोई प्रयास नहीं किया। सूत्रों के अनुसार भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार अपने मौजूदा कार्यकाल के दौरान 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को लागू करेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि सुधार उपाय को सभी दलों का समर्थन मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के तीसरे कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने पर सूत्रों ने कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन की एकजुटता बाकी कार्यकाल में समान रहेगी।

यह सरकार कब तक टिकेगी ?- सुप्रिया श्रीनेत

वहीं सरकार के इसी कार्यकाल में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' लागू किए जाने की रिपोर्ट के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा, आपने सरकारी सूत्रों के हवाले से कहा, मैं कांग्रेस पार्टी की आधिकारिक प्रवक्ता हूं और मोदी सरकार की कई विफलताओं को उजागर कर रही हूं। चुनिंदा सूचनाएं लीक करके यह सरकार कब तक टिकी रहेगी? यह सरकार इस देश की वास्तविक समस्याओं से आंखें मूंदकर कब तक टिकी रहेगी? सूचनाएं फैलाकर, वास्तविकता यह है कि एक देश, एक चुनाव कोई मसौदा नहीं है, वास्तविकता यह है कि कोई चर्चा नहीं हुई है, वास्तविकता यह है कि विधानसभाएं चल रही हैं, वास्तविकता यह है कि सरकार ने हमसे बात करने का कोई प्रयास नहीं किया है। बता दें कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' भाजपा की तरफ से लोकसभा चुनाव के लिए अपने घोषणापत्र में किए गए प्रमुख वादों में से एक था।

दो साल में पूरे देश में लागू हो जाएंगे तीन नए क्रिमिनल कानून

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार के लाए तीन नए क्रिमिनल कानून अगले दो साल में पूरे देश में लागू हो जाएंगे। सरकार के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि एक बार जब नए कानूनों के तहत एफआईआर दर्ज होना शुरू हो जाएगी, तो सुप्रीम कोर्ट से न्याय तीन साल के अंदर ही मिल जाएगा। सरकार के शीर्ष अधिकारी ने बताया कि नए कानून अत्यंत आधुनिक, वैज्ञानिक और तकनीकी रूप से भी सक्षम हैं। ये नए कानून पीड़ित के अधिकार को ध्यान में रखते हुए तैयार किए गए हैं। केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ पहला शहर होगा जहां तीन नए कानून सबसे पहले लागू किए जाएंगे।

रोजगार और स्किल डेवलपमेंट पर जोर

मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल को कल यानी 17 सितंबर को 100 दिन पूरे हो जाएंगे। अधिकारियों द्वारा सूचीबद्ध अन्य योजनाओं में युवाओं के बीच रोजगार और कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए 2 लाख करोड़ रुपये का पीएम पैकेज और महिलाओं के लिए दीनदयाल अंत्योदया योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 90 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों का गठन शामिल है। इसने 10 करोड़ महिलाओं को वित्तीय समावेश, डिजिटल साक्षरता, सतत आजीविका और सामाजिक विकास उपायों को बढ़ावा देने में मदद की थी। युवाओं के लिए, सरकार ने शीर्ष संगठनों में 1 करोड़ युवाओं के लिए इंटर्नशिप अवसर और भत्ता घोषित किया है, जिसमें 20 लाख युवाओं को कुशल बनाने और 1,000 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को भी बेहतर बनाने का लक्ष्य है। अधिकारियों के अनुसार, केंद्र सरकार ने लाखपति दीदी योजना के तहत 11 लाख नई महिलाओं को प्रमाण पत्र जारी किया था और अब 1 करोड़ से अधिक लाखपति दीदी प्रति वर्ष 1 लाख रुपये से अधिक कमाती हैं।

महिलाओं के लिए क्या है प्लान?

महिलाओं के लिए, केंद्र ने 2,500 करोड़ रुपये का सामुदायिक निवेश कोष जारी किया है, जिससे 4.3 लाख एसएचजी के 48 लाख सदस्य लाभान्वित हुए हैं और आगे 5,000 करोड़ रुपये के बैंक ऋणों को मंजूरी दी है, जिससे 2,35,400 एसएचजी के 25.8 लाख सदस्य लाभान्वित हुए हैं। केंद्र ने रोजगार सृजन के लिए पूंजीगत व्यय भी बढ़ाकर 11.11 लाख करोड़ रुपये कर दिया है और स्टार्टअप्स और एमएसएमई के लिए वित्तीय और कर प्रोत्साहन प्रदान करेगा। सरकार ने नए उद्योगों को बढ़ावा देने और रोजगार सृजन के लिए ई-श्रम पोर्टल और 12 औद्योगिक नोड्स के विकास को भी एकीकृत किया है। मुद्रा ऋण के तहत राशि को 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दिया गया है।

बदरी-केदार व कार्तिक स्वामी की यात्रा के लिए पैकेज दरें तय

तीन अक्तूबर से मिलेगी सुविधा

देहरादून, 16 सितंबर (एजेंसियां)। पर्यटन और तीर्थाटन को बढ़ावा देने के लिए उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद ने बदरी-केदार, कार्तिक स्वामी और ऋषिकेश की यात्रा के लिए पैकेज दरें तय कर दी हैं। इन धार्मिक स्थलों की यात्रा के लिए तीन अक्तूबर को मुंबई से बदरी-केदार, कार्तिक स्वामी एक्सप्रेस शुरू होगी। पैकेज दर में केदारनाथ हेली सेवा के साथ ठहरना, खाना और बस सुविधा भी शामिल है। उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद के निदेशक सुमित पंत ने बताया, पैकेज दरों में पर्यटकों को बदरी व केदार धाम व कार्तिक स्वामी के दर्शन कराने साथ योग नगरी ऋषिकेश का भ्रमण कराया जाएगा। इसके लिए विशेष ट्रेन मुंबई से ऋषिकेश तक चलेगी। जहां से पर्यटकों को बस के माध्यम से उक्त स्थलों तक ले जाएंगे। केदारनाथ धाम के दर्शन के लिए पैकेज में केदारनाथ हेली सेवा का किराया शामिल है। स्टैंडर्ड श्रेणी के लिए प्रति यात्री 56,325 रुपये और डीलक्स श्रेणी के लिए 59,730 रुपये लिया जाएगा।

'जेल में बंद युवाओं को दी जाए माफी'

बीजेपी के मुस्लिम कैंडिडेट की मांग

श्रीनगर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव का पहला चरण अब नजदीक है। पहले चरण में कश्मीर की पंपोर विधानसभा सीट पर भी मतदान होना है। यहां मतदान से पहले बीजेपी के उम्मीदवार इंजीनियर सैयद शौकत गयूर अंद्राबी की तरफ से बड़ा बयान दिया गया है। उन्होंने अपनी ही पार्टी से जेल में बंद कश्मीर के युवाओं को माफी देने की मांग की है। पीटीआई से बातचीत में उन्होंने कहा, बीजेपी चाहती है कि कश्मीर में जिस नौजवान का मुस्तकबिल तारीख बनाया गया है पिछली हुकूमतों ने, हम आहिस्ता-आहिस्ता उनका मुस्कबिल अच्छा बनाएंगे, उनके ये छोटे-छोटे एफआईआर खत्म करके, माफी देंगे। सैयद शौकत गयूर अंद्राबी ने आगे कहा, "देखिए सीधी सी बात अगर किसी ने कत्ल किया है तो माफी कहां से, उसके लिए कानून है। मेरी गुजारिश है अपनी पार्टी से, हुकूमत से जो ये चाहते भी है कि यहां के नौजवानों को माफी देंगे ताकि वो अपना मुस्कबिल संवारे, तरक्की की राह पर बढ़ें, रोजगार हासिल करें और रोजगार के मौके बीजेपी उपलब्ध करवाए। इससे पहले उन्होंने कहा कि लोग आज जागरुक हैं। लोगों को पता है कि हमारी सरकार ने क्या किया। अब हालात अलग हैं और शांत हैं। जम्मू-कश्मीर पर हुकूमत करने वालों ने 370 के नाम पर 70 बरस वोट लिए। यहां के लोग पढ़े-लिखे और समझदार हैं, वो ये भी समझते हैं कि उन्होंने क्या खोया और क्या पाया। हर जगह यह चर्चा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमन-सुकून दिया। आज यहां युवा के हाथ में पत्थर नहीं है। 2008 से 2019 तक नौजवानों को पत्थरबाजी में इस्तेमाल कर गुनाह किया गया।

हिमाचलियों को ऑनलाइन ठगी का शिकार बना रहे चेन्नई के शातिर ठग

चार करोड़ से अधिक का चूना

धर्मशाला, 16 सितंबर (एजेंसियां)। हिमाचलियों को ऑनलाइन ठगी का शिकार दक्षिण भारत के राज्यों के शातिर बना रहे हैं। ज्यादातर मामलों में शातिर इन्हीं राज्यों के हैं। साथ ही कुछ मामलों में राजस्थान और झारखंड के आरोपी भी सामने आए हैं। आए दिन शातिर हिमाचलियों की मेहनत की कमाई पर हाथ साफ कर रहे हैं। प्रदेश के भी पढ़े-लिखे लोग इनके झांसे में आकर ऋण और सगे-संबंधियों से उधार पर पैसा लेकर इनके हाथों लुटा रहे हैं। इस वर्ष जनवरी से 9 सितंबर तक ऊना, कांगड़ा और चंबा जिलों में 23 मामलों में 4,84,75,415 रुपये की ठगी हो चुकी है। इसमें से रिकवरी की प्रक्रिया जारी है।

साइबर क्राइम पुलिस थाना धर्मशाला के अंतर्गत आने वाले तीनों जिलों से प्रतिदिन दर्जनों शिकायतें ऑनलाइन फ्रॉड की आ रही हैं। जांच में सामने आया है कि हिमाचलियों को ठगने वाले ज्यादातर शातिर प. बंगाल और चेन्नई के हैं। इसके अलावा राजस्थान और झारखंड के शातिर भी ऑनलाइन ट्रेडिंग इन्वेस्टमेंट के नाम पर फ्रॉड किया है। शातिर पहले सोशल मीडिया पर जान पहचान बढ़ाने के बाद व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ते हैं। इसके बाद टेलीग्राम में एड करते हैं। इसमें व्यक्ति को कम समय में घर बैठे ही लाखों रुपये कमाई करने का झांसा देते हैं। इसमें एक एप पर व्यक्ति की कमाई तो दिखाई जाती है लेकिन पैसे निकालने के दौरान कई बहाने लगाते हैं। 20 लाख रुपये से अधिक की ठगी पर साइबर पुलिस थाना धर्मशाला में दर्ज की जाती हैं। इससे कम की राशि के मामले संबंधित पुलिस थाना के अंतर्गत आने वाले साइबर सेल में दर्ज होते हैं। मामला दर्ज होने के बाद साइबर क्राइम पुलिस थाना की टीम की ओर से जांच की जाती है।

साइबर अपराध के शिकार हो रहे बच्चे-एक साल में 32 फीसदी मामले बढ़े, आधे केस पांच राज्यों से

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। बच्चों के खिलाफ साइबर अपराध के मामले बढ़ रहे हैं। वैश्विक अपराध रैकेट इंटरनेट पर नाबालिगों को निशाना बना रहे हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट में पाया गया है कि 2022 में बच्चों के खिलाफ साइबर अपराध के 1,823 मामले दर्ज किए गए, जो 2021 में दर्ज किए गए 1,376 मामलों की तुलना में 32 फीसदी अधिक हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, इन अपराधों में साइबर पोर्नोग्राफी, अश्लील यौन सामग्री होस्ट करने या प्रकाशित करने के 1,171 मामले, साइबर स्टॉकिंग या धमकाने के 158 मामले और अन्य प्रकृति के बच्चों के खिलाफ साइबर अपराध के 416 मामले दर्ज किए गए। विशेषज्ञों को डर है कि कोविड-19 महामारी के दौरान जब दुनियाभर के करोड़ों बच्चे ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेने के लिए मजबूर हुए थे तभी इस दुर्भाग्यपूर्ण प्रवृत्ति को बल मिला। चाइल्ड राइट्स एंड यू (सीआरयू) के अनुसार, कोविड महामारी ने बच्चों को विभिन्न ऑनलाइन शिक्षा और अन्य मनोरंजन प्लेटफॉर्मों के संपर्क में ला दिया है जो वास्तव में कई स्तरों पर प्रकट होने वाले बच्चों के लिए जोखिम को बढ़ाता है।

हर घंटे बच्चों के खिलाफ हो रहे 18 अपराध

रिपोर्ट के अनुसार, देश की ऑफलाइन व्यवस्था भी पिछले साल युवा आबादी के लिए अधिक असुरक्षित हो गई है। एनसीआरबी के अनुसार, 2022 में बच्चों के खिलाफ 1,62,449 अपराध दर्ज किए गए। इसका मतलब है कि पिछले साल हर घंटे बच्चों के खिलाफ औसतन 18 अपराध हुए। इस तरह 2021 की तुलना में बच्चों के खिलाफ अपराधों में लगभग 9 फीसदी की वृद्धि हुई। यह विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि 2022 में देश में कुल अपराध के मामलों में कमी आई है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 17 सितंबर- 2024

कौन करवाता है योजनाबद्ध धर्मांतरण

आर.के. सिन्हा

भारत के प्रत्येक नागरिक को किसी धर्म को मानने या ना मानने या फिर किसी भी धर्म से जुड़ने का अधिकार संविधान देता है, पर किसी प्रलोभन या ग़लतफ़हमी में योजनाबद्ध रूप से किसी तरह के धर्मांतरण को अपराध माना गया है । इस आलोक में उत्तर प्रदेश की एक विशेष अदालत द्वारा हाल ही में अवैध धर्म परिवर्तन के मामले में दोषी करार दिये गये 12 लोगों को उम्रकैद और चार अन्य दोषियों को 10-10 वर्ष कैद की सजा सुनाना महत्वपूर्ण है। अदालत ने सभी आरोपियों को दोषी करार दिया। अदालत की तरफ से जारी आदेश के मुताबिक, धर्मांतरण करवाने के धंधे से जुड़े शातिर लोगों को भारतीय दंड संहिता की धारा 121 ए (राष्ट्रद्रोह) के तहत सजा सुनायी गई। विशेष लोक अभियोजक एमके सिंह के मुताबिक, उमर गौतम और मामले के अन्य अभियुक्त एक साजिश के तहत धार्मिक उन्माद, वैमनस्य और नफरत फैलाकर देशभर में अवैध धर्मांतरण का गिरोह चला रहे थे। उनके तार कई दूसरे देशों से भी जुड़े थे। इसके लिए आरोपी हवाला के जरिए विदेशों से धन भेजे जाने के मामले में भी लिप्त थे। वे आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं और दिव्यांगों को लालच देकर और उन पर अनुचित दबाव बनाकर बड़े पैमाने पर उनका धर्म परिवर्तन करा रहे थे। उमर गौतम को मुफ्ती काजी जहांगीर आलम कासमी के साथ 20 जून 2021 को दिल्ली के जामिया नगर से गिरफ्तार किया गया था। वह एक ऐसे अवैध संगठन का संचालन कर रहा था जो उत्तर प्रदेश में मूक- बधिर छात्रों और गरीब लोगों को इस्लाम में धर्मांतरित कराने में शामिल था । इस बात की पुरज़ोर आशंका जताई जा रही है कि इसके लिए उसे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से धन मिलता था। उमर गौतम पहले हिंदू था । लेकिन , उसने मुस्लिम धर्म स्वीकार कर लिया और धर्मांतरण कराने के अवैध धंधे में सक्रिय हो गया। उसने करीब एक हजार गैर मुस्लिम लोगों को इस्लाम में धर्मांतरित कराया और उनकी मुस्लिमों से दूसरी या तीसरी शादी कराई है। देखिए, भारत में धर्म परिवर्तन को लेकर बहस तो होती रही है , होनी भी चाहिये। भारतीय संविधान धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी देता है, जिसमें स्वेक्षा या स्वविवेक से धर्म बदलने का अधिकार भी शामिल है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 में धार्मिक स्वतंत्रता और धर्म बदलने के अधिकार की बात तो कही गई है। पर उमर गौतम और उनके साथी तो गरीब-गुरुबा लोगों को लालच और जोर-जबरदस्ती से धर्मांतरण करवा रहे थे। गौतम और उनका गिरोह भूल गया था कि धर्म परिवर्तन सामाजिक एकता को कमजोर कर सकता है और समाज में भयंकर नफरत पैदा कर सकता है। भारत में धर्म परिवर्तन एक संवेदनशील मुद्दा है , जिसमें कानूनी, धार्मिक और सामाजिक सभी पहलू शामिल हैं। कुछ साल पहले केरल के प्रतिष्ठित फ़िल्म निर्माता निर्देशक अली अकबर और उनकी ईसाई पत्नी लूसीअम्मा ने आर्य समाज में हवन के ज़रिए हिन्दू धर्म अंगीकार कर लिया था। आर्य समाज के स्वामी जी द्वारा उनका नया नामकरण भी कर दिया गया है। अली अकबर को नया नाम मिला था राम सिम्हन। हिन्दू धर्म ही क्यों ? यह प्रश्न पूछे जाने पर अली अकबर ने कहा था, 'क्योंकि हिंदू धर्म कोई धर्म नहीं बल्कि एक संस्कृति है। यहां नर्क में जाने का डर नहीं है। आप एक इंसान की तरह जी सकते हैं क्योंकि भगवान आपके अंदर हैं। अपने भीतर ईश्वर को देखना एक महान विचार है।' कहते हैं कि राम सिम्हन केरल में हिंदू धर्म अपनाने वाले पहले मुसलमान थे।लेकिन , यह राम सिम्हन के स्वविवेकेपूर्ण निर्णय को दर्शाता है । इसपर कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिये! एक बात बहुत साफ है कि किसी को लालच देकर या जोर जबरदस्ती धर्मांतरण करवाना तो कतई सही नहीं माना जा सकता है। समझ नहीं आता कि कुछ धर्मों से जुड़े लोग क्यों इसी फिराक में रहते हैं कि उनके धर्म से अन्य धर्मों को मानने वाले जुड़े जाएं। गुस्ताखी माफ, कई इस्लामिक और ईसाई संगठन इसी कोशिश में रहते हैं कि दूसरे धर्म को माननेवाले उनके मजहब का हिस्सा बन जाएं ? यह कोई बात हुई क्या ? फिर यदि बाकी धर्मों को मानने वाले लोग भी यही करने लगें , तो समाज में भाईचारा कहाँ और कैसे बचा रहेगा ।अगर कोई अपने मन से उस धर्म को त्याग देता है ,, जिसमें उसका जन्म हुआ है तब तो कोई बात नहीं है। उदाहरण के रूप में म्युजिक डायरेक्टर रहमान को ही लेते हैं। उन्होंने खुद ही हिन्दू धर्म को छोड़कर इस्लाम को स्वीकार कर लिया। उनके परिवार के बाकी सदस्यों ने भी इस्लाम अपना लिया। यहां तक तो सब ठीक है। पर कुछ तत्व सुदूर इलाकों में रहने वालों को अपना पाले में लाने की जुगाड़ में रहते हैं। इस सबकी तो हमारा संविधान अनुमति नहीं देता। जब गौतम जैसों पर एक्शन होता है तो कुछ कथित बुद्धजीवी अलाप करने लगते हैं। पिछले कई सालों से पंजाब से खबरें आ रही हैं कि राज्य में दलित सिखों को लालच देकर ईसाई धर्म से जोड़ा जा रहा है। मेरे संज्ञान में एक एक सच्ची घटना है जो मैं शेयर कर रहा हूँ। लगभग दस वर्ष पहले मुझे अपने एक स्कूल के खेल शिक्षक के बारे में पता चला कि उसने त्यागपत्र दे दिया है और अगले महीने से हमें एक खेल शिक्षक नियुक्त करना होगा । मैंने उसे बुलाया और पूछा कि तुम्हारी तकलीफ़ क्या है ? उसने बताया कि मुझे कोई तकलीफ़ नहीं है । पर आप जितना वेतन मुझे दे रहे हैं, उससे दस या बीस गुना कमाने का ज़रिया मुझे मिल गया है । मुझे घर मरम्मत के लिये पैसों की सख़्त ज़रूरत थी । मुझे पता चला कि मेरे इलाक़े में एक नया चर्च बना है उसके पादरी ज़रूरतमंदों की मदद करते हैं। मैं उनके पास गया । उन्होंने कहा कि मदद करूँगा । लेकिन , तुम्हें हर रविवार चर्च आकर प्रार्थना करनी होगी।मुझे तरीक़ा आसान सा लगा । उन्होंने मुझे सपरिवार(पति - पत्नी , मेरी विधवा माँ और दो बच्चों को) ईसाई बनने के लिये बीस हज़ार प्रति व्यक्ति की दर से एक लाख रुपये दिये ।बाद में पता चला कि मेरे जिस पड़ोसी ने मुझे ईसाई बनने का लालच दिया और पादरी से मिलवाने ले गया उसे भी इतना ही पैसा मिला । तो मुझे लगा कि इस तरह धर्म प्रचार करके तो ज़्यादा कमाया जा सकता है तो मैंने इस्तीफ़ा दे दिया ।वह आज भी धड़ल्ले से गाँव - गाँव जाकर देवभूमि उत्तराखंड को ईसाई भूमि बनाने में लगा है । पहले हाफ़ पैंट और टीशर्ट पहनकर साइकिल से घूमता था । अब सलीक़े के सूट पहनकर चमचमाती कार में घूमता है । ऐसे एक नहीं अनेक धर्म भ्रष्ट लालची लोग आपको हर इलाक़े में मिल जाएँगे । यह सवाल अपने आप में बेहद महत्वपूर्ण है कि क्या भारत में धर्म प्रचार की अनुमति जारी रहनी चाहिए? कभी कभी लगता है इस मसले पर देश में बहस हो ही जाए कि क्या भारत में धर्म प्रचार की स्वतंत्रता जारी रहे अथवा नहीं ? देखा जाए तो केवल धर्म पालन की स्वतंत्रता होनी चाहिये। धर्म के प्रचार- प्रसार की छूट की कोई आवश्यकता ही नहीं। धर्म कोई दुकान या व्यापार तो है नहीं जिसका प्रचार प्रसार करना जरूरी हो। अगर हम इतिहास के पन्नों को खंगाले तो देखते हैं कि भारत के संविधान निर्माताओं ने सभी धार्मिक समुदायों को अपने धर्म के प्रचार की छूट दी थी। क्या इसकी कोई आवश्यकता थी? बेशक, भारत में ईसाई धर्म की तरफ से शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में ठोस और ईमानदारी से काम किया गया है। पर कहने वाले कहते हैं कि उस सेवा की आड़ में धर्मांतरण का ही मुख्य लक्ष्य रहा है।

एक तीर से कई शिकार

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस्तीफा देने की घोषणा कर राजनीतिक हलचल मचा दी है। उनके इस कदम ने साबित कर दिया है जो उन्होंने अपने शुरुआती क्षणों में कहा था कि वे सभी नेताओं को राजनीति करना सिखा देंगे। बहरहाल, अपनी योजना को साकार रूप देने के लिए उन्होंने अपने आवास पर नए सीएम को लेकर मंथन शुरू कर दिया है। नए सीएम को लेकर केजरीवाल के घर पर लगभग एक घंटे तक चली बैठक में मनीष सिसोदिया और राघव चड्ढा भी शामिल हुए। जाहिर है बैठक में नए सीएम के नाम को लेकर ही चर्चा हुई है। बहरहाल, केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद इस्तीफे का एलान किया है। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखा है कि इंडिया ब्लॉक की मजबूती को कहीं से धक्का न लगे। इसके साथ ही पार्टी ने यह साबित करने का भी प्रयास किया है कि वह किसी भी सवाल से कतरा नहीं रही है। मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के अरविंद केजरीवाल के फैसले ने एक स्तर पर लोगों को चौंकाया जरूर है लेकिन इसने प्रांतीय और राष्ट्रीय राजनीति के कई तात्कालिक और कुछ दूरगामी पहलुओं की ओर भी ध्यान खींचा है। जब केजरीवाल जेल में थे तो उन पर इस्तीफा देने का विरोधियों ने भारी दबाव बनाया था, लेकिन उन्होंने सभी दबाओं को दरकिनार करते हुए अपने इस्तीफा ने देने के फैसले पर अडे रहे। अंत में जब केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई पर सख्त टिप्पणी करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी है तो पूरी पार्टी जश्न मना कर इसे केजरीवाल की जीत बता रही है। सही मौके के ताक में बैठे केजरीवाल ने कार्यकर्ताओं की मीटिंग में अपने इस्तीफे का एलान कर सबको भौंचक्का कर दिया। इसी बिंदु पर चुनावी राजनीति की उनकी रणनीतिक बारीकियों ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है। मजेदार बात तो यह है कि इस मामले में बीजेपी और आम आदमी पार्टी हमलावर तेवर बनाए रखने से पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। दोनों ही दल इस बात को लेकर काफी सतर्क नजर आते हैं कि वे बचाव की मुद्रा में न दिखें। आप नेता चाहें या न चाहें, लेकिन केजरीवाल की छवि दिल्ली में बड़ा चुनावी मुद्दा बनने ही वाली है। ऐसे में इस्तीफे के जरिए इस सवाल को केंद्र में लाकर आप ने यह साबित करने का प्रयास किया है कि वह इस सवाल से किसी भी रूप में कतरा नहीं रही। जरूरत पडी तो और भी बडा बलिदान देने को पार्टी तैयार खडी है। सबसे बडी बात तो यह है कि केजरीवाल ने पहले इस्तीफा न देने से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए पूरे इंडिया ब्लॉक को इस दायरे में शामिल कर लिया। उन्होंने बहुत महीन तरीके से कर्नाटक में सिद्धारमैया, केरल में पी विजयन या पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी का अघोषित समर्थन कर ब्लाक को अपने पाले में लेने का प्रयास कर दिया। उन्होंने साफ कहा कि भाजपा ने इन सबके खिलाफ आरोप लगा कर मामला दर्ज कर लिया है ताकि समय आने पर उनकी सरकार को आसानी से गिरा सके। भाजपा की इस बड़ी साजिश को नाकाम करने के लिए ही वह अब तक इस्तीफा न देने की बात पर अड़े रहे। यदि वे ऐसा नहीं करते तो बाकी विपक्ष की सरकारों को भी गिरफ्तार करा कर सबसे इस्तीफा लेते रहते। उनके बयानों से साफ है कि वे खुद को इंडिया ब्लॉक में मजबूती से बनाए रखना चाहते हैं। इसके बावजूद उन्होंने हरियाणा विधानसभा की नब्बे सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार कर भाजपा के साथ ही कांग्रेस को भी दुविधा में डाल रखा है। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस से आखिरी पलों में तालमेल की किसी संभावना के उन्होंने कोई संकेत भी नहीं दिए हैं।

क्या बीजेपी को मिलेगी हरियाणा की सत्ता

डॉ. सत्यवान सौरभ

पिछले 10 साल से प्रदेश की सत्ता चला रही भाजपा तीसरी बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। हरियाणा विधानसभा चुनावों में इस बार सत्ता की लड़ाई बेहद दिलचस्प हो गई है। क्या पिछले 10 सालों से सत्ता पर काबिज भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को इस बार भी सत्ता नसीब होगी। बीजेपी के चुनावी अभियान का प्रमुख चेहरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही हैं। उन्हें राज्य के मतदाताओं को लुभाना है। मोदी अपने चुनावी अभियानों में भ्रष्टाचार, विकास कार्यों, और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों को जोर-शोर से उठाते हैं। क्या हरियाणा में भी इसी रणनीति के तहत, पार्टी प्रधानमंत्री के जरिए भ्रष्टाचार और विकास को मुद्दा बनाएगी। बीजेपी के नेता भी अपने चुनावी प्रचार में भ्रष्टाचार विरोधी मुद्दों को लगातार उठा रहे हैं। पार्टी मोदी की लोकप्रियता पर भरोसा कर रही है। इसलिए राज्य में पार्टी बिना किसी सीएम फेस के उतर रही है। बीजेपी बेहतर आर्थिक विकास, रोजगार के अवसर और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर जोर दे रही है। इसके अलावा भाजपा जातीय समीकरणों को ध्यान में रखते हुए सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की भी कोशिश में लगी है। साथ ही भाजपा के बड़े नेता चुनाव प्रचार के दौरान किसानों के मुद्दों पर पार्टी की स्थिति को साफ कर सकते हैं, ताकि आंदोलन के कारण पैदा हुए असंतोष को कम किया जा सके। सरकार और किसानों के बीच टकराव ने बीजेपी की छवि को नुकसान पहुंचाया। इसका सीधा असर ग्रामीण क्षेत्रों में पार्टी के वोट बैंक पर पड़ सकता है, क्योंकि कृषि राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। चुनाव में बीजेपी को इस असंतोष से निपटने के लिए प्रभावी रणनीति बनानी होगी, ताकि वह किसान समुदाय का विश्वास फिर से जीत सके। इसके साथ ही खिलाड़ियों के विरोध प्रदर्शन का बीजेपी के चुनावी अभियान पर गहरा असर पड़ सकता है, खासतौर पर हरियाणा जैसे राज्य में, जहां खेल और खिलाड़ी राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। महिला पहलवानों के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शनों, जो यौन उत्पीड़न के आरोपों और न्याय की मांग पर केंद्रित थे, राज्य में बीजेपी की छवि को झटका दिया है। बीजेपी को इन विरोधों से हुए नुकसान से निपटने के लिए संवेदनशीलता के साथ ठोस कदम उठाने होंगे, ताकि वह खेल जगत के समर्थन को खोए बिना अपने चुनावी अभियान बिना अपने चुनावी अभियान को सफल बना सके। विपक्षी पार्टियां बीजेपी के खिलाफ अपने-अपने तरीके से गठजोड़ बनाने की कोशिश कर रही हैं। यदि इन विपक्षी दलों के एकजुट होने का असर जमीन पर दिखता है तो बीजेपी के लिए चुनावी जीत की राह और कठिन हो सकती है। विपक्ष खासतौर पर, एक समुदाय वोट बैंक पर फोकस कर रही है, और उसने राज्य के भीतर जातिगत समीकरणों को साधने की रणनीति तैयार की है। हरियाणा की राजनीति में जातीय समीकरण का बड़ा महत्व है। एक समुदाय, जो राज्य की राजनीति में एक प्रमुख भूमिका निभाता है, उसका एक बड़ा हिस्सा बीजेपी से नाराज चल रहा है। पार्टी को अन्य मतदाताओं पर ज्यादा निर्भर रहना पड़ रहा है। वहीं, अन्य समुदायों के साथ गठजोड़ बनाना भी पार्टी के लिए एक बड़ी चुनौती है। बीजेपी के सामने इस बार जातीय संतुलन साधने और सभी वर्गों को साथ लाने की बड़ी जिम्मेदारी है। बीजेपी को अपने दम पर अन्य ग्रामीण वोटों को आकर्षित करना होगा, जो आसान नहीं होगा। इनका अलग होना बीजेपी के लिए एक और मुश्किल खड़ी कर सकता है। 10 साल की सत्ता के बाद बीजेपी के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर का बड़ा खतरा है। सत्ता में रहते हुए किसी भी पार्टी को सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ता है और बीजेपी इससे अछूती नहीं है। विकास कार्यों के बावजूद, बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार के आरोप जैसे मुद्दे विपक्षी दलों द्वारा उठाए जा रहे हैं, जिससे जिससे मतदाताओं का असंतोष बढ़ सकता है। खासकर, लोकसभा चुनावों में बीजेपी को हरियाणा की 10 में से सिर्फ 5 सीटें मिली थीं, जो पार्टी के लिए चेतावनी संकेत हैं। चुनाव के इतनी नजदीक मनोहर लाल खट्टर की जगह नए चेहरे नायब सिंह सैनी को सत्ता सौंपी गई। लेकिन क्या यह फैसला पार्टी के भीतर और जनता के बीच भी सत्ता के प्रति असंतोष को कम करने में मददगार साबित होगा, क्योंकि चुनाव के इतने करीब मुख्यमंत्री बदलने के फैसले का असर पार्टी के चुनाव परिणाम पर पड़ सकता है। विधानसभा चुनावों में, स्थानीय मुद्दों और जातीय समीकरणों का अधिक प्रभाव होता है, और यही कारण है कि बीजेपी को इस बार राज्य में अधिक मेहनत करनी पड़ रही है। हरियाणा में 2014 के विधानसभा चुनावों में बीजेपी ने बड़ी जीत हासिल की थी, जब उसने 47 सीटें जीतीं और स्पष्ट बहुमत के साथ सरकार बनाई। 2019 के विधानसभा चुनावों में पार्टी का प्रदर्शन उतना प्रभावशाली नहीं रहा, और उसे सिर्फ 40 सीटें मिलीं, जो बहुमत से कम थीं। इसके बाद जेजेपी के साथ गठबंधन कर सरकार बनाई गई। इस बार यह देखना दिलचस्प होगा कि पार्टी का विधानसभा चुनाव में प्रदर्शन कैसा रहता है। हरियाणा में बीजेपी का पूरा फोकस प्रधानमंत्री मोदी के प्रचार पर है, और पार्टी को उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में पार्टी यहां लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी कर सकेगी। पार्टी अपने चुनाव प्रचार में जातीय समीकरणों को साधने, कांग्रेस के भ्रष्टाचार को मुद्दा बनाने, और विकास कार्यों का हवाला देकर वोटरो को अपनी ओर आकर्षित करने की कोशिश करेगी। हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा ने सभी समुदायों नेतृत्व पर जोर दिया है, जबकि विपक्ष ने विशेष जाति कार्ड का खुलकर उपयोग किया है। भाजपा ने विभिन्न जातियों को टिकट देने की कोशिश की है।

हरियाणा में भाजपा ने दस साल की सत्ता के साथ विधानसभा चुनावों में सत्ता विरोधी माहौल की काट के लिए इस बार सामाजिक समीकरणों का गणित तो बिठाया है, लेकिन इसकी केमिस्ट्री किस करवट बैठेगी इसे लेकर असमंजस कायम है। 2024 के लोकसभा चुनावों के मतदान के आंकड़ों के मुताबिक, विधानसभा चुनाव पर अनुमान लगाया गया है कि राज्य में त्रिशंकु सदन की भी स्थिति बन सकती है। लेकिन, अगर विपक्षी पार्टियां एक साथ आ जाती हैं तो वह बढ़त हासिल कर सकती हैं। वहीं अब विधानसभा क्षेत्र के स्तर पर बात की जाए तो हर एक लोकसभा में कई सारी विधानसभा सीटें होती हैं। बीजेपी ने हरियाणा की 90 विधानसभा सीटों में से 46 पर सबसे ज्यादा वोट हासिल किए। हालांकि, एंटी इनकम्बेंसी, किसान आंदोलन, और जेजेपी से गठबंधन का टूटना बीजेपी के सामने बड़ी चुनौती है।

दुर्गा पूजा में खलल डालने की कट्टरपंथी साजिश!

मनोज कुमार अग्रवाल

बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद से लगातार हिन्दू निशाने पर हैं. वहां अब तक 300 हिन्दू परिवारों और उनके घरों पर हमले हो चुके हैं. चार बड़ी घटनाओं में हिन्दुओं की मॉब लिचिंग हुई है. 10 से ज्यादा हिन्दू मन्दिरों में तोड़फोड़ और आगजनी हुई है. 49 हिन्दू टीचर्स को अलग-अलग विश्वविद्यालयों और कॉलेजों से इस्तीफा देकर बाहर निकाला जा चुका है. हिन्दुओं का कत्लेआम करने वाले आतंकवादियों को जेल से छोड़ा जा रहा है और अब हिन्दुओं को दुर्गा पूजा के पंडालों में अज़ान के दौरान पूजा-पाठ करने से भी रोका जा रहा है।अभी हाल ही में एक सरकारी ऐलान किया गया जिसमें अजान के समय कीर्तन भजन घंटे बजाने पर रोक का आदेश दिया गया है। जानकार लोगों के मुताबिक यह आने वाले दिनों में दुर्गा पूजा में व्यवधान पैदा करने की कट्टरपंथी साजिश है।

पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के दुर्भाग्यजनक पलायन के बाद से राजनीतिक अस्थिरता के दौर से गुजर रहे बांग्लादेश में जिस प्रकार से धार्मिक कट्टरता बढ़ रही है, वह सिर्फ इस देश के लिए ही नहीं, बल्कि भारत के लिए भी बड़ी चिंता की बात है। इसका कारण है कि बांग्लादेश और भारत 4,096 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा साझा करते हैं, जो कि दुनिया की पांचवीं सबसे लंबी सीमा है। दूसरी बात है कि काफी संख्या में इस देश में हिंदू रहते हैं, अगर इस देश में धार्मिक कट्टरता बढ़ती है, तो इनका पलायन बढ़ेगी। इसके साथ ही दोनों देशों के रिश्तों पर भी व्यापक असर पड़ेगा। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनने के बाद उम्मीद की जा रही थी कि बांग्लादेश प्रगति की राह पर अग्रसर होगा, लेकिन सारी उम्मीदें खत्म होती जा रही है। उल्टे धार्मिक कट्टरता इस देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए एक गंभीर खतरा बनकर उभर रहा है। बांग्लादेश में ऐसे-ऐसे मामले सामने आ रहे हैं, जो अफगानिस्तान में चले रहे तालिबानी राज की याद ताजा कर रहे हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं पर तो अत्याचार जारी ही है, मगर इस बीच देश की आधी आबादी भी सुरक्षित नहीं दिख रही है। इस देश की कट्टरपंथियों ने महिलाओं के लिए तालिबानी नियम लागू करने शुरू कर दिए हैं। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार में गृह मामलों के सलाहकार और रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल मोहम्मद जहांगीर आलम चौधरी ने ऐलान किया है कि अब से बांग्लादेश में अजान और नमाज के दौरान हिन्दू समुदाय के लोगों के लिए पूजा-पाठ करना और लाउडस्पीकर पर भजन सुनना प्रतिबंधित होगा. अगर कोई हिन्दू इस नियम का उल्लंघन करेगा तो पुलिस उसे बिना वारंट के गिरफ्तार कर लेगी.सरकार का ये भी कहना है कि इस फैसले का पालन उन सभी समितियों को करना होगा, जो अगले महीने 9 अक्टूबर से 13 अक्टूबर के बीच बांग्लादेश में दुर्गा पूजा के पंडालों को स्थापित करेंगी. इन सभी पंडालों में अज़ान से पांच मिनट पहले सभी धार्मिक अनुष्ठानों और पूजा-पाठ को बंद करना अनिवार्य होगा और अज़ान के दौरान और नमाज के समय लाउडस्पीकर पर भजन सुनने या धार्मिक मंत्रोच्चर करने पर भी पूर्ण प्रतिबंध होगा.

आपको बता दें कि बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी की छात्र शाखा छात्र शिविर के सदस्य बांग्लादेश में शरिया पुलिसिंग कर रहे हैं। शिविर के सदस्यों ने कॉक्स बाजार बीच पर महिलाओं के साथ जो किया है, उसने बिल्कुल तालिबान राज के अफगानिस्तान की यादें ताजा की हैं। बीच पर टीशर्ट में घूम रही महिलाओं के साथ कट्टरपंथियों के समूह ने मारपीट की और उनसे कान पकड़कर उठक-बैठक कराई। बांग्लादेश में हुई इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो सबूत मौजूद होने के बाद भी पुलिस ने तत्काल इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। एक अन्य घटना में यही समूह देर रात समुद्र तट पर कुर्सी पर बैठी एक महिला के पास पहुंचता है। और उसे भगाने लगता है। वे महिला से पूछते हैं कि यह इतनी रात में वहां क्या कर रही है। इस दौरान महिला बार-चार करती है कि 'मैं केवल पर्यटक हूँ। मेरी क्या गलती है?' तीसरे विडियो में टीशर्ट पहने एक युवती सुगंधा बीच पर एक रेस्टोरेंट में पुलिसवालों के सामने अपना मोबाइल फोन वापस पाने के लिए गिड़गिड़ाई दिखाई दे रही है। युवती को फोन मोरल पुलिसिंग कर रहे कट्टरपंथियों ने छीन लिया था। महिला कहती है कि अगर आप मेरा फोन वापस कर देंगे तो में टिकट खरीदकर तुरंत वापस लौट जाऊंगी। शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी सरकार के पतन के बाद से इस देश में कट्टरपंथियों का बोलबाला बढ़ता ही जा रहा है। हिंदुओं को तो यहां पर जीना मुहाल हो गया है।

बंगलादेश में जो धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के साथ जीवन बता रहे थे, उनको अब काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

आगामी पीढ़ी की दुर्दशा से बेखबर

संजीव ठाकुर

महात्मा गांधी ने खुद कहा है कि पृथ्वी पर सभी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संसाधन है, किंतु मानव की लालच को पूरा करने का कोई साधन नहीं है। आजादी हमें मिली है यानी कि मानव को परंतु प्रकृति आजादी से अछूती रही है। अमूमन हमारी जरूरत रोटी, कपड़ा, मकान और जल की थी कि हमको उद्योग धंधे का विकास तीव्र गति से करना पड़ा। मशीनें जितनी बड़ी से बड़ी होती गई आदमी उतना ही बौना होता गया। आने वाली पीढ़ी इस प्रकृति और पर्यावरण के साथ मानवीय छेड़छाड़ और खिलवाड़ के परिणाम की दुर्दशा झेलने वाली है यकीनन हम और हमारा समाज इस बात से अनभिज्ञ और बेखबर है। कृषि में नई नई तकनीक ट्रैक्टर, रसायनिक उर्वरक, कीटनाशकों के प्रयोग से भूमि बंजर होकर हताहत होगई है। विकास का सही मायने माननीय शक्तियों के साथ ऊर्जा और उसकी शक्ति तथा सामर्थ्य का सही उपयोग ही होगा। जब से हमने विकास के पथ पर उड़ान भरी है उद्योगों की चिमनियों को ऊपर उठाया मोबाइल क्रांति का बटन दबाया ई-मेल पर सवार होकर विश्व संदेश को सुना तब से हमारे झरनों का कल-कल स्वर और संगीत बंद हो गया, पक्षियों का कलरव बंद हो गया पक्षी अब चीत्कार कर रहे हैं। नदी नाले सूखकर मृतप्राय हो गए हैं। समुद्र की लहरों की झंकार विलुप्त हो गई है और पानी खारा और खारा हो गया है। अब हमें यह सोचना है कि विकास के नाम पर हमें ग्रीन इंडिया चाहिए या इंटरनेट की सवारी पर डिजिटल इंडिया चाहिए। बच्चों की झोली में इंटरनेट को डालकर डिजिटल जेनरेशन का सपना देखना चाहिए या प्रकृति की गोद में सुगंधित वायु की लहरों में खो जाना चाहिए। झरनों में बैठकर नौका विहार का आनंद लेना चाहिए या कंप्यूटर में बैठकर नेट खोल कर नन्हे मुन्ने की आंखों पर जोर डालकर उन्हें चश्में वाला बनाना चाहिए। हरा भरा हिंदुस्तान यानी कि ग्रीन इंडिया और डिजिटल इंडिया का सपना नदी के दो कभी ना मिलने वाले किनारे हैं। विकास के नाम पर असीमित उद्योग धंधों की बाढ़ आ गई है। भूमि समाप्त हो रही है साथ ही हमारी वायु विषैली हो गई है। रात में शहरी मकानों में बिजली के झालरों के सामने आकाश में रात्रि में चांद तारों की चमक फीकी पड़ गई है। जंगलों को हम ऐसे साफ करते गए जैसे वनों के विनाश की हमने शपथ ली है। नगर बने महानगर बने ,मकान बने किंतु अब घर गायब होते गए हमें तब अक्ल आई जब चिड़िया चुग गई खेत, हमें विकास के नाम पर मानवीय सभ्यता से जुड़ी जमीन पानी, हरियाली,पक्षी जानवर सब चाहिए केवल अंधाधुन्ध कंक्रीट का विकास या इंटरनेट की रफ्तार नहीं चाहिए। इसके लिए हमें संसाधनों के अंधाधुंध प्रयोग पर अंकुश लगाना होगा। संसाधनों का इस्तेमाल अतिरेक में नहीं होना चाहिए । हम प्राकृतिक परियोजना तथा परिस्थितिकी की परियोजनाओं का स्वागत करना होगा सम्मान करना होगा। हमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सौर, पवन, बायोगैस, ज्वार तरंग लहरों को ऊर्जा का आधार बनाना होगा। भारत में परिस्थितियां बड़ी विषम है एक तरफ बड़े-बड़े चमचमाते लाइटों से नहाती दिल्ली ,मुंबई ,बेंगलुरु जैसे महानगरों की रंगीन सड़कें हैं, ऊंची ऊंची इमारतें हैं, तेज गति की मेट्रो है,वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का लुफ्त उठाते हुए युवक युवतियां है, दूसरी तरफ पसीने तरबतर किसान हैं कैरोसिन की चिमनी में बच्चों को शिक्षा देतीं माताएं हैं यानी कि इतनी डिजिटल विषमताएं भारत के अलावा विश्व के किसी भी कोने में नहीं है।

झुनझुनों का जमाना

डॉ टी महादेव राव

ऑटो रिक्शा पर तरह-तरह के डब्बे लिए रिकॉर्डेड आवाज में एक आदमी चिल्ला रहा था "झुनझुने ले लो झुनझुने। तरह-तरह के झुनझुने हर उम्र के हर वर्ग के हर तरह के लोगों के लिए अलग-अलग झुनझुने ले लो।" मैंने सोचा इस इलेक्ट्रॉनिक युग में डिजिटलाइजेशन के जमाने में झुनझुने कौन खरीदता होगा? फिर मैं उसे ऑटो के पास जाकर उससे पूछा "भाई आजकल के जमाने में झुनझुने लेता कौन है?"

"बाबूजी आप कहां हैं? यह तो झुनझुनों का ही जमाना है। बच्चों को स्कूल भेजना हो तो कोई सरप्राइज गिफ्ट का झुनझुना बजा दें, बस काम हो गया। अगर कोई जवान लड़का कॉलेज बंक मार रहा हो तो उसे जल्दी ही मोटरसाइकिल खरीद देने के वादे का झुनझुना बजा दें तो वह ईमानदारी से कॉलेज जाने की कोशिश करेगा। कोई जवान लड़की है और देर रात तक घूमती है उसे किसी रईसजादे से शादी का झुनझुना ढंग से बजा दें तो उसकी यह आदत छूट जाती है। बहुत छोटे बच्चे तो आवाज करते छोटे-छोटे झुनझुनों से बहल जाते हैं लेकिन जो बड़े लोग हैं, अलग-अलग वर्ग के लोग हैं, उनके लिए अलग-अलग तरीके का झुनझुना बाजार बनाना होता है।

"अब दफ्तर में प्रमोशन न मिलने के डिप्रेशन में कर्मचारी है तो उसे ओवर टाइम का, समय पर घर जाने का, मांगने पर छुट्टी देने का बड़ा झुनझुना बजा दें तो देखिए काम किस तरह अप टू डेट रहता है। वह प्रमोशन की बात भूलकर काम में लग जाएगा। अगले साल देखा जाएगा कि क्या किया जाए? अपने से उच्च अधिकारी के लिए चुगली और चापलूसी का झुनझुना लगातार बजाते रहना चाहिए ताकि अपना काम समय पर निकलता रहे। यह तो रही दफ़्तर की बात।

"अब घर की बात करें तो इसके लिए तरह-तरह के झुनझुने पति और पत्नी के लिए अलग-अलग हम बेचते हैं। अगर पत्नी को शॉपिंग के लिए अपने पति को मनाना है तो उसके लिए उनकी पसंद के व्यंजन, समय पर चाय और बाहर जाने की और देर रात लौटने की इजाजत नामक झुनझुना बड़ा काम करता है। पति अगर चाहता है कि उसका जीवन शांतिमय और सुखी रहे तो उसके लिए मौन धारण और बीवी की चापलूसी का प्रभावी झुनझुना हम बेचते हैं।"

"यह तो रही दफ्तर और परिवार की बात, लेकिन अगर किसी को देश की जनता को अपने पक्ष में करना हो तो क्या किया जाना चाहिए?" "सिंपल है। वैसे भी नेतागण चुनाव के समय करते क्या हैं? हमसे ज्यादा झुनझुने तो उनके पास हैं। चुनाव के समय दिए जाने वाले आश्वासन झुनझुनों के अलावा हैं क्या? हम आपका जीवन सुधार देंगे। महंगाई कम करेंगे। सभी लोगों को रोजगार उपलब्ध कराएंगे। आपका कल्याण हमारा उद्देश्य है। हर गरीब को रोटी, कपड़ा और मकान मिलेगा। पिछले कई वर्षों से यही आश्वासन झुंनझुनों के रूप में बजाकर लोगों को बेवकूफ बना रहे हैं और लोग बड़ी खूबी से बन रहे हैं। अब नए-नए झुनझुने भी आज के जमाने में धड़ल्ले से आ रहे हैं।

अनंत चतुर्दशी

गणेश उत्सव के अंतिम दिन पूजा-पाठ के साथ दान-पुण्य जरूर करें

अनंत चतुर्दशी की तिथि

इस बार अनंत चतुर्दशी की तिथि का आरंभ 16 सितंबर को दोपहर 3 बजकर 10 मिनट पर शुरू हो चुकी है और इस तिथि का समापन 17 सितंबर को सुबह 11 बजकर 44 मिनट पर होगा। उदयातिथि के अनुसार, अनंत चतुर्दशी इस बार 17 सितंबर, मंगलवार को ही मनाई जाएगी।

अनंत चतुर्दशी 2024 पर गणपति विसर्जन का मुहूर्त

अनंत चतुर्दशी के दिन गणेश जी का विसर्जन किया जाता है। इस दिन गणेश जी के विसर्जन के लिए सबसे शुभ मुहूर्त दोपहर 3 बजकर 20 मिनट से शाम 4 बजकर 50 मिनट तक रहेगा। ये बहुत ही शुभ मुहूर्त है। आपको कुल 1 घंटा 30 मिनट का समय मिलेगा।

विसर्जन से पहले पूजन मुहूर्त– सुबह 6 बजे से 11 बजकर 40 मिनट तक।

ये हैं गणेश जी के 6 नाम - ऊँ मोदाय नमः, ऊँ प्रमोदाय नमः, ऊँ सुमुखाय नमः, ऊँ दुर्मुखाय नमः, ऊँ अविध्यनाय नमः, ऊँ विघ्नकरत्ते नमः।

मंगलवार, 17 सितंबर को भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की (अनंत) चतुर्दशी है। इस तिथि पर गणेश जी की प्रतिमा के विसर्जन के साथ गणेश उत्सव का समापन होता है। अनंत चतुर्दशी पर गणेश जी के साथ ही देवी पार्वती, शिव जी, भगवान विष्णु, हनुमान जी और मंगल ग्रह की भी विशेष पूजा जरूर करें। पूजा-पाठ के बाद इस दिन दान-पुण्य भी करना चाहिए। जानिए इस दिन कौन-कौन से शुभ काम करना चाहिए...

अनंत चतुर्दशी पर घर में ही गणेश प्रतिमा का विसर्जन कर सकते हैं। इसके लिए किसी साफ बर्तन में पानी भरें और फिर उसमें प्रतिमा विसर्जित करें। जब पानी में प्रतिमा गल जाए, तब ये पानी और मिट्टी घर के गमलों में डाल सकते हैं। ऐसा करने से नदी-तालाब जैसे अन्य जल स्रोतों की स्वच्छता बनी रहती है। शास्त्रों में लिखा है कि नदी-तालाब को गंदा नहीं करना चाहिए। अनंत चतुर्दशी पर गणेश जी की पूजा में दूर्वा की 21 गांठें जरूर चढ़ाएं। पूजा के अंत में भगवान गणेश से पूरे उत्सव के दौरान हुई जानी-अनजानी गलतियों के लिए क्षमा याचना भी करनी चाहिए।

मंगलवार को अनंत चतुर्दशी का शुभ योग है। इसलिए इस दिन मंगल ग्रह की भी पूजा-पाठ करनी चाहिए। मंगल की पूजा शिवलिंग रूप में जाती है। शिवलिंग जल चढ़ाएं, लाल गुलाल और लाल फूल से श्रृंगार करें। मसूर की दाल चढ़ाएं। मिठाई का भोग लगाएं। धूप-दीप जलाकर आरती करें। ऊँ अं अंगारकाय नमः मंत्र का जप करें।

मंगलवार को हनुमान जी की भी विशेष पूजा करनी चाहिए। हनुमान जी के सामने दीपक जलाकर सुंदरकांड या हनुमान चालीसा का पाठ करें। आप चाहें तो राम नाम का जप भी कर सकते हैं।

गणेश पूजा में 6 खास मंत्रों का जप करना चाहिए। जप कम से कम 108 बार करना चाहिए। गणेश जी के सामने दीपक जलाएं। पूजा करके दूर्वा की 21 गांठ चढ़ाएं। इसके बाद षडविनायकों के नामों का जप करें।

अनंत चतुर्दशी पर जरूरतमंद लोगों को भोजन कराएं। धन, कपड़े, जूते-चप्पल, कंबल, अनाज का दान करें। बच्चों को पढ़ाई-लिखाई की चीजें भेंट करें।

शास्त्रों में लिखा है कि कलौ चंडी विनायकौ यानी कलयुग में गणेश जी और देवी चंडी शीघ्र प्रसन्न होने वाले देवी-देवता हैं। इसीलिए गणेश जी के साथ ही मां चंडी के मंत्रों का जप करें।

पूजन में इस मंत्र का भी जप भी कर सकते हैं - **वक्रतुंड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ। निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा।।**

गणपति विसर्जन पर क्यों जल में बहा दी जाती है गणेश प्रतिमा?

महाभारत से है कनेक्शन

बप्पा की विदाई का दृश्य बड़ा मनमोहक होता है। गणेश विसर्जन पर भक्त नाचते गाते गणपति को विदा करते हैं और उनकी प्रतिमा को पवित्र नदियों में विसर्जित कर देते हैं। जाते-जाते गणेश भगवान अपने भक्तों की सारी मुरादें भी पूरी कर जाते हैं। लेकिन क्या कभी आपने यह जानने की कोशिश की है कि आखिर गणपति विसर्जन क्यों किया जाता है। दस दिन पूजा करने के बाद गणपति जी की प्रतिमा को जल में क्यों विसर्जित किया जाता है। आइए आज आपको इस बारे में विस्तार से बताते हैं।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, श्रीवेद व्यास ने गणेश चतुर्थी से श्रीगणेश को महाभारत कथा लगातार दस दिन तक सुनाई थी। दस दिन बाद जब वेद व्यास जी ने आंखें खोलीं तो पाया कि दस दिन की मेहनत के बाद गणेश जी का तापमान बहुत बढ़ गया है। ऐसे में वेद व्यास जी ने तुरंत गणेश जी को निकट के सरोवर में ले जाकर ठंडे पानी से स्नान कराया था। कहते हैं कि इसीलिए गणेश स्थापना कर चतुर्दशी को उनको शीतल किया जाता है।

गणेश चतुर्दशी और विसर्जन की महिमा

भाद्रपद शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से गणेशोत्सव की शुरुआत होती है। भगवान गणेश की उपासना चतुर्दशी तिथि तक होती है। श्री गणेश प्रतिमा की स्थापना चतुर्थी तिथि को की जाती है और विसर्जन चतुर्दशी तिथि को किया जाता है। ये नौ दिन गणेश नवरात्रि कहे जाते हैं। मान्यता है कि प्रतिमा का विसर्जन करने से भगवान पुनः कैलाश पर्वत पर पहुंच जाते हैं। स्थापना से ज्यादा विसर्जन की महिमा होती है। इस दिन अनंत शुभ फल प्राप्त किए जा सकते हैं। इसलिए इस दिन को अनंत चतुर्दशी भी कहते हैं।

विसर्जन के समय जरूर करें ये विशेष उपाय

गणेश विसर्जन के समय एक भोजपत्र या पीला कागज लें। अष्टगंध कि स्याही या नई लाल स्याही की कलम भी लें। भोजपत्र या पीले कागज पर सबसे ऊपर स्वस्तिक बनाएं। इसके बाद स्वस्तिक के नीचे 'ॐ गं गणपतये नमः' लिखें। फिर क्रम से एक-एक करके अपनी सारी समस्याएं लिखें।

समस्याओं के अंत में अपना नाम लिखें फिर गणेश मंत्र लिखें। सबसे आखिर में स्वस्तिक बनाएं। कागज को मोड़कर रक्षा सूत्र से बांध लें। गणेश जी को समर्पित करें। इस कागज को भी गणेश जी की प्रतिमा के साथ ही विसर्जित कर दें। फिर आपको समस्त समस्याओं से मुक्ति मिलेगी

आज से शुरू हो रहा है पितृ पक्ष

भाद्रपद महीने की पूर्णिमा से सोलह दिवसीय श्राद्ध प्रारंभ होते हैं। पूर्णिमा की उदयातिथि 18 सितंबर को होगी, लेकिन बुधवार को पूर्णिमा सुबह 8 बजकर 5 मिनट पर समाप्त हो जाएगी और श्राद्ध दोपहर में किया जाता है। लेकिन 17 सितंबर को दोपहर के समय पूर्णिमा है, इसलिए पूर्णिमा तिथि वालों का श्राद्ध मंगलवार को किया जाएगा, जबकि बुधवार के दिन प्रतिपदा तिथि वालों का श्राद्ध किया जाएगा। दरअसल, 18 सितंबर को दिन दोपहर के समय प्रतिपदा तिथि रहेगी। ये सोलह दिवसीय श्राद्ध 17 सितंबर से शुरू होकर 2 अक्टूबर, बुधवार के दिन आश्विन महीने की अमावस्या को समाप्त होंगे।

बता दें कि श्राद्ध को महालय या पितृपक्ष के नाम से भी जाना जाता है। 17 सितंबर, मंगलवार को उन लोगों का श्राद्ध किया जाएगा, जिनका स्वर्गवास किसी भी महीने की पूर्णिमा तिथि को हुआ हो। इसे प्रौष्ठप्रदी श्राद्ध भी कहते हैं। जिनका स्वर्गवास जिस तिथि को हुआ हो, श्राद्ध के इन सोलह दिनों के दौरान उसी तिथि को उन लोगों का श्राद्ध किया जाता है। आइए अब आचार्य इंदु प्रकाश से जानते हैं कि पितृ पक्ष में पितरों का श्राद्ध और पिंडदान करना क्यों महत्वपूर्ण होता है। श्राद्ध शब्द श्रद्धा से बना है, जिसका मतलब है पितरों के प्रति श्रद्धा भाव। हमारे भीतर प्रवाहित रक्त में हमारे पितरों के अंश हैं, जिसके कारण हम उनके ऋणी होते हैं और यही ऋण उतारने के लिए श्राद्ध कर्म किये जाते हैं। आप दूसरे तरीके से भी इस बात को समझ सकते हैं। पिता के जिस शुक्राणु के साथ जीव माता के गर्भ में जाता है, उसमें 84 अंश होते हैं, जिनमें से 28 अंश तो शुक्रधारी पुरुष के खुद के भोजनादि से उपार्जित होते हैं और 56 अंश पूर्व पुरुषों के रहते हैं। उनमें से भी 21 उसके पिता के, 15 अंश पितामह के, 10 अंश प्रपितामाह के, 6 अंश चतुर्थ पुरुष के, 3 पंचम पुरुष के और एक षष्ठ पुरुष के होते हैं। इस तरह सात पीढ़ियों तक वंश के सभी पूर्वजों के रक्त की एकता रहती है। लेकिन श्राद्ध या पिंडदान मुख्यतः तीन पीढ़ियों तक के पितरों को दिया जाता है।

पितृपक्ष में किये गए कार्यों से पूर्वजों की आत्मा को तो शांति प्राप्त होती ही है। साथ ही कर्ता को भी पितृ ऋण से मुक्ति मिलती है। हमारे धर्म-शास्त्रों के अनुसार मृत्यु के बाद जीवात्मा को उसके कर्मानुसार स्वर्ग-नरक में स्थान मिलता है। पाप-पुण्य क्षीर्ण होने पर वह पुनः मृत्यु लोक में आ जाती है। मृत्यु के पश्चात पितृयान मार्ग से पितृलोक में होती हुई चन्द्रलोक जाती है। चन्द्रलोक में अमृतत्व का सेवन करके निर्वाह करती है और ये अमृतत्व कृष्ण पक्ष में चन्द्रकलाओं के साथ क्षीर्ण पड़ने लगता है। अतः कृष्ण पक्ष में वंशजों को आहार पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। ये आहार श्राद्ध के माध्यम से पूर्वजों को पहुंचाया जाता है। पूर्णिमा के दिन श्राद्ध करने से श्राद्ध करने वाले को और उसके परिवार को अच्छी बुद्धि, पुष्टि, धारण करने की शक्ति, पुत्र-पौत्रादि और ऐश्वर्य की प्राप्त होती है।

कब है भाद्रपद माह की पूर्णिमा तिथि?

भाद्रपद पूर्णिमा से पितृ पक्ष की शुरुआत होती है और इसके बाद 16 दिनों तक हम अपने पितरों को याद करते हैं, उनके निमित्त श्राद्ध, तर्पण, दान आदि करते हैं। साल 2024 में पूर्णिमा तिथि 17 सितंबर के दिन शुरू होगी। पूर्णिमा तिथि की शुरुआत सुबह लगभग 11 बजकर 43 मिनट पर होगी और 18 सितंबर को सुबह 8 बजकर 5 मिनट तक पूर्णिमा तिथि व्याप्त रहेगी। क्योंकि उदयातिथि की पूर्णिमा 18 सितंबर को है इसलिए इसी दिन पूर्णिमा तिथि मानी जाएगी। हालांकि, जो लोग व्रत रखने वाले हैं, चंद्रमा की पूजा करने वाले हैं, या विष्णु-लक्ष्मी पूजन करने वाले हैं वो 17 तारीख को ये सब कार्य कर सकते हैं। वहीं स्नान-दान के लिए 18 सितंबर का दिन शुभ माना जाएगा।

भाद्रपद पूर्णिमा के उपाय

अगर आप सुख-समृद्धि की कामना करते हैं तो भाद्रपद पूर्णिमा के दिन कुछ आसान उपाय आप कर सकते हैं। आइए जानते हैं इन उपायों के बारे में।

इस दिन पवित्र नदियों में स्नान करने से और सामर्थ्य अनुसार दान देने से पितरों और देवताओं का आशीर्वाद आपको प्राप्त होता है।

भाद्रपद पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी का पूजन करने से आर्थिक समस्याओं से आपको छुटकारा मिलता है।

सत्यनारायण की कथा का पाठ करने से सुख-समृद्धि घर में बनी रहती है।

अगर आप इस दिन गाय, कुत्ता, कौआ, चींटी आदि को अन्न खिलाते हैं तो आपके जीवन की कई समस्याओं का हल आपको मिल सकता है।

इस दिन घर में गंगाजल का छिड़काव करने से घर की नकारात्मकता दूर होती है।

इस दिन योग-ध्यान करने से आलौकिक अनुभव व्यक्ति को प्राप्त होते हैं।

अगर दांपत्य जीवन में परेशानियां चल रही हैं तो इस दिन पति-पत्नी को चंद्रमा को दूध का अर्घ्य देना चाहिए, ऐसा करने से दांपत्य जीवन की सभी समस्याएं दूर होती हैं।

जो लोग अविवाहित हैं और योग्य जीवनसाथी पाना चाहते हैं वो भी इसदिन चंद्रमा को अर्घ्य दे सकते हैं और चंद्रमा का पूजन कर सकते हैं।

भाद्रपद पूर्णिमा के दिन पीपल के पेड़ तले दीपक जलाने से आपके पितृ प्रसन्न होते हैं।

'स्त्री' फ्रेंचाइजी में श्रद्धा के किरदार के नाम से कब उठेगा पर्दा? अभिनेत्री ने किया खुलासा

श्रद्धा कपूर इन दिनों अपनी फिल्म 'स्त्री 2' की सफलता का लुत्फ उठा रही हैं। पहले भाग की तरह इस फिल्म में भी उन्होंने रहस्यमयी लड़की की भूमिका निभाई है। पिछले फिल्म की तरह ही इस बार भी उनका नाम दर्शकों को पता नहीं लग सका। इस बीच हाल ही में श्रद्धा ने अपनी इस फिल्म से कुछ पर्दे के पीछे की झलकियां फैंस के साथ साझा कीं।

साथ ही, उन्होंने कमेंट बॉक्स में लोगों के सवाल के जवाब भी दिए। ऐसा ही एक सवाल जब उनके किरदार के नाम को लेकर किया गया तो अभिनेत्री ने फैन से अपने किरदार का नाम बताने का पक्का वादा कर डाला। दरअसल, हाल ही में श्रद्धा कपूर ने इंस्टाग्राम पर एक रील साझा की थी, जिसमें स्त्री 2 की कुछ पर्दे के पीछे की तस्वीरें थीं।

एक तस्वीर में निर्देशक अमर कौशिक अपनी गर्दन के चारों ओर श्रद्धा की शक्तिशाली चोटी लपेटे हुए बैठे हुए दिखाई दे रहे थे। श्रद्धा ने इस रील के जरिए अपने कुछ पोस्टर और कुछ

एक्शन दृश्यों की शूटिंग की झलक भी पेश की थी। ऑडियो में उन्होंने चमत्कारी चोटी थीम का इस्तेमाल किया था।

इस पोस्ट के कमेंट सेक्शन में श्रद्धा ने अपने फॉलोअर्स के साथ मजेदार बातचीत भी की। एक यूजर ने पूछा, लेकिन नाम क्या था ये तो बता दो। इसका शानदार जवाब देते हुए श्रद्धा ने कहा, पक्का बताऊंगी! स्त्री 3 में। श्रद्धा के इस जवाब से फैंस कयास लगा रहे हैं कि अगले भाग में उनके नाम से पर्दा उठ सकता है। हालांकि, इसको लेकर अभी तक किसी भी प्रकार की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। स्त्री 2 की बात करें तो बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने इतिहास रच दिया है। जवान के बाद कमाई के मामले में सबसे कामयाब फिल्म बन चुकी है। अब तक के आंकड़ों के मुताबिक इस फिल्म ने 555 करोड़ की कमाई कर ली है। आने वाले समय में यह फिल्म जवान के हिंदी भाषा के कलेक्शन को भी पीछे छोड़ सकती है।

दिलजीत दोसांझ ने अमेरिकी टूर से कमाए 234 करोड़

पंजाब के मशहूर सिंगर दिलजीत दोसांझ किसी परिचय के मोहताज नहीं है, उन्होंने अपने गानों से न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया में तहलका मचाया हुआ है. सिंगर इन दिनों दुनिया भर में कॉन्सर्ट कर रहे हैं जिसका नाम उन्होंने दिल-लुमिनाती टूर रखा है. सिंगर जल्द ही भारत में भी कॉन्सर्ट करने वाले हैं. बता दें दिल्ली में होने वाले उनके कॉन्सर्ट की टिकटें कुछ मिनटों में ही बिक गई थी और सबसे महंगा टिकट 25000 रुपये तक का है. वहीं अब खबरें आ रही है कि इसके पहले दलजीत ने अमेरिका में जो कॉन्सर्ट किया था उसकी एक टिकट 54 लाख में बिकी थी. ऐसे में आईए जानते हैं आखिर दिलजीत दोसांझ की नेट वर्थ कितनी है.

अमेरिका के कॉन्सर्ट से कमाए 234 करोड़

हाल ही में दिलजीत दोसांझ कि मैनेजर सोनाली सिंह ने खुलासा किया है कि अमेरिका में गायक के शो की टिकट64,000 डॉलर (54 लाख रुपये) और 55,000 डॉलर (46 लाख रुपये) तक में बेचे गए हैं. सोनाली ने कनेक्ट सिनेमा से कहा कुछ रीसेलर थे जो 64,000 और 55,000 में टिकट बेच रहे थे और इसको खरीदने वाले भी थे. सोनाली ने बताया कि यह टिकटो की प्राइस हमने नहीं रखी थी, बल्कि वहां के लोगों का यह चलन है कि वह पहले टिकट खरीदने और उसके बाद उसे महंगे दामों में बेचते हैं, उन्होंने बताया कि सिर्फ अमेरिका से ही दिलजीत दोसांझ ने कॉन्सर्ट करके करीब 234 करोड रुपए तक बना लिए.

कई घरों के हैं मालिक

दिलजीत दोसांझ उन सितारों में शामिल है, जिनके घर ना केवल भारत में हैं बल्कि बाहर भी हैं. अगर खबरों की मां ने तो यूनाइटेड स्टेट्स में उनका खुद का घर है. इसके साथ ही कैलिफोर्निया में दलजीत ने एक डुप्लेक्स ले रखा है.

वही मैजिक ब्रिक्स और हाउसिंग डॉट कॉम के मुताबिक, मुंबई के खार में भी उनका एक 3बीएचके का आलीशान घर है जिसकी कीमत 10 से 12 करोड़ है. इसके साथ ही उन्होंने अपने होमटाउन लुधियाना में भी शानदार बंगला बना रखा है.

जानें कितनी है नेट वर्थ

दिलजीत ने 2018 में खुद का प्रोडक्शन हाउस दिलजीत दोसांझ प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड शुरू किया था, वह अपने बैनर तले कई सारी फिल्में बना रहे हैं. इसके साथ ही मीडिया रिपोर्ट्स में मुताबिक दिलजीत की नेटवर्क 170 करोड़ के आस पास है.

पुरस्कार जीतने के बाद ऐश्वर्या बोलीं- ये काफी मायने रखता है, मेरे गुरु ने फिल्म को डायरेक्ट किया

साउथ इंडियन इंटरनेशनल मूवी अवॉर्ड्स 2024 में ऐश्वर्या राय ने मुख्य किरदार में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (आलोचक) का पुरस्कार जीता। उन्हें ये पुरस्कार पोन्नियिन सेलवन 2 के लिए दिया गया। इस फिल्म में उन्होंने दोहरी भूमिका (नंदिनी और मंदाकिनी देवी) अदा की है। इस खास मौके पर ऐश्वर्या राय को भाषण देते हुए भी सुना गया। इस दौरान उनकी बेटी आराध्या भी समारोह में मौजूद थी।

ऐश्वर्या राय ने अवॉर्ड जीतने के बाद साउथ इंडियन इंटरनेशनल मूवी अवॉर्ड्स को धन्यवाद देते हुए अपने भाषण की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि मुझे पुरस्कार से सम्मानित करने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। ये मेरे लिए काफी मायने रखता है, क्योंकि ये फिल्म मेरे दिल के बहुत नजदीक थी।

पोन्नियिन सेलवन, जिसे मेरे गुरु मणिरत्नम ने डायरेक्ट किया था। इसमें नंदिनी के रूप में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए मेरे काम को सम्मानित किया जाना वाकई में फिल्म की पूरी टीम के काम का जश्न मनाने जैसा है।

खास पल को बेटी आराध्या बच्चन ने किया कैमरे में कैद

साउथ इंडियन इंटरनेशनल मूवी अवॉर्ड्स का आयोजन दुबई में किया गया। ऐश्वर्या राय को कबीर खान के हाथों पुरस्कार मिला। इस दौरान आराध्या अपने फोन में इस पल को कैद करती हुई दिखाई दी। समारोह के दौरान ऐश्वर्या रेड कार्पेट पर भी चली थी और विजेताओं की घोषणा के दौरान अपनी बेटी के साथ पहली पंक्ति में बैठी हुई थी। ऐश्वर्या ने पोन्नियिन सेलवन में साथ काम करने वाले अभिनेता विक्रम से भी मुलाकात की।

हिना ने दुल्हन बनकर किया रैंप वॉक

वीडियो शेयर कर लिखा- रिजल्ट के बारे में चिंता करना छोड़ दिया; थर्ड स्टेज ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित हैं

एक्ट्रेस हिना खान थर्ड स्टेज ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित हैं। उन्होंने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर की है, जिसमें वे दुल्हन के लाल जोड़े में रैंप वॉक करती नजर आई हैं।

इस वीडियो पोस्ट के साथ हिना ने कैप्शन में लिखा है- मेरे पिता हमेशा कहा करते थे- पापा की स्ट्रॉन्ग बच्ची, रोओ मत। अपनी प्रॉबल्म के बारे में किसी से शिकायत मत करो। अपनी लाइफ पर कंट्रोल करना सीखो, खड़ी रहो और इससे निपटो। इसी वजह से मैंने रिजल्ट के बारे में चिंता करना बंद कर दिया है। बस उस पर फोकस है, जो मेरे कंट्रोल में है। आसान नहीं था, लेकिन मैं खुद से कहती रही- आगे बढ़ो हिना, कभी मत रुकना। हिना ने 28 जून को सोशल मीडिया पर बताया था कि उन्हें स्टेज 3 ब्रेस्ट कैंसर है। पोस्ट में हिना ने लिखा, 'हाल ही में उड़ रही अफवाहों के बीच, मैं आपको कुछ जरूरी जानकारी देना चाहती हूं। मैं ब्रेस्ट कैंसर के तीसरे स्टेज पर हूं।

मैं ठीक हूं। मैं स्ट्रॉन्ग हूं और डटी हुई हूं। इस बीमारी पर काबू पाने के लिए पूरी तरह से कमिटेड हूं। मेरा इलाज शुरू हो चुका है और मैं इससे और भी मजबूत होकर उबरने के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए तैयार हूं।'

बाकी अल्लाह पर छोड़ दो। वह आपके प्रयासों को देखता है। वह आपकी प्रार्थनाएं सुनता है और आपके दिल को जानता है। यह हिना ने हाल ही में इस बात की भी जानकारी दी थी कि कीमोथेरेपी की साइड इफेक्ट्स की वजह से उन्हें म्यूकोसाइटिस हो गया है।

'स्त्री 2' के कोरियोग्राफर जानी मास्टर पर लगा यौन शोषण का आरोप, जीरो एफआईआर दर्ज

मशहूर कोरियोग्राफर शेख जानी बाशा, जिन्हें 'जानी मास्टर' के नाम से भी जाना जाता है। उनके खिलाफ हैदराबाद के रायदुर्गम पुलिस स्टेशन में जीरो एफआईआर दर्ज की गई है। 21 वर्षीय महिला कोरियोग्राफर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है और यौन शोषण का आरोप लगाया है। महिला ने आरोप लगाया है कि उन्होंने कई बार उसका यौन शोषण किया है। जानी हाल ही में राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की फिल्म 'स्त्री 2' में गीत 'आई नई' को कोरियोग्राफ करने के लिए चर्चा में थे।

जीरो एफआईआर दर्ज

रिपोर्ट के अनुसार, शिकायतकर्ता महिला कोरियोग्राफर ने पुलिस में अपनी शिकायत दर्ज कराई और कहा कि वह पिछले कुछ महीनों से जानी मास्टर के साथ मिलकर काम कर रही थीं।

आउटडोर शूटिंग के दौरान मास्टर ने उनके साथ मारपीट की। महिला की शिकायत के बाद, एक जीरो एफआईआर दर्ज की गई और मामला अब नरसिंगी पुलिस को सौंप दिया गया है।

इन धाराओं में मामला हुआ है दर्ज

रिपोर्ट्स के अनुसार 'जानी मास्टर' पर बलात्कार, आपराधिक धमकी और किसी व्यक्ति को जानबूझकर चोट पहुंचाने सहित आईपीसी की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

वहीं, तेलंगाना की महिला सुरक्षा शाखा की महानिदेशक शिखा गोयल ने सख्त जांच और कार्रवाई का आश्वासन दिया है। हालांकि जानी मास्टर ने इन आरोपों को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

मशहूर कोरियोग्राफर हैं जानी मास्टर

आपको बता दें कि जानी मास्टर मुख्य रूप से तेलुगु फिल्मों में कोरियोग्राफर हैं। उन्होंने कन्नड़ सिनेमा में भी कई शानदार गानों को कोरियोग्राफ किया है। बॉलीवुड में उन्होंने 'जय हो' फिल्म का 'फोटोकॉपी', 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' टाइटल ट्रैक, 'लाल पीली अंखियां' और 'स्त्री 2' से 'आज की रात' और 'आई नई' को कोरियोग्राफ किया है।

इंडस्ट्री के बड़े-बड़े खिताब अपने नाम कर चुकी हैं आलिया के आसपास भी नहीं भटक पा रही हैं दीपिका पादुकोण-कटरीना कैफ !

12 साल पहले इंडस्ट्री में कदम रखने वाली आलिया भट्ट अब पुरानी आलिया नहीं रही हैं. अब आलिया भट्ट इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस होने के साथ-साथ डायरेक्टर्स और मेकर्स का भरोसा भी जीत चुकी हैं. आलम ये है कि मेकर्स महज आलिया के दम पर 100-100 करोड़ का दांव तो यूं ही खेल जा रहे हैं. वहीं एक्ट्रेस भी बदले में उनके भरोसे पर खरी उतरकर दिखाती हैं. आलिया की फिल्में जबरदस्त रिजल्ट दे रही हैं. नेशनल अवॉर्ड विनर आलिया भट्ट महज 31 साल की उम्र में इंडस्ट्रीके बड़े-बड़े खिताब अपने नाम कर चुकी हैं. आलिया ने बीते कुछ सालों में जो कमाल करके दिखाया है, वो तो दीपिका पादुकोण और कटरीना कैफ भी अभी तक नहीं कर पाई हैं. आलिया भट्ट की अपकमिंग फिल्म 'जिगरा' का हाल ही में टीजर ट्रेलर रिलीज किया गया है. फिल्म का ये टीजर ही काफी है ये बताने के लिए कि आलिया अब बिना हीरो वाली फिल्मों को सुपरहिट बना सकती हैं. आलिया को 'जिगरा' में एक्शन करते हुए, ताबड़तोड़ फायरिंग करते हुए और बड़ी-बड़ी मुश्किलों का सामना करते हुए देखा जाएगा. 'जिगरा' के टीजर ने लोगों की आंखों को नम तो किया, लेकिन आलिया के जोश और हौसले ने उन्हें खुश कर दिया. इस फिल्म को रिलीज से पहले ही हिट माना जा रहा है. इन सब बातों के बा द

आप सोच रहे होंगे कि इससे दीपिका और कटरीना का क्या लेना देना है.

आलिया के सामने नहीं टिक पाईं दीपिका- कटरीना !

दरअसल आलिया भट्ट ने अपने दम पर अब तक 'राजी', 'हाईवे', 'गंगूबाई काठियावाड़ी' जैसी फिल्मों को सुपरहिट बनाया है. वहीं आने वाले वक्त में वो 'जिगरा' और YRF स्पाई यूनिवर्स की 'एल्फा' में भी यही धमाका करती हुई नजर आ एं गी .

लेकिन अब तक दीपिका पादुकोण और कटरीना कैफ ने ये कारनामा करके नहीं दिखाया है. दीपिका-कटरीना ने अपने दम पर कोई भी ब्लॉकबस्टर या सुपरहिट फिल्में सिनेमाघरों में नहीं परोसी हैं.

दीपिका पादुकोण का फिल्मी ग्राफ

साल 2007 में अपने करियर की शुरुआत करने वाली दीपिका पादुकोण का दर्शकों ने दिल खोलकर स्वागत किया था. हालांकि इसकी एक बड़ी वजह शाहरुख खान भी थे. दीपिका ने शाहरुख की फिल्म 'ओम शांति ओम' से इंडस्ट्री में कदम रखा. दीपिका ने अपने 17 साल के अब तक के करियर में तीन 1000-1000 करोड़ी फिल्में दी हैं. लेकिन उन्होंने एक भी सोलो ब्लॉकबस्टर फिल्म नहीं दी है. उन्होंने 'छपाक' के जरिए ये कोशिश की थी, लेकिन ये फिल्म फ्लॉप साबित हुई. 1000- 1000 करोड़ वाली फिल्मों में भी शाहरुख खान, प्रभास और जॉन अब्राहम जैसे स्टार्स लीड रोल में थे. ऐसे में दीपिका इस मामले में आलिया से मात खा जाती हैं.

कटरीना कैफ का फिल्मी ग्राफ देखा जाए तो इंडस्ट्री में कटरीना कैफ, दीपिका-आलिया की सीनियर भी हैं. कटरीना ने साल 2003 में अपने कदम बॉलीवुड की दुनिया में रखे थे. हालांकि उनकी पहली ही फिल्म 'बूम' बुरी तरह से पिट गई थी.

अदिति राव हैदरी ने साउथ एक्टर सिद्धार्थ से शादी की

400 साल पुराने श्रीरंगपुर मंदिर में सीक्रेट मैरिज की, सोशल मीडिया पर शेयर की तस्वीरें

अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ ने शादी कर ली है। तेलंगाना के वानापर्थी में मौजूद 400 साल पुराने श्रीरंगपुर मंदिर में इन्होंने गुपचुप शादी रचाई, जिसमें फैमिली मेंबर्स ही शामिल हुए। दोनों ने शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। इसके साथ ही इन्होंने एक-दूसरे के लिए प्यारा सा नोट भी लिखा है।

इन्होंने लिखा-तुम मेरे चांद-सूरज और सितारे हो, परी कथाओं की तरह हमेशा साथ बने रहना, हमेशा हंसते रहना.. कभी बड़े मत होना..हमेशा के लिए लव, लाइट और मैजिक बनाए रखना... मिसेज एंड मिस्टर अदू- सिद्धू।

2021 में एक फिल्म में काम करने के बाद बढ़ीं नजदीकियां

सिद्धार्थ और अदिति ने एक साथ 2021 की तमिल-तेलुगु फिल्म महासमुद्रम में काम किया था। तभी से इन दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ गईं। सिद्धार्थ ने बॉलीवुड की फेमस फिल्मों जैसे रंग दे बसंती और चश्मेबद्दूर में काम किया है।

अदिति राव हैदरी साउथ के साथ हिंदी फिल्मों की भी जानी-मानी एक्ट्रेस हैं। उन्होंने पद्मावत, बॉस, रॉकस्टार और मर्डर-3 जैसी फिल्मों में काम किया है।

राजघराने से है अदिति का संबंध

अदिति का जन्म 28 अक्टूबर 1986 को हैदराबाद में एहसान हैदरी और विद्या राव के घर हुआ था। अदिति हैदराबाद के निजाम रहे मो. साहेल अकबर हैदरी की पड़पोती हैं। अदिति के नाना राजा जे.रामेश्वर राव तेलंगाना के वानापर्थी के राजा थे।

अदिति ने अपने करियर की शुरुआत बतौर भरतनाट्यम डांसर के तौर पर की थी। उन्होंने फेमस भरतनाट्यम डांस लीला सैमसन के डांस ग्रुप में भी काम किया था। यहां काम करने के बाद उन्होंने एक्टिंग की तरफ रुख किया था। उन्होंने पहली बार 2007 की तमिल फिल्म श्रृंगारम में एक्टिंग की थी।

दोनों की ही दूसरी शादी

अदिति और सिद्धार्थ दोनों की ही ये दूसरी शादी है। सिद्धार्थ की पहली शादी 2003 में मेघना नाम की एक लड़की से हुई थी। ये शादी 2007 में टूट गई थी। वहीं अदिति की पहली शादी एक्टर सत्यदीप मिश्रा से हुई थी, जब वो 21 साल की थीं। चार साल बाद दोनों ने तलाक ले लिया था।

अगर आपकी भी हैं ऐसी आदतें तो जल्द घेर लेंगी लिवर की बीमारियां

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए लाइफस्टाइल और आहार दोनों को ठीक रखना बहुत आवश्यक है। इसमें की गई लापरवाही संपूर्ण स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है। आंकड़ों से पता चलता है कि लिवर की बीमारियों के मामले दुनियाभर में तेजी से बढ़ रहे हैं। यहां तक कि बच्चे भी इसका शिकार देखे जा रहे हैं। लिवर फेलियर और लिवर कैंसर जैसी जानलेवा समस्याओं के कारण हर साल लाखों लोगों की मौत हो जाती है। क्या आप अपने लिवर का ठीक तरीके से ख्याल रखते हैं?

लिवर हमारे शरीर का महत्वपूर्ण अंग है, जो पाचन, ऊर्जा संचय, विषहरण (डिटॉक्सिफिकेशन) और कई अन्य कार्यों में सहायक होता है। इसे स्वस्थ रखने के लिए निरंतर प्रयास करते रहना जरूरी है। हमारी कुछ खराब आदतें भी लिवर को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती हैं। अगर आपकी भी ऐसी आदते हैं तो तुरंत सावधान हो जाइए।

शराब तो नहीं पीते हैं आप?

लिवर को नुकसान पहुंचाने के लिए जिस आदत को सबसे ज्यादा

जिम्मेदार पाया गया है वह है- अत्यधिक शराब का सेवन। शराब लिवर की कार्यक्षमता को धीमा कर देती है। इसके लंबे समय तक या अत्यधिक सेवन करने से लिवर की कोशिकाओं को क्षति हो सकती है। इससे फैटी लिवर, लिवर सिरोसिस, लिवर फेलियर और कैंसर तक का खतरा हो सकता है। लिवर कैंसर से मरने वाले अधिकतर लोगों में शराब पीने की आदत देखी जाती रही है।

ज्यादा तले-भुने चीजों के हैं शौकीन?

आप किस तरह की चीजों का सेवन करते हैं इसका भी लिवर की सेहत पर सीधा असर पड़ता है। अस्वास्थ्यकर आहार लिवर की गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं। जंक फूड, तला-भुना भोजन और हाई फैट युक्त आहार लिवर में वसा जमा करने लगती है, जिससे नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज हो सकती है। यह स्थिति लिवर सिरोसिस और अन्य जटिलताओं का कारण बन सकती है।

कहीं आप भी तो नहीं हैं अधिक वजन के शिकार?

मोटापा या अधिक वजन संपूर्ण शरीर के लिए हानिकारक है इससे लिवर को भी नुकसान होता है। लिवर में वसा जमा होने के लिए मोटापा को एक प्रमुख कारण माना जाता है, ऐसे लोगों में फैटी लिवर डिजीज की समस्या भी अधिक देखी जाती है। शारीरिक निष्क्रियता या व्यायाम न करने की आदत मोटापा और लिवर रोग दोनों को बढ़ा सकती है। इस तरह के जोखिम कारकों से बचे रहने के लिए नियमित व्यायाम करें, वजन को नियंत्रित रखें और सक्रिय जीवनशैली अपनाएं।

ज्यादा चीनी और नमक तो नहीं खाते?

ज्यादा चीनी और नमक दोनों ही लिवर की सेहत के लिए नुकसानदायक हैं। शुगर और फ्रक्टोज (जैसे कोल्ड ड्रिंक्स, मिठाइयां, प्रोसेस्ड फूड) का अधिक सेवन लिवर में वसा का निर्माण करते है, जिससे इंसुलिन प्रतिरोध और फैटी लिवर डिजीज का खतरा बढ़ता है।

चीनी और मीठे पदार्थों का सेवन कम करें। इसी तरह से अत्यधिक नमक का सेवन भी लिवर के लिए हानिकारक हो सकता है, क्योंकि यह लिवर की कोशिकाओं में सूजन और उच्च रक्तचाप को बढ़ावा देती है, जिससे लिवर की कार्यक्षमता प्रभावित होती है। इन दोनों की मात्रा आहार में कम रखें।

टॉप न्यूट्रिशन संस्थान ने नॉन स्टिक को माना जहर

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन ने भारतीयों के लिए डायट्री गाइडलाइन्स जारी की हैं। इसमें लोगों को सलाह दी गई है कि खाना पकाने के लिए मिट्टी के बर्तनों का उपयोग करना चाहिए। यह आदत लोगों की जीवनशैली में बदलाव करते हुए उन्हें कई रोगों से बचा सकती है।

घर की किचन अब हाईटेक हो गई हैं। लोगों ने स्टील या एल्यूमीनियम को छोड़कर अब नॉन स्टिक बर्तनों में खाना पकाना शुरू कर दिया है। इन बर्तनों में खाना जलने और चिपकना का डर तो नहीं होता, लेकिन यह आपको बीमार जरूर कर सकता है। हाल ही में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन ने भारतीय लोगों के लिए डायट्री गाइड लाइन्स जारी की हैं। जिसमें मिट्टी के बर्तनों की सुरक्षा और फायदों के बारे में बताया गया है।

एनआईएन के अनुसार, यह बर्तन ईको फ्रेंडली हैं, कम तेल का उपयोग करते हैं और इनमें पोषक तत्वों को बरकरार रखते

बताया खाना पकाने के लिए सर्वश्रेष्ठ हैं केवल मिट्टी के बर्तन

हुए भोजन के प्राकृतिक स्वाद को बनाए रखने की अच्छी क्षमता होती है। ये नॉन टॉक्सिक होते हैं और इनमें किसी भी केमिकल का इस्तेमाल भी नहीं होता। तो चलिए जानते हैं मिट्टी के बर्तनों में खाना बनाने के फायदे।

खाने के लिए कौन से बर्तनों का उपयोग करना चाहिए?

एक्सपर्ट के अनुसार, खाना खाने के लिए फूड-ग्रेड स्टेनलेस स्टील के बर्तनों का उपयोग करना ठीक है। ये टिकाऊ, साफ करने में आसान और स्वच्छ विकल्प माने जाते हैं। हालांकि, मिट्टी और चीनी मिट्टी के बने बर्तन भी खाने के लिए पूरी तरह से सुरक्षित हैं। बशर्ते इनका ठीक से रखरखाव किया जाए।

मिट्टी के बर्तन में खाना पकाना आपके भोजन को पकाने का एक पारंपरिक और स्वस्थ तरीका है। जो लोग मॉडर्न कुकवेयर के लिए सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल विकल्प तलाश रहे हैं, वे मिट्टी के बर्तनों का उपयोग कर सकते हैं।

कुकिंग के लिए बेस्ट हैं मिट्टी के बर्तन

न्यूट्रिशन ने बताया कि मिट्टी के बर्तनों को उनकी गर्मी वितरित करने की क्षमता के लिए जाना जाता है। ये आपके भोजन में पोषक तत्वों को बनाए रखने में भी कारगर होते हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि सेंसिटिव नेचर के कारण इन्हें हैंडल करना थोड़ा मुश्किल है। इन बर्तनों को रेगुलर क्लीनिंग की भी जरूरत होती है, ऐसे में यह हर किचन के लिए अच्छे नहीं होते। हालांकि, अगर कोई भोजन में पर्याप्त पोषक तत्व चाहता है, तो उन लोगों के लिए मिट्टी के बर्तन अच्छा विकल्प है।

क्यों बताया नॉन स्टिक बर्तनों को हानिकारक?

पिछले कुछ सालों में नॉन स्टिक बर्तनों में टेफलोन कोटिंग ने लोगों की चिंता बढ़ी थी। विशेषज्ञ मानते हैं कि किसी भी नॉन स्टिक बर्तन को ज्यादा गर्म करने से बचना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि टेफलॉन की कोटिंग झड़कर हानिकारक धुआं छोड़ती है। यह धुआं हमारे फेफड़ों और फ्लू जैसे लक्षणों का कारण बन सकता है, जिसे पॉलिमर फ्यूम बुखार के नाम से जाना जाता है।

विसर्जन में जाने से पहले फेस पर ऐसे लगाएं चिरौंजी और दूध, चमक उठेगा चेहरा

चिरौंजी का सेवन सेहत के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है. इसमें मौजूद पोषक तत्व शरीर के लिए गुणकारी होते हैं. चिरौंजी का इस्तेमाल आमतौर पर कई तरह की मिठाइयों को बनाने में किया जाता है. यह सिर्फ शरीर को पोषण देने और स्वाद के लिए ही नहीं, बल्कि त्वचा और चेहरे से जुड़ी कई समस्याओं से निजात पाने के लिए मददगार साबित होती है.

चिरौंजी में विटामिन-बी, सी और नियासिन समेत कई एंटीऑक्सीडेंट मौजूद होते हैं, जो चेहरे का निखार बढ़ाने से लेकर दाग-धब्बे और पिगमेंटेशन को दूर करने में मदद करते हैं. चिरौंजी और दूध से बने फेस पैक को चेहरे पर लगाने से कई स्किन प्रॉब्लम से छुटकारा मिल सकता है.

कैस बनाएं फेस पैक?

सबसे पहले 1 चम्मच चिरौंजी का पाउडर लें. इसमें एक बड़ा चम्मच दूध और हल्दी मिलाएं और अच्छे से मिक्स करके पेस्ट बना लें. इसे चेहरे पर थोड़ी देर लगाएं और 15 मिनट के लिए छोड़ दें. बाद में चेहरे को अच्छी तरह से धो लें. इसका इस्तेमाल सप्ताह में दो बार करें.

चिरौंजी और दूध का फेस पैक लगाने के फायदे

चेहरे का निखार बढ़ाए

चेहरे में निखार लाने के लिए चिरौंजी और दूध से बना फेस पैक का इस्तेमाल बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है. चिरौंजी में मौजूद फैटी एसिड और प्रोटीन की वजह से त्वचा का रंग साफ होता है. दूध में मौजूद लैक्टिक एसिड स्किन को मॉइस्चराइज करने में मदद करता है.

दाग-धब्बों को मिटाए

चेहरे के दाग-धब्बे और पिगमेंटेशन से छुटकारा पाने के लिए रोजाना चिरौंजी और दूध से बना फेस पैक लगाएं. इसका चेहरे पर इस्तेमाल करने से आपकी स्किन एक्सफोलिएट होती है. इससे डेड स्किन सेल्स दूर होने में मदद मिलती है. चेहरे पर इस फेस पैक का इस्तेमाल करने से स्किन साफ होती है और चेहरा ग्लो करता है.

डार्क सर्कल्स दूर करे

चिरौंजी और दूध से बने फेस पैक का इस्तेमाल डार्क सर्कल्स हटाने के लिए भी किया जाता है. चिरौंजी चेहरे पर मौजूद दाग-धब्बों को हटाने और स्किन में निखार लाने का काम करती है. इसके अलावा चिरौंजी और दूध में मौजूद ब्लीचिंग गुण ग्लोइंग स्किन के लिए मददगार साबित होते हैं. आंख के आसपास मौजूद डार्क सर्कल्स को हटाने के लिए इस पैक का इस्तेमाल करना फायदेमंद होता है.

नहीं कंट्रोल हो रहा है हाई कोलेस्ट्राल? पानी में मिलाकर पीएं ये एक चीज

खराब खानपान और अनहेल्दी लाइफस्टाइल शरीर में कई बीमारियों के होने का कारण बनती हैं. इन बीमारियों से बचने के लिए खाने पीने का खास ध्यान रखने की जरूरत होती है. बहुत ज्यादा अनहेल्दी, मसालेदार, ऑयली और प्रोसेस्ड फूड का सेवन करने से शरीर में कोलेस्ट्रॉल बढ़ सकता है.

बॉडी में हाई डेंसिटी लिपोप्रोटीन

(HDL) और लो डेंसिटी लिपोप्रोटीन (LDL) वाले दो तरह के कोलेस्ट्रॉल बनते हैं. लो डेंसिटी लिपोप्रोटीन कोलेस्ट्रॉल को ही बैड कोलेस्ट्रॉल कहते हैं. शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से दिल से जुड़ी समस्याओं की सम्भावना बढ़ जाती है. इससे हाई ब्लड प्रेशर समेत कई गंभीर बीमारियों का खतरा रहता है. बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने के लिए तेज पत्ते का पानी फायदेमंद साबित होता है. आइए जानते हैं हाई कोलेस्ट्रॉल में तेज पत्ते का पानी पीने के फायदे और सही तरीके के बारे में-

तेज पत्ते के फायदे

हाई कोलेस्ट्रॉल में तेज पत्ते का पानी रामबाण इलाज होता है. इसका इस्तेमाल आमतौर पर मसाले के रूप में किया जाता है. इसका इस्तेमाल भोजन का स्वाद और जायका बढ़ाने के लिए होता है, लेकिन इसमें मौजूद गुण और पोषक तत्व शरीर की कई गंभीर बीमारियों को दूर करने में मदद करते हैं. तेज पत्ते में विटामिन, एंटीऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी एंटी-डायबिटिक्स जैसे गुण पाए जाने की वजह से सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं. इसमें मौजूद फाइबर बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करते हैं.

कैसे करें तेज पत्ते के पानी का सेवन?

रोजाना सुबह तेज पत्ते के पानी का सेवन करने से हाई कोलेस्ट्रॉल से छुटकारा पाया जा सकता है. इसके लिए रात में दो तेज पत्ते की पत्तियों को एक गिलास पानी में भिगो दें. अगली सुबह इस पानी को अच्छी तरह से उबालें और जब पानी आधा रह जाए तो छान लें. थोड़ा ठंडा होने पर इसमें आधा चम्मच नींबू का रस और काला नमक मिलाकर पीना फायदेमंद होगा.

रोजाना खाली पेट तेज पत्ते के पानी का सेवन करने से बैड कोलेस्ट्रॉल कम किया जा सकता है. इसका सेवन करने से शरीर की कई बीमारियों से भी छुटकारा पाया जा सकता है.

वैज्ञानिकों की चेतावनी-मोटे लोगों को 32 तरह के कैंसर का रिस्क

एक नए अध्ययन में पाया गया है कि अधिक वजन से जुड़े कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। यह अध्ययन बताता है कि पहले के मुकाबले अब मोटापे के कारण होने वाले कैंसर का खतरा ज्यादा हो गया है। 4 दशकों में किए गए इस शोध में 41 लाख लोगों को शामिल किया गया। अध्ययन के अनुसार, अब हर 10 में से 4 लोगों में मोटापे से जुड़े कैंसर होने का खतरा पाया जा सकता है। साथ ही, इस अध्ययन में यह भी पाया गया कि मोटापे से 30 तरह के कैंसर का संबंध हो सकता है। पहले जहां मोटापे को 13 तरह के कैंसर से जोड़ा जाता था, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 32 हो गई है।

खराब खानपान की वजह से मोटापे से जुड़ी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। एक्सपर्ट मानते हैं कि मोटापा कम करने के लिए खाने से जंक फूड कम करें और स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं। प्लेट से नीचे बताई चीजों को निकलाने से मोटापे और कैंसर का जोखिम कम हो सकता है।

मोटापे से 32 तरह के कैंसर का खतरा

स्वीडन के माल्मो स्थित लुंड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने 40 सालों तक 41 लाख से अधिक लोगों के वजन और जीवनशैली का अध्ययन किया। इस दौरान शोधकर्ताओं ने 122 तरह के कैंसर की जांच की और पाया कि इनमें से 32 तरह के कैंसर का सीधा संबंध मोटापे से हो सकता है।

ओबेसिटी का इनफर्टिलिटी पर भी पड़ता है असर

मोटापे से होने वाले कैंसर

अध्ययन में पाया गया कि 19 तरह के कैंसर को पहली बार मोटापे से जोड़ा गया है। इनमें त्वचा का मेलानोमा, पेट का ट्यूमर, छोटी आंत और पिट्यूटरी ग्रंथि के कैंसर, सिर और गर्दन के कुछ खास तरह के कैंसर, योनि और लिंग का कैंसर शामिल हैं।

फ्रेंच फ्राइज और फ्राई फूड्स

फ्रेंच फ्राइज में बहुत ज्यादा फैट और कैलोरी होती है। रेस्टोरेंट में मिलने वाली फ्रेंच फ्राइज तो और भी ज्यादा नुकसानदायक होती हैं। इसके अलावा कोई भी चीज़ जो डीप फ्राई करके बनाई गई हो, वो न सिर्फ आपका वजन बढ़ाएगी बल्कि कोलेस्ट्रॉल लेवल भी बढ़ा सकती है। यहां तक कि दिल का दौरा भी पड़ सकता है।

कोल्ड ड्रिंक्स

आप स्वस्थ खाना खा रहे हैं, फिर भी वजन बढ़ रहा है? हो सकता है आप जो पी रहे हैं, वो समस्या पैदा कर रहा हो। कोल्ड ड्रिंक्स पीने वाले लोगों में अक्सर मोटापे की समस्या देखी जाती है। आमतौर पर ये मीठी कोल्ड ड्रिंक्स कॉर्न सिरप से बनती हैं और इनमें कैलोरीज़ तो बहुत होती हैं।

फैट वाला मांस और ट्रांस फैट

मांस का सेवन सेहत के लिए हानिकारक है। इनमें बहुत ज्यादा फैट होता है, जो दिल के लिए भी नुकसानदेह है। इससे वजन बढ़ता है। फ्रोजन फूड, पैकेटबंद खाने और डिब्बाबंद खाने में ट्रांस फैट पाया जाता है। ट्रांस फैट सीधे तौर पर मोटापे और कैंसर से जुड़ा है।

पैकेट जूस और चॉकलेट

बाजार में मिलने वाले डिब्बाबंद जूस भले ही 100% प्राकृतिक होने का दावा करें, लेकिन इनमें प्रिजर्वेटिव और ज्यादा चीनी डाली जाती है ताकि ये खराब न हों। साथ ही इनमें रंग और केमिकल भी मिलाए जा सकते हैं, जो सेहत के लिए खतरनाक हैं। इसी तरह वो चॉकलेट जिनमें बहुत ज्यादा चीनी, प्रिजर्वेटिव और मिलावट होती है, वो सेहत के लिए अच्छी नहीं हैं। इनके अलावा पैकेट वाले सीरियल्स, मक्खन और क्रीम या चीनी वाली कॉफी भी तेजी से मोटापा बढ़ाती हैं।

गाउट का आयुर्वेदिक उपचार बताएं

प्रश्न. मेरी उम्र 40 वर्ष है। पिछले दो माह से पीठ के दर्द से पीड़ित हूं। कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- ह प्रभाकर राव, आलमपुर

उत्तर. पीठ का दर्द कई कारणों से हो सकता है। जन्मजात विकृतियां, उठने बैठने के ढंग में खराबी, कमजोर मांस पेशिया , कंडराओ में अकड़न या सूजन, व्यायाम का अभाव, भोजन में पोषक तत्वों की कमी, बचपन में पीठ पर चोट लगना, वात वृद्धि आदि कारणों से पीठ में दर्द हो सकता है।

आप जिस स्कूटर या मोटरसाइकिल का प्रयोग करते हैं यदि उसके शाक अब्जॉर्बर खराब हो गए हो तभी भी कंधे व पीठ में दर्द संभव है। ज्यादा झुक कर कार्य करना,एक हाथ से वजन उठाना घंटों एक ही आसन में बैठे रहना भी पीठ के दर्द को बढ़ा सकता है।

पीठ पर रूमाटाइज तेल या उंझा महानारायण तेल की मालिश करें। रूमाटाइज टीकिया, उंझा महायोगराज गुग्गुलु व उंझा वातगजांकुश रस की टिकिया दिन में तीन बार भोजन के बाद लेवे। उंझा अश्वगंधारिष्ट,उंझा दशमूलारिष्ट 10– 10 मिलीलीटर दवा को दुगने पानी में मिलाकर भोजन के बाद लेवे। नित्य हल्का व्यायाम करें, टहले व सदा प्रसन्नचित्त रहें। गरिष्ठ भोजन, वातकारक आहार,कंदमूल (आलू, रतालू,अरबी,मूली आदि) का सेवन एवम् रात्रिजागरण ना करें। बासी खाद्याअन्न व ठंडा पेय,आइसक्रीम आदि के सेवन से बचें।

प्रश्न : मेरी उम्र 32 वर्ष है। डॉक्टरों के अनुसार मुझे गाउट है। उंगलियों और जोड़ों में बहुत दर्द होता है। कृपा कर इसका आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- उमा महेश्वरी , सिद्दीपेट

उत्तर : आयुर्वेद में गाउट को वातरक्त कहते हैं। सामान्य भाषा में गठिया रोग कहते हैं । इसमें और संधिवात में सबसे बड़ा फर्क है सिरम यूरिक एसिड के स्तर का बढ़ना। वात रक्त में रक्त में यूरिक एसिड का स्तर स्त्रियों में 7 से ऊपर यदि रहता है तो यूरिक एसिड के क्रिस्टल जोड़ों में जमा होने लगते हैं और काफी दर्द होने लगता है। शरीर में यूरिक एसिड बढ़ने की वजह से गुर्दे का शरीर में मौजूद यूरिक एसिड को पेशाब के जरिए शरीर के बाहर न हीं निकल पाना है । कई तरह के पदार्थ जैसेः सभी प्रकार की दालें , डिब्बे वाले जूस, मांसाहारी भोजन, सीफूड, मशरूम ,मटर बीन्स आदि यूरिक एसिड को बढ़ाते हैं। अतः इन से दूर रहें। जैतून तेल, ईसबगोल, ओट्स ,टमाटर ,अंगूर, चेरी ,मेवे, कद्दू, तुरई , घीया, खीरा, करेले, भिंडी, कुंदूरु, परवल, पुराने चावल, जवारी, गेहूं आदि का प्रयोग गाउट में हितकारी है। ऊंझा अमृता गुग्गुलु, ऊंझा कैशौर गुग्गुलु, ऊंझा संशमनी वटी ,ऊंझा अमृतारिष्ट आदि का प्रयोग वात रक्त में उपयोगी है। गिलोय - तुलसी रस निराहार सुबह और भोजन के पहले संध्या को 30 मिलीलीटर की मात्रा में दोगुने पानी के साथ मिलाकर प्रयोग करते रहने से वात रक्त पूरा ठीक होता है।

प्रश्न : मेरी उम्र 37 वर्ष है। भौहों के ऊपर वाले हिस्से में दर्द होता है और नाक में थक्केजम जाते हैं। आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- के माणिक्यम, भुवनगिरि

उत्तरः आपको पीनस रोग हो गया है । इसे ही साइनोसाइटिस के नाम से जाना जाता है। इस रोग की प्रारंभिक अवस्था में सिर में भारीपन , भूख कम हो जाना, नाक से स्राव, स्वर भेद (आवाज बदल जाना) भौं हों के ऊपर तेज दर्द आ दि लक्षण दिखाई पड़ते हैं। बाद में नासिका में स्राव गाढ़ा होकर नाक में थक्के जमने लगते हैं । नासा - विवर में कफ जमने लगता है। इसमें संक्रमण होने से गंध और स्वाद का ज्ञान होना बंद हो जाता है।

घरेलू उपचार में पांच ग्राम घी में भुनी अदरक दिन में दो बार देवे। पांच ग्राम अदरक को 250 ग्राम दूध में उबाल ने और इसे नथुनों में डाले । औषधि में ऊंझा महालक्ष्मी विलास रस एक से दो गोली पीसकर मधु से या फिर चित्रक हरितकी अवलेह में मिलाकर सेवन कराएं। ऊंझा तालीसादी चूर्ण या तालीस्यूल का सेवन भी पीनस में एक हितकारी औषध सिद्ध हुई है। नाक में षडबिंदु तेल डालने से बहुत आराम मिलता है। भौंहों के ऊपर का दर्द और पिनस से उत्पन्न शिरशूल कम होने लगता है।

लघु आहार, गरम पानी, पुराने चावल, कुलथी शिग्रु याने सहिजन की फली, मूली, लहसुन , त्रिकटु हितकारी है । अभिष्यंदीकारक जैसे दही व गुरु द्रव्य, असात्म्य भोजन, स्नान, अधारणीय वेगों का धारण, दिन में सोना, जमीन पर सोना, क्रोध करना आदि का परित्याग करें।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

स्वतंत्र वार्ता

396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

दाढ़ के भयंकर दर्द से तुरंत छुटकारा पाने के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

दांत में दर्द होना एक आम समस्या है. इसके कारण मसूड़ों में झनझनाहट, सूजन और सिर में दर्द होता है. यह दर्द अकेले नहीं आता, बल्कि अपने साथ उस पूरे हिस्से को भी चपेट में लेता है, जिस तरफ दर्द होता है. कई बार यह दर्द इतना बढ़ जाता है, कि मसूड़ों में सूजन हो जाती है.

दांत में दर्द उन लोगों को ज्यादा होता है, जो मिठी चीजों को सेवन करते हैं. इसके अलावा बैक्टीरिया और इंफेक्शन के कारण भी समस्या हो सकती है. यह दर्द असहनीय होने के साथ-साथ रोजमर्रा के कामों में बाधा डाल सकता है.

दांत के अंदर पल्स होती है, जो नर्व टिश्यू और ब्लड वेसेल्स से भरी होती है. पल्स वाली यह नसें शरीर में सबसे सेंसिटिव होती है. जब यह नसें बैक्टीरिया से संक्रमित होती है, तो गंभीर दर्द का कारण बनती है. आइए जानते हैं कुछ घरेलु नुस्खें, जो दांत के दर्द से तुरंत निजात दिलाने में मददगार साबित होते हैं.

दांत के दर्द से झटपट छुटकारा दिलाने वाले घरेलू नुस्खे

नमक का पानी-

दांत के दर्द से राहत पाने के लिए रोजाना नमक के पानी से कुल्ला करना फायदेमंद होता है. इसके लिए एक गिलास गुनगुने पानी में नमक डालकर मिला लें और कुल्ला करें. यह करते समय इस बात का ध्यान रखें कि आपको पानी पीना नहीं है, सिर्फ मुंह में डालकर कुल्ला करके थुक देना है.

कई बार दांतों के बीच अन्न के टुकड़े फंस जाते हैं, जिसकी वजह से दर्द शुरू होता है. नमक के पानी का कुल्ला करने से सारी गंदगी पानी के साथ बाहर आ जाती है और दर्द से राहत मिलती है.

हाइड्रोजन पेरोक्साइड-

नमक वाले पानी की जगह हाइड्रोजन पेरोक्साइड वाले पानी का इस्तेमाल करना भी फायदेमंद साबित हो सकता है. इसके लिए हाइड्रोजन पेरोक्साइड और पानी को बराबर मात्रा में मिला लें. फिर इस मिश्रण से कुल्ला करें. ध्यान रहे कि इस मिश्रण को निगलना नहीं है. इससे रोजाना कुल्ला करने से बैक्टीरिया होने से रोका जा सकता है.

आइस पैक

सूजन होने पर आइस पैक काफी हद तक दर्द से राहत दिलाने में मदद कर सकता है. मसुड़ों में सूजन होने पर 24 से 36 घंटों के लिए अपने गाल पर आइस पैक लगाएं. इससे दर्द को कम करने में मदद मिलती है. दांत का कोई भी हिस्सा टूटने या ढीला होने पर मसूड़ों में सूजन के साथ तेज दर्द हो सकता है, सूजन का मतलब दांत की जड़ों में फोड़ा (gum sore), मवाद या गंदगी होना होता है. इससे जबड़े और दूसरे दांतों में गंभीर संक्रमण की संभावना बढ़ जाती है. दांतों में ऐसी समस्या होने पर तेज दर्द के साथ बुखार भी हो सकता है, जिसके कारण मसूड़े लाल हो जाते हैं. ऐसे में आइस पैक का इस्तेमाल करना फायदेमंद होता है. इसके लिए बर्फ के कुछ टुकड़े दांत के दर्द वाले हिस्से पर तब तक लगाएं, जब तक दर्द वाला हिस्सा सुन्न न हो जाए.

लौंग का तेल

दांत दर्द के लिए कई घरेलू उपचार हैं, जिनमें से लौंग का तेल सबसे प्रभावी माना जाता है. लौंग का तेल एंटी-बैक्टीरियल और एनाल्जेसिक गुणों से भरपूर होता है, जो दांत दर्द से तुरंत राहत दिलाने में मदद करता है. यह दर्द असहनीय होने के साथ-साथ रोजमर्रा के कामों में बाधा डाल सकता है.

मोदी 3.0 में शेयर बाजार बना रहा रिकॉर्ड

निवेशकों ने 100 दिन में कमाए 45 लाख करोड़

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। 4 जून को जिस तरह के चुनावी नतीजे सामने आए थे और शेयर बाजार ने जैसा रिएक्शन शेयर बाजार में देखने को मिला था. सभी यही उम्मीद कर रहे थे कि सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही मौजूदा साल में निवेशकों को निराश ही करेंगे. 9 जून को नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर से प्रधानमंत्री पद की शपथ ली. उसके बाद से शेयर बाजार ने पीछे मुड़कर नहीं देखा. तब से लेकर अब तक शेयर बाजार निवेशकों की झोली मतें 45 लाख करोड़ रुपए आ चुके हैं. कई कंपनियों के शेयरों 4 जून की गिरावट के बाद से सिर्फ उबरे ही नहीं बल्कि काफी आगे निकल चुके हैं. शेयर बाजार के निवेशकों का साफ कहना है कि नरेंद्र मोदी के पीएम बनने और कैबिनेट के सभी अहम मंत्रालयों में कोई बदलाव ना होने का शेयर बाजार को संदेश साफ है कि सत्ता उसी तरह से काम करेगी. जैसा कि

बीते 10 बरस में होता रहा है. यही कारण है कि शेयर बाजार का उत्साह और भी ज्यादा बढ़ गया. शेयर बाजार के उत्साह का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि मोदी 3.0 के 100 दिनों के सेंसेक्स ने निवेशकों को करीब 9 फीसदी का रिटर्न दिया है. वहीं दूसरी ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के प्रमुख सूचकांक निफ्टी ने निवेशकों को 9 फीसदी से ज्यादा की कमाई कराई है. खास बात तो ये है कि इन 100 से दिनों से पहले इस साल शेयर बाजार का मार्केट कैप भले ही थोड़ा ज्यादा बढ़ा हो, लेकिन निवेशकों को सेंसेक्स और निफ्टी से रिटर्न कम मिला है. ऐसे में आंकड़ों को देखकर कहा जा सकता है कि मोदी 3.0 को शेयर बाजार ने पूरी तरह से आत्मसात कर लिया है. साथ ही आने वाले दिनों के लिए भी साफ संदेश मिल गए हैं कि शेयर बाजार इस गठबंधन सरकार में भी निवेशकों की खूब कमाई होगी. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर इन 100 दिनों में शेयर बाजार के आंकड़ें किस तरह के देखने को मिले हैं?

100 दिनों में सेंसेक्स और निफ्टी प्रदर्शन

मोदी 3.0 सरकार के गठन को 100 दिन पूरे हो चुके हैं. ऐसे में शेयर बाजार का परफॉर्मेंस बिल्कुल भी खराब नहीं कहा जा सकता है. इस दौरान के आंकड़ों को देखें सेंसेक्स ने निवेशकों को करीब 9 फीसदी का रिटर्न दिया है. सरकार के गठन के बाद 10 जून को सेंसेक्स 76,490.08 अंकों पर बंद हुआ. 16 सितंबर को सेंसेक्स कारोबारी सत्र के दौरान 83,184.34 अंकों पर पहुंच चुका है. इस दौरान सेंसेक्स में 6,694.26 अंकों का इजाफा देखने को मिल चुका है. यानी निवेशकों को सेंसेक्स ने 8.75 फीसदी का रिटर्न दिया है. वहीं बात नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के प्रमुख सूचकांक निफ्टी की करें तो उसे सेंसेक्स से ज्यादा रिटर्न दिया है. आंकड़ों के अनुसार 23,259.20 अंकों पर देखने को मिला था. 16 सितंबर को निफ्टी कारोबारी सत्र के दौरान 25,445.70 अंकों के साथ दिन के हाई पर पहुंचा।

'नमो भारत रैपिड रेल' नाम से जानी जाएगी भुज-अहमदाबाद वंदे मेट्रो

उद्घाटन से पहले बदला नाम

अहमदाबाद, 16 सितंबर (एजेंसियां)। भुज-अहमदाबाद के बीच चलने वाली वंदे मेट्रो का नाम उद्घाटन से कुछ घंटे पहले बदल दिया गया। यह ट्रेन अब नमो भारत रैपिड रेल के नाम से जानी जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भुज-अहमदाबाद के बीच चलने वाली वंदे मेट्रो सेवा को सोमवार शाम 4:15 बजे बजे भुज रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाएंगे। रेलवे के प्रवक्ता के मुताबिक यह ट्रेन भुज से अहमदाबाद तक की 359 किमी की दूरी 5:45 घंटे में तय करेगी। साथ ही इस ट्रेन का नौ स्टेशनों पर ठहराव होगा। यात्री इस ट्रेन में मंगलवार से यात्रा कर सकेंगे। साथ ही पूरी भुज-अहमदाबाद के बीच 455 रुपये किराया लगेगा।

रेलवे प्रवक्ता ने बताया कि रेल मंत्रालय ने वंदे मेट्रो ट्रेन का नाम बदलकर नमो भारत रैपिड रेल करने का फैसला किया है। ट्रेन में 12 कोच लगाए गए हैं। इनमें 1150 यात्री सफर कर सकेंगे। ट्रेन में सीटों को एर्गोनोमिक रूप से डिजाइन किया गया है। साथ ही वातानुकूलित केबिन हैं।

रेल मंत्रालय ने दी जानकारी

इस बारे में रेलवे मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि जबकि अन्य मेट्रो कम दूरी तय करती हैं, मेट्रो ट्रेनें शहर के केंद्र से परिधीय शहरों को जोड़ेंगी। ट्रेन सुबह 5.05 बजे भुज से अपनी यात्रा शुरू करेगी और उसी दिन सुबह 10.50 बजे अहमदाबाद पहुंच जाएगी। इसके बाद अपने रिटर्न ट्रिप के लिए यह अहमदाबाद से शाम 5.30 बजे रवाना होगी और रात 11.10 बजे भुज पहुंचेगी। ट्रेन सप्ताह में 6 दिन चलेगी। इसकी अधिकतम गति 110 किमी/घंटा होगी।

सोना 650 बढ़कर 73,694 पर पहुंचा

चांदी 2,505 महंगी होकर 88,605 प्रति किलो बिक रही, कैरेट के हिसाब से देखें गोल्ड की कीमत

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 16 सितंबर को बढ़त रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, सोमवार को 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 650 रुपए बढ़कर 73,694 रुपए पर पहुंच गया। इससे पहले इसके दाम 73,044 रुपए प्रति दस ग्राम थे। वहीं चांदी 2,505 रुपए बढ़कर 88,605 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी 86,100 रुपए प्रति किलो पर थी। इस साल सोना मई में 74,222 प्रति 10 ग्राम के ऑल टाइम हाई पर पहुंच चुका है। वहीं, चांदी 29 मई को अपने ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी।

महानगरों और भोपाल में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 68,950 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 75,150 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 68,800 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 75,050 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 68,800 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 75,050 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 68,800 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 75,050 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 68,850 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 75,100 रुपए है।

इस साल सोने में अब तक 10 हजार रुपए से ज्यादा की तेजी

आईबीजेए के अनुसार, इस साल अब तक सोने के दाम 10,342 रुपए बढ़ चुके हैं। 1 जनवरी को सोना 63,352 रुपए पर था, जो अब 73,694 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है। वहीं एक किलो चांदी के दाम 73,395 रुपए से बढ़कर 88,605 रुपए पर पहुंच गए हैं। साल के आखिर तक 78 हजार तक जा सकता है सोना एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटी और करेंसी हेड अनुज गुप्ता के अनुसार आने वाले दिनों में सोने-चांदी में बढ़त देखने को मिल सकती है। इस साल में सोना के 78 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं चांदी भी 1 लाख रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है।

एक डील ने कराई गौतम अडानी की मौज

दो कंपनियों ने कमा डाले 41 हजार करोड़

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। एक दिन पहले खबर आई थी कि गौतम अडानी की पॉवर कंपनी को महाराष्ट्र में 25 साल के लिए नवीकरणीय और ताप विद्युत सप्लाई का ठेका मिल गया है. उसके बाद सोमवार को गौतम अडानी की पॉवर कंपनियों अडानी ग्रीन एनर्जी और अडानी पावर के शेयर रॉकेट बन गए हैं. दोनों के शेयरों में 8 फीसदी तक का इजाफा देखने को मिला है. आंकड़ों के अनुसार दोनों कंपनियों को कुछ ही मिनटों में कंबाइंडली करीब 41 हजार करोड़ रुपए का फायदा हो चुका है. जबकि बाकी कंपनियों के शेयरों में उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर दोनों के शेयरों के आंकड़ें किस तरह के देखने को मिल रहे हैं. बीएसई के आंकड़ों के अनुसार अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयरों में अच्छी तेजी देखने को

मिली. कंपनी का शेयर कारोबारी सत्र के दौरान करीब 8 फीसदी की तेजी के साथ 1,929.35 रुपए तक पहुंचा. जबकि मौजूदा समय यानी 1 बजकर 15 मिनट पर कंपनी का शेयर 7.62 फीसदी की तेजी के साथ 1,924.05 रुपए पर कारोबार कर रहा है. वैसे आज सुबह कंपनी का शेयर 1,851.95 रुपए पर ओपन हुआ था. कंपनी का 52 हफ्तों काा हाई 2,173.65 रुपए है, जो कंपनी ने 3 जून को कायम किया था.वहीं दूसरी ओर अडानी पावर के शेयर में भी इजाफा देखने को मिला है. कंपनी का शेयर कारोबारी सत्र के दौरान 7.53 फीसदी की तेजी के साथ 681.30 रुपए पर पहुंच गया. मौजूदा समय में कंपनी का शेयर 6.15 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 672.50 रुपए पर कारोबार कर रहा है. वैसे कंपनी का शेयर सुबह तेजी के साथ 660.95 रुपए पर ओपन हुआ था. एक दिन पहले कंपनी का शेयर 633.55 रुपए पर बंद हुआ था. वैसे कंपनी का शेयर 3 जून को 896.75 रुपए के साथ 52 हफ्तों के हाई पर पहुंच गया था.दोनों कंपनियों के शेयरों में इजाफा होने से मार्केट कैप में भी जबरदस्त बढ़ोतरी देखने को मिली. पहले बात अडानी पावर की करें तो कंपनी के मार्केट में 18,457.94 करोड़ रुपए का इजाफा देखे को मिला. वास्तव में कंपनी का मार्केट कैप एक दिन पहले 2,44,901.07 करोड़ रुपए था, जोकि बढ़कर 2,63,359.01 करोड़ रुपए हो गया।

एनपीएस 'वात्सल्य' स्कीम 18 सितंबर को लॉन्च होगी

बजट में इस स्कीम का ऐलान हुआ था, माता-पिता बच्चों की ओर से इसमें निवेश कर सकेंगे

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण 18 सितंबर को दिल्ली में एनपीएस 'वात्सल्य' स्कीम लॉन्च करेंगी। इस कार्यक्रम में पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी के चेयरमैन दीपक मोहंती, वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और वित्तीय सेवा विभाग के सचिव नागराजू मद्दीराला शामिल होंगे। बिजनेस स्टैंडर्ड ने सूत्रों के हवाले से यह खबर दी है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2024 पेश करते हुए इस स्कीम का ऐलान किया था। एनपीएस वात्सल्य को बच्चों के बड़े होने पर उनकी फाइनेंशियल सिक्योरिटी एन्श्योर करने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस स्कीम में माता-पिता बच्चों की ओर से निवेश कर सकते हैं। बालिग होने पर अकाउंट रेगुलर एनपीएस में बदल जाएगा। बच्चे के 18 साल के होने पर एनपीएस 'वात्सल्य' को नॉन-एनपीएस स्कीम में भी बदला जा सकता है। रेगुलर एनपीएस स्कीम रिटायरमेंट फंड बनाने में मदद करती है।

ज्यादा रिटर्न के लिए एनपीएस कॉन्ट्रीब्यूशन को स्टॉक और बॉन्ड जैसे बाजार से जुड़े इंस्ट्रूमेंट में इन्वेस्ट किया जाता है। सभी माता-पिता और गार्जियन, चाहे भारतीय नागरिक हों, एनआरआई या ओसीआई, अपने नाबालिग बच्चों के लिए एनपीएस वात्सल्य अकाउंट खोलन सकते हैं। मान लीजिए कि आपका बच्चा 3 साल का है। इस स्कीम में अगर आप 10,000 रुपए की एसआईपी करते हैं तो बच्चे के 18 साल का होने पर करीब 63 लाख रुपए का फंड जमा हो सकता है.एनपीएस में दो तरह के अकाउंट मिलते हैं। टियर I अकाउंट में विड्रॉल पर प्रतिबंध है और मिनिमम इन्वेस्टमेंट 500 रुपए है। जबकि टियर II अकाउंट में लिक्विडिटी की सुविधा मिलती है। इसका मिनिमम कॉन्ट्रीब्यूशन 1,000 रुपए है। इसे बैंक के जरिए लिया जा सकता है।

गुजरात में सीएम भूपेंद्र पटेल के तीन वर्ष पूरे होने के बाद

सेमीकंडक्टर हब बनने की दिशा में आगे बढ़ा राज्य

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात में अपने कार्यकाल के तीन वर्ष पूरे कर लिए हैं।

उन्होंने 13 सितंबर, 2021 को मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला था। मुख्यमंत्री ने इन तीन वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से शुरू की गई गुजरात विकास यात्रा को लगातार आगे बढ़ाया। पटेल के दृढ़ नेतृत्व में गुजरात ने पिछले तीन वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल की। उनके नेतृत्व में गुजरात में जी20 बैठकें तथा वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट का 10वाँ संस्करण; दोनों ही सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में आज गुजरात देश का सेमीकंडक्टर हब और रिन्यूएबल एनर्जी हब बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा ह। पिछले तीन वर्षों के दौरान मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने 11 महत्वपूर्ण नीतियां लॉन्च की हैं, जो गुजरात की पॉलिसी ड्रिवन स्टेट के रूप में छवि को अधिक मजबूत बनाता है। प्रधानमंत्री ने 'विकसित भारत@2047' का जो विजन दिया है, उसे 'विकसित गुजरात से विकसित भारत' के लक्ष्य के साथ साकार करने के लिए गुजरात सरकार प्रतिबद्धता से जुटी है। गुजरात को शिक्षित और संपन्न बनाने के लिए कई कदम उठाए गए। गुजरात में शिक्षा व्यवस्था की पल-पल की रीयल टाइम जानकारी प्राप्त करने के अभिनव प्रयोग के साथ विद्या समीक्षा केन्द्र का प्रारंभ किया गया।

इसके अलावे मिशन स्कूल्स ऑफ एक्सीलेंस के अंतर्गत शामिल विद्यालयों में 874.68 करोड़ रुपए की लागत से 97,187 स्मार्ट क्लासरूम्स तथा 1,432.40 करोड़ रुपए के खर्च से 21,037 कम्प्यूटर लैब्स की सुविधा मुहैया कराई गई।वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 2024 का 10वां संस्करण 'गेटवे टू द फ्यूचर' की थीम के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। वाइब्रेंट गुजरात के इस 10वें संस्करण में 140 से अधिक देशों से 61,000 से अधिक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। समिट के हिस्से के रूप में लगभग 150 सेमिनारों और कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। इसके अलावा, 2862 बीटूबी बैठकें और 1368 बीटूजी बैठकें आयोजित हुईं।

इंफोसिस करेगी एलआईसी का ट्रांसफॉर्मेशन, सब देखकर रह जाएंगे हैरान

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने अगली पीढ़ी के डिजिटल प्लेटफॉर्म को अपनाकर अपने डिजिटल ट्रांसफोर्मेशन को आगे बढ़ाने के लिए इंफोसिस को चुना है. इंफोसिस की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार इस पहल के तहत ग्राहकों, एजेंटों और कर्मचारियों के लिए बेहतर अनुभवों और डेटा आधारित वैयक्तिकरण पर ध्यान दिया जाएगा. कंपनी ने इस सौदे की राशि के बारे में नहीं बताया. मौजूदा समय में एलआईसी के कस्टमर्स को कई तरह के कामों के लिए होम ब्रांच की ओर दौड़ लगानी पड़ती है. जबकि बैंकों के साथ ऐसा नहीं है. कस्टमर्स उसी तरह के काम के लिए किसी भी बैंक ब्रांच में जा सकते हैं. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर इंफोसिस एलआईसी को कैसे ट्रांसफॉर्म

करने जा रही है?

इंफोसिस का डाइव प्रोग्राम

एक बयान के अनुसार, इंफोसिस ने आज भारत की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम के साथ अपने सहयोग की घोषणा की, ताकि एलआईसी डाइव (डिजिटल इनोवेशप एंड वैल्यू इंहैंसमेंट) नाम का डिजिटल ट्रांसफोर्मेशन प्रोग्राम शुरू किया है. सौदे के तहत इंफोसिस अगली पीढ़ी का डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार करेगी, जो एलआईसी के ग्राहकों, एजेंटों और कर्मचारियों के लिए बेहतर जुड़ाव और डेटा आधारित वैयक्तिकृत अनुभव देने पर ध्यान केंद्रित करेगा. बयान में कहा गया कि एलआईसी ने बैंकिंग, वित्तीय और बीमा क्षेत्रों में इंफोसिस की गहन विशेषज्ञता और अनुभव को देखते हुए उसे चुना. यह डिजिटल प्लेटफॉर्म मॉड्यूलर फ्लेक्सिबल और क्लाउड-नेटिव होगा.

इस तरह की मिलेंगी सुविधाएं?

इंफोसिस एलआईसी के लिए इस प्लेटफॉर्म के थ्रू कस्टमर एंड सेल्स सुपर ऐप, पोर्टल और डिजिटल ब्रांच जैसे हाई वैल्यू बिजनस एप्लिकेशंस को बनाने की नींव रखेगा. वहीं दूसरी ओर एलआईसी के कस्टमर्स को इंफोसिस के इस प्लेटफॉर्म से इंटीग्रेटेड एंड-टू-एंड डिजिटल इंश्योरेंस समेत कई तरह की सर्विसेज मिलेंगी।

हफ्ते के पहले सत्र में शेयर बाजार शानदार तेजी के साथ बंद

बीएसई मार्केट कैप पहली बार 470 लाख करोड़ रुपये के पार

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार के प्राइमरी और सेकेंडरी दोनों ही मार्केट के लिए आज का दिन बेहद ऐतिहासिक रहा है. प्राइमर मार्केट में बजाज हाउसिंग फाइनेंस के आईपीओ की बंपर लिस्टिंग हुई. तो सेंकेडरी मार्केट में बीएसई सेंसेक्स और एमएसई निफ्टी दोनों ही ऐतिहसिक हाई को छूने में कामयाब रहा है. आज के ट्रेड में बैंकिंग और एनर्जी शेयरों में भारी खरीदारी देखने को मिली है. बाजार बंद होने पर बीएसई सेंसेक्स 98 अंकों के उछाल के साथ 82,989 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 27 अंकों की तेजी के साथ 25,384 अंकों पर क्लोज हुआ है.

रिकार्ड हाई पर मार्केट कैप

भारतीय शेयर बाजार में शानदार तेजी के चलते मार्केट कैपिटलाइजेशन ऐतिहासिक हाई पर जा पहुंचा है. बीएसई पर लिस्टेड शेयरों का मार्केट कैप 470.49 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड हाई पर बंद हुआ है जो पिछले सेशन में 468.71 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ है. यानि आज के सेशन में बाजार के मार्केट कैपिटलाइजेशन में 1.78 लाख करोड़ रुपये का

उछाल देखने को मिला है.

चढ़ने गिरने वाले शेयर्स

सेंसेक्स के 30 शेयरों में 15 स्टॉक्स तेजी के साथ और 15 गिरकर बंद हुए. निफ्टी के 50 शेयरों में 25 तेजी के साथ और 25 गिरकर क्लोज हुए. तेजी वाले शेयरों में एनटीपीसी 2.44 फीसदी, एल एंड टी 1.35 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.97 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.94 फीसदी, नेस्ले 0.72 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 0.66 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है. बजाज फाइनेंस 3.36 फीसदी एचयूएल 2.30 फीसदी गिरकर बंद हुआ है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कन्या	मे	कन्या..	06-09 बजे
चंद्र-	कुंभ	मे	तुला...	08-15 बजे
मंगल	मिथुन	मे	वृश्चिक	10-25 बजे
बुध-	सिंह	मे	धनु-	12-38 बजे
गुरु-	वृष	मे	मकर...	14-45 बजे
शुक्र-	कन्या	मे	कुंभ--	16-36 बजे
शनि-	कुंभ	मे	मीन-	18-13 बजे
राहु-	मीन	मे	मेष---	18-49 बजे
केतु-	कन्या	मे	वृष---	21-34 बजे
			मिथुन	23-34 बजे
			कर्क--	01-48 बजे
			सिंह---	04-02 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -शरद
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-03 सूर्यास्त. - 18-13
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्दशी 11-44 तक उपरान्त पूर्णिमा
मास - भाद्रपद शुक्ल , मंगलवार 17 September
नक्षत्र - शतभिषा 13-53 तक उपरान्त
योग - धृति 07-48 तक उप शूल
करण- वणिज 11-44 तक उप विष्टी
विशेष:- अनंत चतुर्दशी
व्रत -त्योहार - पूर्णिमा व्रत

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:13 से 16:44 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
रोग	06:03 - 07:37 अशुभ	काल	18:13 - 19:44 अशुभ
उत्पात	07:37 - 09:08 अशुभ	लाभ	19:44 - 21:13 शुभ
चंचल.	09:08 - 10:39 शुभ	उत्पात	21:13 - 22:42 अशुभ
लाभ.	10:39 - 12:10 शुभ	शुभ.	22:42 - 00:10 शुभ
अमृत.	12:10 - 13:42 शुभ	अमृत	00:10 - 01:39 शुभ
काल.	13:42 - 15:13 अशुभ	चंचल.	01:39 - 03:08 शुभ
शुभ.	15:13 - 16:44 शुभ	रोग	03:08 - 04:37 अशुभ
रोग.	16:44 - 18:13 अशुभ	काल.	04:37 - 06:03 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आज का दिन समृद्धि के एक नए कार्यक्रम को शुरू करने के लिए बहुत अच्छा है । अगर आप किसी नयी परियोजना के बारे में काफी सोचकर भी किसी नतीजे तक नही पहुंच पाए हैं तो आज शुरूकर लें,आज आप जो भी करना शुरू करेंगे ,सफलता जरुर मिलेगी । आज होने वाली घटनाओं से आपके वित्त सम्बन्धी नजरिये में भी बदलाव आएगा और नकारात्मकता कम होगी।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आपके अनिर्णय की स्थिति से बिना बात की परेशानी पैदा हो सकती है । परिवार से जुड़े और रियल एस्टेट से जुड़े हुए मुद्दों को आपको अब गंभीरता से लेने की जरुरत है । आपको इनसे सम्बंधित कोई पत्र प्राप्त होगा । पुरानी अधूरी -अनसुलझी बातें अब आपको परेशान करेंगी और आप इन्हें सुलझाए बिना आगे नहीं बढ़ सकते ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

ग्रहों की स्थिति कुछ ऐसी बन रही है की आपको सुधार करने एवं स्वस्थ होने का विशेष अवसर मिलने वाला है । आप भूतकाल में की हुई अपनी किसी गलती को स्वीकार कर लेंगे और सामने वाले को संतुष्ट करने में कामयाब रहेंगे । ऐसा करके आप अपने दिल से काफी बड़ा बोझ उतार पायेंगे ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आप आज अनजाने तथ्यों के साथ सहज महसूस नही करेंगे । इसलिए आप प्रयोग ना करते हुए जानी –पहचानी राहों पर ही आगे बढने की कोशिश करेंगे । आपके सामने नए अवसर आयेंगे ,लेकिन आप उनमे से भी उसी को चुनेंगे जिससे आप भली-भांति परिचित हैं । इस समय का उपयोग अपना पिछला बचा हुआ काम निपटाने के लिए करें ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आप अपने वांछित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए और अपने परिवार की धन वृद्धि के लिए शक्तिशाली ऊर्जा से भरे हुए हैं। आप अधिक ज्ञान को प्राप्त करने में सक्षम हो जायेंगे और जिससे आप अगली बार किसी की सेवा करने पर अधिक कमाने लायक हो जाएंगे , इस तरह से आपके हाथो में वित्तीय सुरक्षा और सफलता के लिए सभी सामग्री रहेगी ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आज के दिन की शुरुआत उल्लेखनीय होगी। आपको पदोन्नति या नई जिम्मेदारी की पेशकश की जा सकती है और भाग्यशाली लोगों को नयी नौकरी के अद्भुत अवसर प्राप्त हो सकते है! आपकी कड़ी मेहनत की प्रशंसा चारो ओर हो रही है और ये समय इसका फल पाने का समय है । वितीय स्थिति में धन के प्रवाह की वजह से मजबूती आने की संभावना है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

यह गतिविधियों और उपलब्धियों को याद करने या समर्थन करने का अछा समय है और ये आपकी उपलब्धियों को मजबूती देगा की आप रास्ते पर प्रथम है । ये समय नयी शुरुआत करने के लिए अच्छा है चाहे वह नई परियोजना या एक नई नौकरी को लेकर हो । इस ऊर्जा को जब तक बनाए रखने की कोशिश करें , जब तक आप अपनी मंज़िल पर नहीं पहुंच जाते ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

कुछ परिवर्तन आपके कार्यस्थल में होने की संभावना है। वे पहली बार में हतोत्साहित लग सकते है, लेकिन जल्द ही वे आप के लिए नए अवसर को खोलेंगे , लेकिन इस अवसर का लाभ उठाने के लिए आपको साहस और विश्वास की छलांग लगाने की आवश्यकता पड़ेगी । ये उद्यम आपको जोखिम भरा लग सकता है।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

अनुशासन और कड़ी मेहनत आपके विशिष्ट गुण हैं । आज अपने कार्य क्षेत्र से आपका मोहभंग हो सकता है , क्योंकि आपको लगेगा की आपका करियर रुक सा गया है । हालांकि, कड़ी मेहनत हमेशा साथ देती है । आप सही रास्ते पर हैं ।अब महत्वपूर्ण है की इस पथ के साथ आप रहे ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

कुछ वित्त और कैरियर के विभिन्न अवसर आज आपके सामने आ सकते हैं और आप उन्हें लेने के लिए अभिभूत होंगे लेकिन थोड़ा उलझन भी महसूस कर सकते हैं की किस दिशा में जाये ।सावधान रहें की ये अनिर्णय आपको पंगु न बनाये । अगर आप सही दिशा में आगे बढ़ते है , तो यह पूरी तरह से आपके वित्तीय भविष्य को बदल सकता हैं।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आपका कोई करीबी शायद आपके कारण भावनात्मक उथल-पुथल के दायरे में है ।आप एकदम से निष्कर्ष पर पहुच जाते हैं और इस बार भी आपने सही से समझे बिना ही इस व्यक्ति पर वफादार न होने का आरोप लगा दिया है । आपके लिए अच्छा यही होगा कि आप पहले शांति से बैठकर सही समय तक का इन्तजार करें और अच्छे से सोच लें ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

इस बात के लिए अधिक सोच विचार ना करें कि अप्रत्याशित घटनाएँ क्यों हो रही हैं या बहुत देर क्यों हो रही है ? ये आपके भले के लिए भी हो सकता है जिसके फायदे अभी आपको दिखाई नही दे रहे हैं । अपनी बेहतरीन परफॉरमेंस देने के लिए कुछ नया प्रयोग करें । इससे आपको भी अपने रोजमर्रा के नियमित कार्यक्रम से थोड़ी राहत मिलेगी।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

21 जिलों में प्लेटलेट्स ही नहीं मिल रहा

45 दिन में डेंगू के मरीज हुए 264, राजधानी में हैं चिकनगुनिया और डेंगू के 120 पीड़ित

रांची, 16 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड में डेंगू और चिकनगुनिया के मरीजों की स्थिति मरने जैसी हो गई है। ऐसा इसलिए कि राज्य में मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है पर इन्हें प्लेटलेट्स ही नहीं मिल पा रहा है। ऐसा इसलिए कि राज्य के 24 जिले में से 21 जिले ऐसे हैं, जहां के ब्लड बैंक में प्लेटलेट्स ही नहीं है। राज्य में केवल रांची, धनबाद और हजारीबाग के ब्लड बैंक में प्लेटलेट्स मिल रहे हैं।

डेंगू और चिकनगुनिया के मरीजों की संख्या की बात करें तो इस साल अबतक विभिन्न जिलों में डेंगू के 465 मामलों की पहचान हो चुकी है। सिर्फ अगस्त से 15 सितंबर यानी 45 दिनों में ही 264 से ज्यादा केस मिल चुके हैं। वहीं राजधानी में अभी तक 120 से अधिक डेंगू व दर्जनों चिकनगुनिया के मरीज मिल चुके हैं। मरीजों में दिख रहे लक्षण के अनुसार डॉक्टर लगभग 65 प्रतिशत मरीजों को डेंगू व मलेरिया जांच की सलाह दे रहे हैं। लेकिन अधिकांश मामलों में जांच रिपोर्ट में भी संक्रमण की पुष्टि नहीं हो रही। हालांकि ब्लड टेस्ट में प्लेटलेट्स का स्तर 75 प्रतिशत तक गिरा मिल रहा है। डॉक्टर भी यह आकलन नहीं कर पा रहे हैं कि जब डेंगू भी नहीं है तो प्लेटलेट्स काउंट क्यों घट रहा है। प्लेटलेट्स गिरा देखकर चिकित्सक एहतियात के तौर पर प्लेटलेट्स चढ़ाने की सलाह दे रहे हैं। रिम्स के फिजिशियन डॉ. संजय सिंह ने कहा कि इस बार वायरल फीवर के लक्षण भी डेंगू वाले ही हैं, पर रिपोर्ट निगेटिव आ रही है। निगेटिव रिपोर्ट के बाद भी रोगियों को ल्यूकोसाइट (व्हाइट ब्लड सेल्स) काउंट कम हो रहे हैं। यह गिरकर 2 हजार से भी कम हो जा रहे हैं। जबकि सामान्य रेंज में यह 4 से 11 हजार तक प्रति माइक्रोलीटर होते हैं। इससे कम होना खतरनाक है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, सिर्फ डेंगू का प्रकोप ही नहीं, बल्कि राज्य में चिकनगुनिया और जापानी बुखार के मामले भी बढ़े हैं। अगस्त तक के आंकड़ों के मुताबिक चिकनगुनिया के कुल 168 मामले मिले। इसमें अकेले 47% यानी 79 मामले राजधानी रांची के हैं। जबकि जापानी बुखार के 28 मामलों में से 7 रांची के हैं।

रांची समेत 5 जिलों में बारिश का रेड अलर्ट

तेज हवा भी चलेगी, लातेहार में बुढ़वा नदी का बढ़ा जलस्तर, 23 सितंबर से मानसून की विदाई

रांची, 16 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड में मानसून की विदाई से पहले जमकर बारिश हो रही है। बारिश के बाद कई जिलों में नदियों के जलस्तर में भी वृद्धि हुई है। लातेहार में पिछले दो दिनों से जारी मूसलाधार बारिश के कारण पहाड़ी नदियों का जलस्तर बढ़ गया है, जिससे कई इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। लातेहार के महुआडांड स्थित बुढ़वा नदी के तेज बहाव में बहने से एक 55 साल के एक व्यक्ति की मौत हो गई। दूसरी ओर पलामू में भी रविवार को हुई तेज बारिश के बाद शहरी इलाकों में पानी भर गया।

जिले के छतरपुर स्थित देवगन गांव में आहर (छोटा झील) में डूबने से एक 12 साल के बच्चे की मौत हो गई। वहीं पास में बने डैम में पांच भैंसें भी डूब गए। रांची के बूढ़मू में दोस्तों के साथ घूमने गया एक युवक जिकरा फॉल में डूब गया। उधर, गिरिडीह में एक कोलियरी की अवैध खनन की वजह से लैंड स्लाइड हो गया है। हालांकि इससे जान माल के नुकसान की सूचना नहीं है।

इस बीच मौसम विभाग ने आज भी 5 जिलों में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। इनमें रांची, पलामू, चतरा, गुमला और सिमडेगा शामिल है। इसके अलावा अन्य पलामू प्रमंडल में भी तेज बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। अगले 24 घंटे के दौरान रांची और आसपास के जिलों में कहीं-कहीं तेज बारिश हो सकती है। इस दौरान तेज हवा चलने की भी संभावना है।

झारखंड में ये स्थिति 17 सितंबर तक रह सकती है। उसके बाद मानसून कमजोर पड़ने लगेगा। संभावना है 22 से 23 सितंबर तक प्रदेश से मानसून की विदाई हो जाएगी। पिछले 24 घंटे क दौरान राज्य के अलग-अलग हिस्सों में भारी बारिश हुई। इससे जान-माल का काफी नुकसान हुआ है। गढ़वा में 152.8 एमएम से अधिक बारिश दर्ज की गई है।

पायलट बोले- बलौदाबाजार हिंसा सरकार का षड्यंत्र

भिलाई में कहा– दंगे में भाजपा के भी लोग, उन्हें एक भी नोटिस नहीं दिया गया

भिलाई, 16 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट रविवार को भिलाई विधायक देवेंद्र यादव की मां, पत्नी और उनके परिवार से मिले। इस दौरान उन्होंने कहा कि बलौदाबाजार दंगे में भाजपा के लोग भी शामिल थे, लेकिन उनको एक भी नोटिस नहीं दिया गया। हमारे 2 बार के विधायक को नोटिस देकर जबरन गिरफ्तार किया गया है। sपायलट ने कहा कि बलौदाबाजार काफी शांतिपूर्ण इलाका है। वहां अगर लोग विरोध में थे तो कलेक्टर और एसपी वहां से क्यों गए। उनके जाते ही दंगा क्यों भड़का। इससे साफ है कि सरकार का षड्यंत्र था। सरकार का इंटेलिजेंस पूरी तरह से फेल था। इसलिए इतना बड़ा दंगा हुआ। सचिन पायलट ने मीडिया से कहा कि राज्य सरकार के इशारे पर पुलिस गलत तरीके से काम कर रही है। देवेंद्र यादव को बलपूर्वक गिरफ्तार किया गया। बलौदाबाजार पुलिस ने जांच पूरी किए बिना ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया। हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। हम न्यायपालिका में इसका डटकर मुकाबला करेंगे। वहीं इस दौरान विधायक देवेंद्र के भाई धर्मेंद्र यादव ने बताया कि उनके भाई को निर्दोष होते हुए भी फंसाया जा रहा है। पुलिस ने उनके भाई से कोरे कागज पर जबरदस्ती साइन कराया। जब उनकी मां और परिवार के अन्य लोग जेल में देवेंद्र से मिलने जाते हैं तो उन्हें मिलने नहीं दिया जाता है। धर्मेंद्र यादव ने बताया कि हफ्ते में सिर्फ एक बार 2 लोगों को ही मिलने की अनुमति दी जाती है। प्रदेश सरकार देवेंद्र को गलत फंसाकर राजनीतिक द्वेष निकाल रही है। ये सारी बातें उन्होंने पायलट को बताई। पुलिस पर आक्रोश दिखाया। बता दें कि इस दौरान पायलट ने भिलाई विधायक देवेंद्र यादव के आवास में उनकी की पत्नी, मां और भाई से हालचाल जाना। पायलट उनके आवास में करीब 1 घंटे तक रुके। इस दौरान उनके साथ पूर्व विधानसभा अध्यक्ष चरणदास महंत, पूर्व मंत्री गुरु रुद्र कुमार, प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज और अन्य लोग मौजूद रहे।

बस्तर ओलंपिक से बदलेगी बात

पूर्व नक्सली और हिंसा पीड़ित खेलेंगे एक साथ

रायपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ सरकार एक अनोखी पहल शुरू कर रही है। 1 नवंबर से यहां बस्तर ओलंपिक का आयोजन होगा। इस आयोजन में गांवों के खेलों को सम्मिलित किया गया है। इन खेलों का मकसद नक्सल प्रभावित इलाकों में लोगों को जोड़ना और उम्मीद जगाना है। इन खेलों में नक्सली हिंसा के शिकार और आत्मसमर्पित नक्सली भी हिस्सा लेंगे। ये लोग आमने-सामने आएंगे, यही नहीं एक टीम में भी खेल सकते हैं।

साय सरकार इन खेलों का आयोजन कर रही है। ये अनोखी पहल युवाओं को प्रोत्साहित करने, खेल भावना जगाने और पूर्व नक्सलियों को मुख्यधारा में लाने में मदद करेगी। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि ये आयोजन बच्चों और युवाओं के लिए है। खासकर उनके लिए जो उग्रवाद से पीड़ित हैं। शर्मा ने कहा कि यह उनके आत्मविश्वास और जीवन में आगे बढ़ने की भावना को बढ़ाएगा। जो अच्छा प्रदर्शन करेंगे, उन्हें सम्मानित किया जाएगा। सरकार उन्हें उनकी रुचि के क्षेत्र तलाशने में मदद करेगी।

सकारात्मकता का होगा संचार

अधिकारी उम्मीद कर रहे हैं कि ओलंपिक नक्सल प्रभावित क्षेत्र में लोगों को अच्छा और सुरक्षित महसूस कराने वाला माहौल बनाएगा। ये खेल ऐसे समय में हो रहे हैं जब कड़ी सुरक्षा कार्रवाइयों ने नक्सलियों को पीछे धकेल दिया है। सरकार को विकास का स्पष्ट रास्ता दिख रहा है। दो दशकों से बंद पड़े दर्जनों स्कूल पूर्व नक्सली इलाकों में फिर से खुल रहे हैं। अधिकारियों को उम्मीद है कि ओलंपिक दो दशकों से अधिक समय से युद्ध का मैदान बने इस क्षेत्र में एक सकारात्मकता का संचार करेगा।

माओवादियों की गतिविधियों पर लगेगी रोक

एक अधिकारी ने बताया कि बस्तर के युवाओं को पढ़ाई और खेलों में व्यस्त रखने से उन्हें नक्सली भर्ती के प्रयासों से दूर रखा जा सकेगा। हाल ही में भाकपा माओवादी ने एक बुकलेट जारी की थी। इसमें उसने निरंतर सुरक्षा अभियानों के कारण कैडरों की भर्ती में आने वाली कठिनाइयों को स्वीकार किया था। बस्तर ओलंपिक आम तौर पर उस समय के आसपास होगा जब नक्सली गांवों में घूमते हैं। युवाओं को अपने साथ जोड़ने या उन्हें अपनी फोर्स में शामिल करने की कोशिश करते हैं। बस्तर रेंज के खेल अधिकारी रवींद्र पटनायक ने बताया कि खेलों की शुरुआत ब्लॉक स्तर पर होगी। इससे ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंच बनाई जा सकेगी। उन्होंने कहा कि शुरुआती योजना के अनुसार, ब्लॉक स्तर के ओलंपिक का आयोजन 1 से 15 नवंबर तक होगा। इसके बाद जिला स्तर की प्रतियोगिताएं 15 से 20 नवंबर तक और संभाग स्तर का फाइनल 8 से 30 नवंबर तक जगदलपुर में होगा। विजेताओं को नकद पुरस्कार और स्मृति चिन्ह प्रदान किए जाएंगे। पटनायक ने कहा कि आत्मसमर्पित कैडर और नक्सली हिंसा के शिकार केवल संभाग स्तर पर खेलेंगे।

गुंडा-बदमाशों की खैर नहीं, अलर्ट मोड पर रायपुर पुलिस

गणपति विसर्जन और ईद को लेकर निकाला फ्लैग-मार्च, एसपी बोले- अशांति फैलाने पर सख्त कार्रवाई करें

रायपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी में रविवार को गणेश विसर्जन और ईद-मिलाद-उन-नबी के मद्देनजर पुलिस ने फ्लैग मार्च निकाला। इस दौरान एसपी ने गुंडे बदमाशों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने कहा है। साथ ही बदमाशों की गतिविधियों पर नजर रखें। अशांति फैलाने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। रायपुर के अलग-अलग इलाकों में फ्लैग मार्च में पुलिस अधिकारी और थानेदार मौजूद थे। पुलिस की 2 टीम पुलिस लाइन से रवाना हुई। शहर के अलग-अलग इलाकों में मार्च करते हुए लाइन वापस लौटी। सुरक्षा व्यवस्था के लिए चौक-चौराहों पर पुलिस जवानों की तैनाती कई गई है, ताकि किसी तरह की कोई अनहोनी, लड़ाई-झगड़े न हों।

दुबई से नहीं निकल पाएंगे नटवरलाल

बस्तर पुलिस ने जारी किया एलओसी, चार आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

जगदलपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। दुबई में बैठकर अपने सोशल नेटवर्किंग के जरिये हजारों को अपने झांसे में लेते हुए पुलिस साइबर पोर्टल में 60 से अधिक शिकायत की जानकारी मिलने के बाद बस्तर पुलिस ने टीम भेजकर 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर गुजरात से लेकर आई, जिसके बाद बस्तर पुलिस ने मुख्य आरोपी को पकड़ने के लिए एलओएस जारी कर दिया है, इस बात की जानकारी सोमवार को बस्तर पुलिस अधीक्षक ने पत्रवार्ता के दौरान बताई। बस्तर पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस गिरोह द्वारा देश भर से करीबन 6 करोड़ की ठगी होने का खुलासा हुआ है, जानकारी पता चला कि एक इन्वेस्टमेंट नाम का पोर्टल बनाया गया है, जहाँ अपने पैसे को डालने के बाद जरूरत पड़ने पर कभी भी निकाल सकते है। 24 मई 2024 से 23 जून 2024 के बीच प्रार्थी सेतराम साहू पिता बिसौहा राम साहू निवासी कुम्हारपारा जगदलपुर ने फेसबुक में विज्ञापन के द्वारा एक वाट्सअप ग्रुप जिसका नाम टीपीजीएएमसी स्टाक बिजनेस स्कूलडी-109 में जुड़ गए, जुडने के बाद स्टॉक मार्केटिंग में पैसे लगाकर हाई रिटर्न देने का वादा करने की बात कहते हुए इस एप्प के माध्यम से कभी भी पैसे निकाल पाने की बात कहकर मोबाईल एप्लीकेशन टीपीजी एमएफ डाउनलोड करके अपना अकाउंट क्रिएट करने कहा गया तथा इस एप्लीकेशन के माध्यम से स्टॉक मार्केट में ट्रेडिंग में इन्वेस्ट करने प्रेरित किया गया और विभिन्न ट्रांजेक्शन के माध्यम से प्रार्थी के बैक खाते से 26 लाख 30 हजार रूपये का फर्जी निवेश करा कर ठगी किया गया, प्रार्थी के रिपोर्ट पर थाना बोधघाट में धारा 420 भादवि, 66डी आईटी एक्ट का अपराध दर्ज कर जांच में लिया गया, आरोपी के बैंक खातो की जांच एवं साक्ष्यों के आधार पर संदेही गुजरात में मिलने पर टीम गठित कर भेजा गया, टीम द्वारा सुरत, गुजरात पहुंचकर खाता धारक शियाणिया यज्ञेष प्रवीण भाई, डोयरिया महेन्द्र भीखू भाई, घनश्यामभाई भगवान भाई नरोला एवं अजगिया अभिषेक जयंती भाई को हिरासत में लेकर पुछताछ करने पर स्टॉक मार्केट इन्वेस्टमेंट के नाम राज्य में दुर्ग भिलाई एवं बस्तर में प्रार्थियो से कुल 2 करोड़ 39 लाख 20 हजार 657 रूपये का ठगी करने एवं ठगी के आरोपियो का बडा नेटवर्क/सिंडीकेट काम करना दुबई से पाया गया।

जादू-टोने के शक में 9 लोगों का मर्डर

सुकमा में डीआरजी जवान समेत 5 की हत्या, बलौदाबाजार में 4 का हथौड़े से कुचला सिर

सुकमा/बलौदाबाजार, 16 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ सुकमा जिले में जादू-टोने के शक में हेड-कॉन्स्टेबल के पूरे परिवार को खत्म कर दिया गया। बच्चों ने बताया कि हम डर से छिप गए थे। गांववाले उनकी आंखों के सामने माता-पिता, दादा-दादी और बुआ की हत्या की गई। परिवार के 5 लोगों को लाठी-डंडे से पीट-पीटकर मारा गया। मामला कोंटा के मुरलीगुड़ा कैंप के पास इटकल गांव का है। वहीं 5 दिन पहले बलौदाबाजार में भी जादू टोना के शक में 4 लोगों की बेरहमी से हत्या की गई थी। चारों के सिर को पत्थर तोड़ने वाले हथौड़े से कुचला गया था। मरने वालों में 2 बहनें, भाई और एक साल का एक बच्चा शामिल थे। 5 दिन में अब तक 9 लोगों का मर्डर हो चुका है।

दरअसल, मौसम कन्ना झाड़-फूंक का काम करता था। लोग उसके पास झाड़ फूंक कराने आते थे। इसी बीच पिछले कुछ दिनों पहले गांव में कुछ ग्रामीणों की मौत हुई थी। ऐसे में गांव के लोग मौसम कन्ना और उसके परिवार पर जादू टोना का शक करते थे। गांव के लोग परिवार से नाराज थे। रविवार को एकजुट होकर मौसम कन्ना के घर में घुस गए।

डीआरजी जवान मौसम बुच्चा के 2 बच्चों ने बताया कि वे गाय चराकर घर लौटे थे तभी परिवार पर हमला हुआ, तो वह डर गए और पास में ही छिपकर पूरी घटना को देखते रहे। बच्चों ने बताया कि जब तक परिवार के लोगों को संभलने का मौका मिलता, सभी की मौत हो चुकी थी। दोनों बच्चों ने बताया कि वे हर ग्रामीण को पहचानते हैं, जो उनके घर पर पहुंचे जो उनके परिजनों की हत्या में शामिल थे। पुलिस ने डीआरजी जवान मौसम बुच्चा समेत परिवार के 5 लोगों की लाश को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। वारदात के बाद मृत परिवार के घर को पुलिस ने सील कर दिया है। वहीं जवानों को भी तैनात कर दिया गया है। घटना के बाद से गांव में तनाव का माहौल है। मिली जानकारी के मुताबिक मौके पर पुलिस अफसर भी यहां जुटे हुए हैं। अब तक पुलिस ने 5 ग्रामीणों को आरोपी बनाकर गिरफ्तार किया है, जबकि मृत जवान के बच्चों के मुताबिक हत्या में आधा से ज्यादा गांव शामिल था। एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि अंधविश्वास के चलते हत्या होने की बात कही है। मामले की जांच जारी है। ग्रामीणों से पड़ोसियों से और मृतकों के परिजनों से पूछताछ की जा रही है।

पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर पति की हत्या करवाई

बिलासपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सिमगा में पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या करवाई। दीपक (प्रेमी) को 4 लाख रुपए में हत्या की सुपारी दी, जिसके बाद तीन आरोपियों ने सर्जिकल ब्लेड से देवेंद्र का गला रेत दिया।

सिमगा से 80 किलोमीटर दूर रायपुर-रायगढ़ हाईवे पर 13 सितंबर को उसकी लाश मिली थी। पूरा मामला तोरवा थाना क्षेत्र का है।

हाथ में बने टैटू से भैंसो गांव के लोगों ने शव की पहचान देवेंद्र बनर्जी (37) के रूप में की। पुलिस ने पत्नी और उसके प्रेमी समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। 13 सितंबर की दोपहर ढेका बाइपास रोड के किनारे एक युवक की लाश मिली। सूचना पर तोरवा पुलिस के साथ फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। धारदार हथियार से युवक का गला रेता गया था। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की लेकिन शव की पहचान नहीं हो सकी। फिर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। शव की पहचान के लिए पुलिस ने आसपास के जिलों से गुम इंसान की जानकारी जुटाई और पड़ोसी जिलों में उसकी तस्वीर भेज कर पहचान कराने की कोशिश की। दो दिन बाद जांजगीर-चाम्पा जिले के पामगढ़ क्षेत्र के भैंसो में रहने वाले कुछ लोगों ने हाथ में टैटू से देवेंद्र की पहचान की। पूछताछ में पता चला कि देवेंद्र का ससुराल ग्राम भैंसो ही है। पत्नी अंजलि ने बताया कि पति नशे का आदी था, जिसका इलाज रायपुर में चल रहा था। इसलिए वह कुछ दिनों से मायके में आकर रहने लगी थी। पुलिस ने उसके मोबाइल का कॉल डिटेल निकाला तब सिमगा के डिहुपारा निवासी प्रेमी दीपक महिलेश्वर की जानकारी मिली। दीपक ने पूछताछ में बताया कि देवेंद्र नशे में आए दिन पत्नी से मारपीट करता था, इसलिए अंजलि ने उसे देवेंद्र की हत्या करने को कहा। फिर दीपक ने अपने भाई कमल महिलेश्वर (21) दोस्त अनिल रजक (22) विक्की लहरे उर्फ मक्खी (22) को चार लाख रुपए में देवेंद्र की हत्या की सुपारी दी। अंजल और उसके प्रेमी ने पहले ही हत्या की प्लानिंग कर ली थी। अंजलि ने बेटी का जन्मदिन मनाने के बहाने देवेंद्र को ससुराल बुलाई। ताकि, बेटी का नाम सुनकर वो बहानेबाजी न करे। 13 सितंबर को जब देवेंद्र ससुराल आने के लिए निकला इसके बाद से वह लगातार उसके संपर्क में थी और उससे बार-बार लोकेशन लेकर जानकारी प्रेमी को देती रही। वहीं, दीपक अपने भाई कमल महिलेश्वर को पल-पल का अपडेट देता रहा।

नदी पार करते वक्त बहे चाचा-भतीजे

घर लौटते समय बढ़ा जलस्तर, एसडीआरएफ कर रही तलाश, आज भी 8 जिलों में अलर्ट

रायपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। बलरामपुर जिले में नदी पार करते वक्त चाचा-भतीजा तेज बहाव में बह गए। लालसाय (50) और प्रभु (39) दोनों रविवार को काम से पस्ता गए थे। वापस लौटते वक्त जलस्तर काफी बढ़ गया था। दोनों का अभी पता नहीं चल पाया है। पस्ता थाना क्षेत्र की चिलमा गांव की ये घटना है। पुलिस और एसडीआरएफ की टीम दोनों की तलाश में जुटी है। क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश से सभी नदी-नाले उफान पर हैं। छत्तीसगढ़ में आज भारी बारिश की चेतावनी है। मौसम विभाग ने सूरजपुर, बलरामपुर में ऑरेंज अलर्ट और सरगुजा, जशपुर, कोरिया, मनेंद्रगढ़- चिरमिरी, रायगढ़, कोरबा में यलो अलर्ट जारी किया है। यहां भारी बारिश हो सकती है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में एक स्ट्रॉन्ग सिस्टम बना हुआ है। जिसके असर से एक गहरा अवदाब एक दबाव के रूप में झारखंड, उत्तरी छत्तीसगढ़ की ओर बढ़ रहा है। इसके प्रभाव से उत्तरी छत्तीसगढ़ में भारी बारिश की संभावना है। प्रदेश में 17 सितंबर तक बारिश की गतिविधियां रहेंगी। राज्य में मानसून की सक्रियता सामान्य से कम रही। सबसे अधिक बारिश कुसमी (बलरामपुर) में 70 मिमी रिकॉर्ड की गई। वहीं रायपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में मौसस ड्राई रहा। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में आज शाम तक बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार की शाम से मानसूनी सिस्टम सक्रिय होने से हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है।

स्पेशल ब्रांच के दारोगा की हत्या को 43 दिन पूरे

15 अधिकारियों की एसआईटी, 50 से ज़्यादा लोगों से पूछताछ, पुलिस के हाथ फिर भी खाली

रांची, 16 सितंबर (एजेंसियां)। दो अगस्त की रात कांके रिंग रोड के पास संग्रामपुर में देर रात स्पेशल ब्रांच के दारोगा अनुपम कच्छप की हत्या हुई थी। इस हत्याकांड को 43 दिन बीत चुके हैं पर पुलिस के हाथ अब भी खाली हैं। जैसे-जैसे दिन बीत रहे हैं, अनुपम कच्छप को लोग भूलते जा रहे हैं। पुलिस भी इस केस को ठंडे बस्ते में डालने की तैयारी में है। जबकि जिस दिन स्पेशल ब्रांच के दारोगा का शव मिला था, उस दिन स्थानीय थाने के थानेदार से लेकर राज्य के डीजीपी तक एक्टिव नजर आए थे। आनन-फानन में एसआईटी बनाई गई। रांची जिला के पुलिस के छोटे से बड़े अधिकारियों के साथ डीजीपी ने बैठक भी की थी। इसके बाद भी नतीजा सिफर है। हत्याकांड की रात से शव बरामद होने के बाद से पुलिस एक्टिव नजर आई। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने आनन-फानन पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की। कई निर्देश दे डाले। इसके बाद 15 पुलिस अधिकारियों की एक एसआईटी बनाई गई। जिसमें दो डीएसपी, आठ इंस्पेक्टर और पांच सब इंस्पेक्टर को शामिल किया गया था। पुलिस ने अनुपम के दोस्त समेत 50 से ज़्यादा लोगों से पूछताछ की।

पूरे इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की गई। लेकिन पुलिस को ना तो अपराधियों का कोई सुराग मिला और न ही हत्या की वजह का पता चला।

बीजेपी सरकार में प्रदेश में कानून का नहीं, जंगल राज कायम

बढ़ रहे क्राइम को लेकर कांग्रेस ने साधा निशाना

रायपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। प्रदेश कांग्रेस के सीनियर प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने बीजेपी पर जमकर निशाना साधा है। ठाकुर ने कहा कि बीजेपी सरकार में प्रदेश में कानून नहीं बल्कि जंगल राज कायम हो गया है। अपराधियों में कानून का भय नहीं दिख रहा हैं। अपराधी बेलगाम होकर क्राइम को अंजाम दे रहें हैं। अपराधी इतने बेखौफ होकर कानून को ठेंगा दिखा रहें हैं। छत्तीसगढ़ जैसे शांत प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद मांब लिंचिंग की घटना बढ़ गई है। मंदिरहंसोद क्षेत्र में हुई मांब लिंचिंग की घटना के बाद सुकमा और कवर्धा में भीड़ तंत्र ने लाठी डंडे से पीट-पीटकर लोगों की हत्या कर दी। धनंजय सिंह ठाकुर ने गृहमंत्री को भी निशाने में लिया। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री विजय शर्मा के गृह जिला कवर्धा में भीड़ ने एक युवक की हत्या कर पेड़ में लटका दिया जाता है। उसके परिवार के चार लोगों को घर में बंद करके घर को आग के हवाले कर दिया जाता है। वहीं, सुकमा में जादू टोना की शक में पांच लोगों की निर्मम हत्या कर दी जाती है। इसी सप्ताह बलोदा बाजार जिला में भी जादू टोना के शक में चार लोगों की हत्या कर दी जाती है। राजधानी रायपुर में वीआईपी रोड स्थित ऑन द रॉक्स डांस-बार में चाकूबाजी हो गई। नक्सली आम लोगो की हत्या कर रहे हैं। प्रदेश में रोज हत्या, रेप, गैंगरेप, अपहरण, लूट-डकैती जैसी घटनाएं हो रही है। मॉब लिंचिंग की घटना बढ़ रही है। शराब तस्करी, गांजा तस्करी, नशीली दवाईयां, जुआ और सट्टा जैसे अवैध काम खुलेआम हर पुलिस थाना क्षेत्र में चल रहा है। ठाकुर ने कहा कि जब गृह मंत्री के गृह जिले कवर्धा में ही कानून का कड़ाई से पालन नहीं हो रहा है तो पूरे प्रदेश का तो भगवान मालिक है। भाजपा सरकार में पुलिस तंत्र का दुरुपयोग विपक्षी दल के नेताओं को डराने धमकाने और झूठे मामलों में फसाने तक सीमित हो गया है। लगातार हो रही अपराधी घटनाओं से आम जनता डरी हुई है। गृह मंत्री अपराधिक घटनाओं को रोकने में असफल हो गए हैं। ठाकुर ने सीएम साय की एसपी-कलेक्टर कॉन्फ्रेंस को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लचर कानून व्यवस्था को लेकर सीएम दो दिन पहले कलेक्टर और एसपी कांफ्रेस किए लेकिन उसका असर दिख नहीं रहा हैं। गृह मंत्री से कानून व्यवस्था पर सवाल पूछने पर वह पिछली सरकार के आपराधिक घटनाओं के फर्जी आंकड़े जारी कर देते हैं फिर वर्तमान में हो रही घटनाओं को कम बताकर अपनी पीठ थपथपाते हैं।

80 से ज्यादा नेताओं पर क्रिमिनल केस

डिप्टी सीएम, 2 मंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री-विधायकों का भी नाम, अब सुसाइड केस में फंसे पूर्व मंत्री

रायपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री मोहम्मद अकबर के खिलाफ बालोद के डोंडी थाने में 9 सितंबर को हेड मास्टर सुसाइड केस में एफआईआर दर्ज की गई है। वहीं भिलाई विधायक बलौदाबाजार हिंसा मामले में जेल में बंद हैं। कांग्रेस ने इसे बदले की राजनीति करार दिया है। हालांकि यही दो नेता नहीं हैं, जिन पर मामले दर्ज हुए हैं। इनके अलावा पूर्व सीएम भूपेश बघेल, पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल, पूर्व विधायक शैलेष पांडेय और जेजेसीजे प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी सहित डिप्टी सीएम विजय शर्मा, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, खाद्य मंत्री दयालदास बघेल का भी नाम शामिल है।

राजनीतिक एक्सपर्ट और एडीआर की रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में 80 से ज्यादा दागी राजनेता हैं। इनमें कांग्रेस, बीजेपी, जेसीसीजे, एएपी, जीजीपी, जेजेपी, गण सुरक्षा पार्टी, बीएसपी, एलजेपी, बलिराजा पार्टी, सीपीआई, एसपी छत्तीसगढ़ समाज पार्टी, छत्तीसगढ़ महतारी पार्टी से जुड़े नेता हैं।

छत्तीसगढ़ के बालोद में हेड मास्टर सुसाइड केस में पूर्व वन मंत्री मोहम्मद अकबर पर गिरफ्तारी की तलवार लटकने लगी है। कांग्रेस नेता की अग्रिम जमानत याचिका जिला सत्र न्यायालय ने खारिज कर दी है। इस मामले में अब तक 3 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल पर अश्लील वीडियो बनाकर वायरल करने और ब्लैकमेल करने का आरोप है। इस मामले में जांच लंबित है। सीडी कांड के अलावा पूर्व सीएम पर महादेव सट्टा ऐप के प्रमोटर्स से पैसे लेने का आरोप है। इस मामले की ईओडब्ल्यू ने एफआईआर दर्ज की है। भूपेश बघेल सीडीकांड में जेल जा चुके हैं। कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव पर पांच केस दर्ज हैं। इनमें 3 केस शासकीय संपत्ति को नुकसान करने और रास्ता बाधित करने का है। उनके खिलाफ कोयला घोटाला और कथित एमएमएस मामले की भी जांच चल रही है। लोगों को भड़काने के केस में वर्तमान में कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव जेल में है। छत्तीसगढ़ के पूर्व राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल पर एससी/एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज हुआ था।

पहली बार सेंट्रल इजराइल पहुंची हूती विद्रोहियों की बैलिस्टिक मिसाइल

2600किमी दूर से बनाया निशाना, नेतन्याहू ने रक्षा मंत्री को बर्खास्त करने की धमकी दी

यरूशलम, 16 सितंबर (एजेंसियां)। हूती विद्रोहियों ने रविवार को इजराइल पर पहली बार बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। इस हमले को इजराइल का एयर डिफेंस सिस्टम आयरन डोम भी नहीं रोक पाया। मिसाइल एक खुले मैदान में गिरी इस वजह से कोई हताहत नहीं हुआ। इजरायली डिफेंस फोर्सेस (आईडीएफ) ने हूती विद्रोहियों की ओर से किए गए मिसाइल हमले की पुष्टि की है। हालांकि उन्होंने कहा कि मिसाइल शायद हवा में ही नष्ट हो गई और इसके टुकड़े खेतों और रेलवे स्टेशन के पास गिरे। हमला स्थानीय समय के अनुसार, सुबह 6.35 बजे हुआ। हमले के चलते तेल अवीव और पूरे मध्य इजराइल में सायरन बजने लगे थे, जिसके बाद हजारों लोग सुरक्षित स्थानों पर छिप गए।

हूती विद्रोही बोले- 7 अक्टूबर से पहले ऐसे कई हमले होंगे

टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक हमले के बाद हूती विद्रोहियों के प्रवक्ता याह्या सारी ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। सारी ने कहा कि 2600 किलोमीटर दूर से हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल से जफा में एक मिलिट्री टार्गेट को निशाना बनाकर हमला किया गया था।

हूती सरकार के प्रवक्ता हाशिम शरफ अल-दीन ने कहा कि यमन के लोग इस्लाम के पैगंबर मोहम्मद साहब का जन्मदिन मनाएंगे, जबकि इजराइलियों को बंकरों में रहना होगा।

इस घटना के बाद इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि हूतियों को अब तक पता चल जाना चाहिए था कि हमें नुकसान पहुंचाने की किसी भी कोशिश के लिए उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ती है।

पीएम ने कहा कि उन्हें होदेदा पोर्ट हमले की याद दिलाने की जरूरत नहीं है। दरअसल जुलाई में भी हूती विद्रोहियों ने इजराइल पर ड्रोन से हमला किया था। इसके बाद इजराइल ने जवाबी कार्रवाई में यमन के होदेदा पोर्ट के पास हवाई हमले किए थे, जिसमें हूती विद्रोहियों को काफी नुकसान हुआ था। नेतन्याहू ने कहा कि हम अपने लोगों को सुरक्षित रूप से उनके घरों में वापस भेजने के लिए हरसंभव कोशिश करेंगे।

मिसाइल क्यों नहीं रोक सका आयरन डोम, इसकी जांच होगी

हूती विद्रोहियों की मिसाइल को इजराइल का आयरन डोम क्यों नहीं रोक पाया, फिलहाल इसकी जांच जारी है। इजराइली सेना ने कहा कि उन्होंने एयर डिफेंस सिस्टम का इस्तेमाल कर मिसाइल को हवा में ही मार गिराने की कई बार कोशिश की थी।

भूकंप के झटके से थर्राया कनाडा का ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत

रिक्टर स्केल पर 6.6 रही तीव्रता

कोलंबो, 16 सितंबर (एजेंसियां)। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने कहा कि शहर के होंगकियाओ और पुडोंग हवाई अड्डों पर स्थानीय समयानुसार रात 8 बजे के बाद की उड़ानें रद्द कर दी गई हैं, जिससे छह सौ से ज़्यादा उड़ानें प्रभावित होंगी। यह भी घोषणा की गई कि इस दौरान कुछ राजमार्गों पर भी यात्रा प्रतिबंधित रहेगी। तूफान बेबिन्का इस समय तट से कुछ सौ किलोमीटर दूर है। सरकारी मीडिया ने बताया कि शंघाई के एक जिले से 9,318 लोगों को निकाला गया है। इस बीच, पास के शहर झोउशान में, रेस्तरां, सुपरमार्केट और दुकानें दिन के लिए जल्दी बंद हो गईं, और सार्वजनिक परिवहन सेवाएं रोक दी गईं हैं। इस तूफान से पूर्वी पर 10 इंच (254 मिलीमीटर) तक बारिश होने की आशंका है। उत्तर-पश्चिमी नाइजीरिया में नाव पलटने से 40 लोगों के लापता होने की खबर है।

ट्रम्प पर 64 दिन बाद फिर जानलेवा हमले की कोशिश

एके-47 जैसी राइफल से मारने पहुंचा था शख्स, सीक्रेट सर्विस ने हाईवे पर घेरकर पकड़ा

वॉशिंगटन, 16 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर 64 दिन बाद एक बार फिर से जानलेवा हमले की कोशिश हुई है। सीएनएन के मुताबिक ट्रम्प फ्लोरिडा में पाम बीच काउंटी के इंटरनेशनल गोल्फ क्लब में खेल रहे थे। तभी उनकी सुरक्षा में लगे सीक्रेट सर्विस एजेंट को झाड़ियों में एक संदिग्ध दिखाई दिया। उसके पास एके-47 जैसी राइफल और गो प्रो कैमरा था। बंदूक का निशाना गोल्फ कोर्स की तरफ था।

ट्रम्प और हमलावर के बीच की दूरी करीब 300 से 500 मीटर थी। एजेंट ने संदिग्ध को देखते ही उस पर फायरिंग की, जिसके बाद वह अपनी ब्लैक एसयूवी से भाग गया। इस दौरान वहां मौजूद एक चश्मदीद ने संदिग्ध की गाड़ी की तस्वीर खींच ली। इसमें मिली नंबर प्लेट के आधार पर सीक्रेट सर्विस ने गाड़ी का पीछा किया और गोल्फ कोर्स से 60 किलोमीटर दूर हाइवे पर संदिग्ध को पकड़ लिया।

इसी साल 13 जुलाई को अमेरिकी राज्य पेंसिल्वेनिया के बटलर शहर में चुनावी रैली के दौरान ट्रम्प पर फायरिंग हुई थी, इसमें एक गोली उनके कान को छूते हुए निकल गई थी।

घटना भारतीय समयानुसार रविवार रात साढ़े 11 बजे हुई इस वक्त अमेरिका में दोपहर के 2 बजे थे। एफबीआई को मामले की जांच की जिम्मेदारी दी गई है। एफबीआई ने इसे ट्रम्प की हत्या की कोशिश बताया है। संदिग्ध को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की जा रही है। संदिग्ध की पहचान 58 साल के रयान रॉथ के तौर पर हुई है। सीक्रेट सर्विस ने जानकारी दी है कि ट्रम्प सुरक्षित हैं। अभी तक पता नहीं चल पाया है कि ट्रम्प पर गोली चली थी या नहीं।

सीएनएन ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि ट्रम्प का गोल्फ खेलना पहले से तय नहीं था। इसे आखिर में उनके शेड्यूल में जोड़ा गया था। जब उन पर हमले की कोशिश हुई उस वक्त ट्रम्प के साथ रिपब्लिकन पार्टी के एक डोनर स्टीव विटकॉफ भी थे। ट्रम्प वेस्ट कोस्ट का दौरा करने के बाद इस वीकेंड फ्लोरिडा वापस आए थे। यहां पाम बीच पर उनका घर मार-ए-लागो है।

मालदीव के विदेश मंत्री बोले- भारत से संबंध सुधरे

कहा- दोनों देशों में गलतफहमियां दूर हुईं, राष्ट्रपति मुइज्जू जल्द भारत दौरे पर जाएंगे

माले, 16 सितंबर (एजेंसियां)। मालदीव के विदेश मंत्री मूसा जमीर ने भारत के संबंधों में सुधार आने की बात कही है। मूसा ने कहा कि दोनों देशों के बीच आई गलतफहमियों को सुलझा लिया गया है। उन्होंने ये माना कि मालदीव में राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की सरकार बनने के बाद दोनों देशों के संबंधों में गिरावट आई थीं।

मूसा ने कहा कि मुइज्जू की भारत से मालदीव से सैनिकों को हटाने की मांग के बाद संबंध ठीक नहीं थे। मूसा ने ये बयान शुक्रवार को द एडिशन अखबार से बात करते हुए अपनी श्रीलंका यात्रा के दौरान दिया। इसके अलावा उन्होंने साउथ एशिया में अपने सहयोगी देशों खासतौर पर भारत और चीन के साथ संबंधों को मजबूत करने की बात भी कही।

नवंबर 2023 में मुइज्जू के सत्ता संभालने के बाद से दोनों देशों के बीच तनाव पैदा हो गया था। मुइज्जू राष्ट्रपति बनने के पहले से ही मालदीव से भारतीय सैनिकों को हटाने की मांग कर रहे थे। 45 साल के मुइज्जू ने चुनाव में भारत समर्थक मोहम्मद सोलिह को हराया था। मुइज्जू ने कहा था कि अगर भारत अपनी सेना को नहीं हटाएगा तो यह मालदीव के लोगों की लोकतांत्रिक आजादी का अपमान होगा। मुइज्जू ने भारतीय सैनिकों की मौजूदगी को मालदीव में लोकतंत्र के भविष्य के लिए खतरा भी बताया था।

उन्होंने कहा कि देश में बिना संसद की इजाजत के दूसरे देश की सेना की उपस्थिति संविधान के खिलाफ है।

चीन समर्थक मुइज्जू जल्द भारत आएंगे

मुइज्जू जल्द ही भारत की पहली आधिकारिक यात्रा पर आने वाले हैं। मुइज्जू के प्रवक्ता ने 10 सितंबर को इसकी जानकारी दी है। हालांकि इसकी तारीख अभी तय नहीं हुई है। इससे पहले मुइज्जू 9 जून को प्रधानमंत्री मोदी के शपथ-ग्रहण में शामिल होने के लिए भारत आए थे। बिजनेस टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने मालदीव की आर्थिक मदद की पेशकश की है।

ट्रेलर की चपेट में आकर युवक की मौत

वहीं पैदल घर जा रही महिला को भी ट्रेलर ने कुचला

रायगढ़, 16 सितंबर (एजेंसियां)। रायगढ़ जिले में एनएच 49 में एक बार फिर तेज रफ्तार ट्रेलर की चपेट में आकर युवक की मौत हो गई। घटना के बाद से आरोपी चालक वाहन को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया है। उक्त घटना खरसिया थाना क्षेत्र का है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार रायगढ़ जिले के खरसिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पलगडा घाट में आज सुबह एक ट्रेलर क्रमांक सीजी 12 एयू 3021 के चालक ने तेज एवं लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाईक क्रमांक सीजी एव्हाई 4843 सवार पलगडा निवासी राघवेन्द्र चैधरी 40 साल को कुचलकर मौत के घाट उतार दिया। इस घटना के बाद से क्षेत्र के ग्रामीणों में आक्रोश देखा जा रहा है। गांव के ग्रामीणों का कहना था कि एनएच 49 में भारी वाहन के चालकों ने द्वारा तेज रफ्तार वाहन चलाते हुए अक्सर इस तरह की दुर्घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है।

आर्मेनिया का सबसे बड़ा हथियार सप्लायर बना भारत

तुर्की और पाकिस्तान की चाल होगी फेल, टेंशन में अजरबैजान

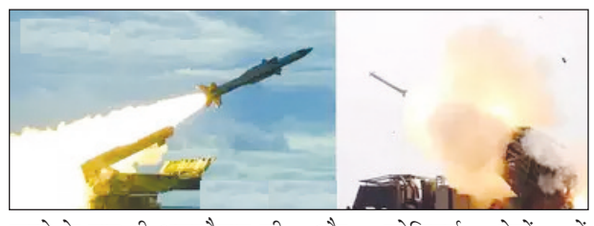

येरेवान, 16 सितंबर (एजेंसियां)। तुर्की, पाकिस्तान और इजरायल के हथियारों से लैस अजरबैजान की सेना के भीषण हमले के खतरे का सामना कर रहा आर्मेनिया अब भारत से जमकर हथियार खरीद रहा है। यह हथियार समझौता अब करीब 2 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। आलम यह है कि भारत अब आर्मेनयिा का सबसे बड़ा हथियार निर्यातक देश बन गया है। आर्मेनिया ने साल 2020 में भारत से आकाश एयर डिफेंस सिस्टम खरीदा था। आर्मेनिया भारत से बहुत बड़े पैमाने पर हथियार अभी और खरीदने जा रहा है। इसमें लंबी दूरी तक मार करने वाली तोपें और अस्त्र एयर टु एयर मिसाइल शामिल है। आर्मेनिया ने इच्छा जताई है कि भारत उसके सुखोई 30 विमानों को अपग्रेड करे जिसे उसने रूस से खरीदा था। इन सुखोई विमानों में ही अस्त्र मिसाइल को लगाया जाना है।

नगोर्नो कराबाख पर कब्जा करने के बाद भी अजरबैजान की सेना लगातार आर्मेनियाई इलाके पर हमले करती रहती है। यही नहीं तुर्की और पाकिस्तान की ओर से उसे घातक हथियारों की मदद भी मिल रही है। अब तक आर्मेनिया रूस से हथियार खरीदता था लेकिन यूक्रेन युद्ध के बाद उसे मास्को से हथियारों की सप्लाई नहीं हो पा रही है। इसको देखते हुए आर्मेनिया ने भारत के साथ दोस्ती मजबूत की है। जेम्स टाउन फाउंडेशन के वशिलेषकों का कहना है कि इससे भारत की दक्षिणी काकेकस इलाके में पकड़ मजबूत हुई है। भारत इस इलाके में अब तुर्की और पाकिस्तान के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला कर पा रहा है। साथ ही भारत की यूरोपीय और यूरेशियाई देशों में कनेक्टिविटी मजबूत हो रही है।

इससे पहले अगस्त में रिपोर्ट आई थी कि आर्मेनिया को इस साल के अंत तक आकाश 1 एस एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम मिल जाएगा। आर्मेनिया ने साल 2022 में 15 आकाश मिसाइल सिस्टम के लिए समझौता किया था। यह पूरी डील 72 करोड़ डॉलर की थी। आर्मेनिया आकाश सिस्टम को खरीदने वाला पहला विदेशी खरीदार देश है। आकाश सिस्टम हवाई रास्ते से आने वाले खतरों जैसे फाइटर जेट, गाइडेड मिसाइल और ड्रोन को प्रभावी तरीके से मार गिराने में सक्षम है। पिछले 4 साल से आर्मेनिया भारत से सबसे ज्यादा हथियारों का आयात करने वाला देश बना हुआ है। आकाश के अलावा पिनाका सिस्टम के लिए भी आर्मेनिया ने भारत के साथ समझौता किया है।

आर्मेनिया ने साल 2024-25 में अब तक 60 करोड़ डॉलर के हथियारों की डील की है। भारत आर्मेनिया को तोप, एंटी टैंक रॉकेट और एंटी ड्रोन उपकरणों की सप्लाई कर रहा है। यह रक्षा समझौते इस बात को दिखाते हैं कि भारत और आर्मेनिया क्षेत्रीय गठबंधन को नया आकार देना चाहते हैं। साल 2023 में आर्मेनिया ने भारत में डिफेंस अताशे तैनात करने का फैसला किया था। डिफेंस अताशे की मदद से अब भारत और आर्मेनिया सैन्य सहयोग को और ज्यादा आधिकारिक और राजनयिक तरीके से कर सकेंगे। इससे पहले साल 2011 से लेकर 2020 तक आर्मेनिया अपने 94 फीसदी हथियार रूस से खरीदता था। रूस ने आर्मेनिया को टैंक से लेकर सुखोई फाइटर जेट तक दिया था।

बांग्लादेश को 1700 करोड़ की मदद देगा अमेरिका

ढाका के दौरे पर अमेरिकी डेलीगेशन, कर्ज का ब्याज नहीं चुका पा रहा देश

ढाका, 16 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका ने बांग्लादेश को 1700 करोड़ रुपए की मदद देने का ऐलान किया है। इस मदद के लिए बांग्लादेश के वित्त मंत्रालय के एडिशनल सेक्रेटरी ए.के.एम शहाबुद्दीन और अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास संस्था (यूएसएआईडी) के डायरेक्टर रीड जे. एश्लीमन ने ढाका में एग्रीमेंट पर साइन किए।

इस दौरान बांग्लादेश और अमेरिका के बीच हुए डेवलपमेंट ऑब्जेक्टिव ग्रांट एग्रीमेंट (डीओएजी) में 6वां संशोधन किया गया। बांग्लादेशी वित्त मंत्रालय के मुताबिक इस मदद का इस्तेमाल युवाओं के कल्याण, स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने और व्यापार के अवसर बढ़ाने में किया जाएगा।

यूएसएआईडी के बांग्लादेश मिशन समझौते की जानकारी एक्स पर पोस्ट कर दी।

बांग्लादेश और अमेरिका के बीच 27 सितंबर 2021 को डीओएजी पर हस्ताक्षर हुए थे। इस एग्रीमेंट के तहत अमेरिका 2021 से 2026 तक बांग्लादेश को कुल 8 हजार करोड़ देगा। अब तक अमेरिका बांग्लादेश को 3565 करोड़ रुपए दे चुका है।

यूएसएआईडी ये पैसा अमेरिका के कृषि विभाग, सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों की मदद से देता है। यूएसएआईडी के मुताबिक इसका मकसद सुशासन, सामाजिक विकास और आर्थिक अवसरों को बढ़ावा देना है। आज (15 सितंबर) अमेरिका का एक हाई लेवल डेलीगेशन बांग्लादेश के दौरे पर पहुंचा। इस डेलीगेशन में अमेरिकी विदेश विभाग के साउथ एंड मिडिल एशिया ब्यूरो के सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू भी शामिल हुए।

रविवार को ढाका में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस ने इस डेलीगेशन के साथ मीटिंग की। मीटिंग के दौरान यूनुस ने बांग्लादेश के हालातों को पटरी पर लाने, देश में रिफॉर्म करने और चुराई गई संपत्तियों की वापसी के लिए अमेरिका से मदद मांगी। यूनुस ने अंतरिम सरकार के सामने आ रही चुनौतियों को भी अमेरिकी डेलीगेशन के सामने रखा। साथ ही अंतरिम सरकार द्वारा किए जा रहे कामों को भी गिनाया। डोनाल्ड लू का नाम दक्षिण एशियाई देशों में तख्तापलट से जोड़कर देखा जाता है। पाकिस्तान में इमरान खान की सरकार गिरने के बाद भी उनका नाम आया था। इमरान खान ने खुलेआम उनका नाम लिया था और उन्हें जिम्मेदार ठहराया था।

इस साल की शुरुआत में लू ने अमेरिकी संसद में गवाही दी थी और पाकिस्तान में सरकार गिराने के आरोप को गलत बताया था। पिछले महीने बांग्लादेश में भी जब शेख हसीना को सत्ता से हटाया गया था तब भी डोनाल्ड लू का नाम सामने आया था।

हम ईमानदारी से सरकार चला रहे

प्रधानमंत्री के आरोपों पर झारखंड सरकार ने दी सफाई

रांची, 16 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को झारखंड के जमशेदपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए झारखंड की झामुमो-कांग्रेस-राजद गठबंधन सरकार पर तीखा हमला बोला था। अब प्रधानमंत्री के आरोपों पर झारखंड सरकार ने प्रतिक्रिया दी है। झारखंड के वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने कहा है कि हम पूरी ईमानदारी से सरकार चला रहे हैं। रामेश्वर उरांव ने कहा कि 'उदाहरण के साथ आरोप लगाए जाने चाहिए। हम कोई पैसा नहीं लूट रहे हैं। हम सरकार पूरी ईमानदारी से चला रहे हैं और लोगों के कल्याण पर पैसा खर्च कर रहे हैं।' झारखंड विधानसभा चुनाव में झामुमो और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने कहा कि 'दोनों पार्टियों के बीच सीटों को घटाने या बढ़ाने से फायदा नहीं होगा।

मुझे उनसे नफरत है

राष्ट्रपति चुनाव के लिए कमला हैरिस का समर्थन करने वाली टेलर स्विफ्ट पर ट्रंप का वार

वॉशिंगटन, 16 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस का समर्थन करने पर पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति और रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने गायिका टेलर स्विफ्ट पर हमला बोला है। ट्रंप ने कहा कि मुझे पॉप स्टार से नफरत है। पॉप गायिका टेलर स्विफ्ट ने राष्ट्रपति चुनाव में कमला हैरिस और टिम वॉल्ज को वोट देने का एलान किया था। अमेरिकन गायिका टेलर स्विफ्ट ने कहा था कि आप में से कई लोगों की तरह मैंने भी आज बहस देखी। अगर आपने अभी तक नहीं देखी है, तो अब उन मुद्दों पर रिसर्च करने का एक अच्छा समय है जो आपके लिए सबसे अधिक मायने रखते हैं। एक मतदाता के तौर पर, मैं इस बात का ध्यान रखती हूं कि मैं इस देश के लिए उनकी प्रस्तावित नीतियों और योजनाओं के बारे में जितना हो सके उतना देखूं और पढ़ूं। स्विफ्ट ने कहा था कि मैंने पूरी जांच पड़ताल की है। मैंने अपनी पसंद का चुनाव कर लिया है। आपको अपनी जानकारी खुद जुटानी है और फिर चुनाव करना है। मैं विशेष रूप से पहली बार मतदाताओं से यह भी कहना चाहती हूं कि याद रखें कि मतदान करने के लिए, आपको पंजीकृत होना होगा। मुझे यह भी लगता है कि जल्दी मतदान करना बहुत आसान है। मैं अपनी कहानी में शुरुआती मतदान तिथियों और जानकारी को पंजीकृत करने और खोजने के लिए लिंक करूंगी।' दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप के रनिंग मेट जेडी वैंस ने बिना बच्चों वाली महिलाओं पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि ऐसे लोगों को वोट न दें, जिनके बच्चे न हों। इन लोगों का भविष्य में कोई योगदान नहीं होगा। ऐसे में जब टेलर स्विफ्ट ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट कर अपने समर्थन की घोषणा की तो उन्होंने खुद को चाइल्डलैस कैट लेडी यानी बिना बच्चों वाली महिला बताया।

चीन के शंघाई में शक्तिशाली तूफान बेबिनका का खतरा

75 साल में सबसे ताकतवर, सैकड़ों उड़ानें रद्द, चीन में 15 दिन में दूसरा तूफान

बीजिंग, 16 सितंबर (एजेंसियां)। चीन में 15 दिन के अंदर दूसरी बार तूफान का खतरा मंडरा है। इस बार शक्तिशाली बेबिनका तूफान दस्तक देने वाला है। बेबिनका पिछले 75 सालों में (1949 के बाद से) शंघाई आने वाला सबसे शक्तिशाली तूफान हो सकता है। फिलहाल ये शंघाई से 400 किमी दूर ईस्ट चाइना सी में मौजूद है। तूफान की वजह से हवाओं की रफ्तार 144 किमी/घंटा तक है, जो रविवार देर रात 155 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है। इसे शक्तिशाली तूफानों की कैटेगिरी 1 में रखा गया है। तूफान से निपटने की तैयारियों के चलते चीन ने सैकड़ों फ्लाइट्स को रद्द कर दिया है। ये तूफान सोमवार देर रात शंघाई के तट से टकराएगा। शंघाई से अब तक लगभग 10 हजार लोगों को निकाला गया है। तूफान बेबिनका की वजह से 254 मिमी बारिश हो सकती है। शंघाई प्रशासन ने तूफान से निपटने के लिए जरूरी कदम उठाने शुरु कर दिए है। चीनी मौसम विभाग ने शंघाई में रेड अलर्ट जारी किया है। शंघाई में सोमवार को कुछ घंटों के लिए रेल सेवाओं को बंद रखा जाएगा। वहीं पब्लिक ट्रांसपोर्ट और बाजार को बंद कर दिया गया है। शंघाई में आखिरी बार 2022 में तूफान मुइफा आया था। ये चीनी प्रांत झेनजियांग से 300 किमी की दूरी से उठा था। इसके अलावा चीन ने शंघाई से दूर सभी जहाजों को बंदरगाह पर आने के लिए कहा है। शंघाई के अलावा पड़ोसी प्रांत झेजियांग में जहाजों को वापस बुला लिया गया है। साउथ चाइना सी से उठा सुपर तूफान यागी 9 सितंबर को चीन के दक्षिणी तट से टकराया था। इसने चीन के हैनान प्रांत में दस्तक दी थी।

तूफान की वजह से हैनान के 4 लाख लोगों को अपना घर छोड़ पड़ा। जब ये चीन के तट टकराया उस वक्त इसकी रफ्तातर तकरीबन 250 किमी/घंटा थी। ये इस का दूसरा सबसे शक्तिशाली तूफान थाा चीन के बाद यागी वियतनाम की तरफ बढ़ा था, जहां इसने भारी तबाही मचाई।

श्रीलंका की राजनीतिक पार्टी का एलान- सत्ता में आए तो रद्द करेंगे अदाणी समूह का ऊर्जा प्रोजेक्ट

कोलंबो, 16 सितंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका की वामपंथी पार्टी जनता विमुक्ति पेरामुना यानी जेवीपी ने सोमवार को एलान किया कि अगर आगामी राष्ट्रपति चुनाव में उनकी जीत हुई तो वे श्रीलंका में अदाणी समूह के ऊर्जा प्रोजेक्ट को रद्द कर देंगे। सोमवार को एक कार्यक्रम के दौरान जेवीपी के नेता अनुरा कुमारा दिसानायके ने यह एलान किया। दिसानायके नेशनल पीपल्स पावर गठबंधन की तरफ से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार हैं। जेवीपी भी इसी गठबंधन का हिस्सा है। श्रीलंका में अगले हफ्ते राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। दिसानायके ने कहा कि अदाणी का प्रोजेक्ट श्रीलंका की ऊर्जा संप्रभुता के लिए खतरा है। श्रीलंका में अदाणी समूह का प्रोजेक्ट विवादों में फंसा हुआ है और इसके खिलाफ अदालत में सुनवाई चल रही है। अदाणी समूह श्रीलंका के उत्तर पूर्वी इलाकों मन्नार और पूनेरिन में पवन ऊर्जा का प्रोजेक्ट लगा रहा है। इस पर समूह करीब 44 करोड़ डॉलर खर्च करेगा। इस प्रोजेक्ट के तहत 484 मेगावाट पवन ऊर्जा का उत्पादन होगा। हालांकि पर्यावरणीय चिंता को लेकर इस प्रोजेक्ट का विरोध हो रहा है। साथ ही आरोप है कि इस प्रोजेक्ट को अदाणी समूह को देते समय नीलामी प्रक्रिया में पारदर्शिता भी नहीं बरती गई।

अब्राहम एकॉर्ड के चार साल पूरे

गाजा युद्ध के बाद भी इजरायल के साथ चट्टान की तरह खड़े हैं ये तीन मुस्लिम देश

तेल अवीव, 16 सितंबर (एजेंसियां)। चार साल पहले 15 सितम्बर 2020 को जब बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के विदेश मंत्री इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अब्राहम समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए खड़े थे, तो इसे मध्य पूर्व में एक नए युग की शुरुआत के तौर पर देखा गया था। ट्रंप ने कहा था, 'हम आज दोपहर यहां इतिहास की दिशा बदलने के लिए यहां आए हैं। दशकों के विभाजन और संघर्ष के बाद हम एक नए मध्य पूर्व की सुबह का प्रतीक हैं।' इजरायली प्रधानमंत्री ने इस समझौते से अरब-इजरायल के संघर्ष के खात्मे की उम्मीद जताई तो ऐसा ही प्रतिध्वनि बहरीन और यूएई के बयानों में सुनाई दी। आगे चलकर इस समझौते में एक और मुस्लिम देश मोरक्को भी शामिल हुआ। आज जब इस समझौते के चार साल पूरे हो चुके हैं, इजरायल गाजा में हमास के साथ युद्ध लड़ रहा है। ईरान और उसके प्रॉक्सी लगातार इजरायल के खिलाफ हमलावर हैं। लेकिन इसके साथ ही मध्य पूर्व में एक नया समीकरण भी नजर आ रहा है।

गाजा में 11 महीने से जारी युद्ध ने अरब देशों के साथ इजरायल के साथ समझौते पर काफी दबाव डाला है, इसके बावजूद ये रिश्ते अभी तक बने हुए हैं। मध्य पूर्व के जानकार लोग इस बात को स्वीकार करते हैं कि हमास के खिलाफ युद्ध ने इजरायल के साथ संबंधों को लेकर यूएई, बहरीन और मोरक्को पर तनाव डाला है, लेकिन साथ ही एक उम्मीद भी नजर आती है। टाइम्स ऑफ इजरायल ने एक अधिकारी के हवाले से बताया कि स्वाभाविक रूप से युद्ध के दौरान संबंधों की असल परीक्षा होती है और यह संबंधों में तनाव भी पैदा करता है।

युद्ध शुरू होने के बाद से वरिष्ठ इजरायली अधिकारियों में केवल राष्ट्रपति इसाक हेर्जोग और वित्त मंत्री नील बरकत ने ही अरब देशों की यात्रा की है।

'विरोधियों के मन में संघ के प्रति सम्मान का भाव, हिंदू दुनिया में सबसे उदार'

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का बड़ा बयान

अलवर संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि हिंदू शक्ति का उपयोग कमजोर लोगों की रक्षा के लिए करता है। अगर देश में कुछ भी गलत हो तो इसका प्रभाव हिंदू समाज पर भी पड़ता है।

RSS प्रमुख मोहन भागवत राजस्थान के अलवर में उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदू होने का मतलब उदार होना और सभी के प्रति सद्भावना दिखाना है। भले ही उनकी धार्मिक, मान्यताएं, जाति और आहार से संबंधी प्रथाएं अलग हों। भागवत ने कहा कि हिंदू समाज देश का कर्ता-धर्ता है। अगर देश में कुछ भी गलत होता है तो इसका असर हिंदू समाज पर पड़ता है। वहीं अगर देश में कुछ अच्छा होता है तो इससे हिंदुओं का गौरव बढ़ता है।

संघ प्रमुख ने कहा कि जिसे आमतौर पर हम हिंदू धर्म कहते हैं वह एक सार्वभौमिक मानव धर्म है। उन्होंने कहा कि हिंदू सबकी भलाई चाहता है। हिंदू होने का मतलब है

दुनिया का सबसे उदार व्यक्ति होना है, जो सबको गले लगाता है, सभी के प्रति सद्भावना दिखाता है और उसे यह संस्कार पूर्वजों से मिले हैं। हिंदू धर्म को मानने वाला व्यक्ति जीवन में अर्जित शिक्षा के जरिए समाज में ज्ञान बांटता है। वह इस शिक्षा का दुरुपयोग नहीं करता है।

विरोधियों के मन में भी संघ के प्रति सम्मान का भाव

भागवत ने कहा कि हिंदू धर्म शक्ति का उपयोग कमजोर लोगों की रक्षा के लिए करता है। संघ प्रमुख ने कहा कि एक समय संघ को बहुत ही कम लोग जानते थे लेकिन अब इसे व्यापक मान्यता और सम्मान प्राप्त है। कुछ लोग ऐसे हैं जो बाहरी तौर पर संघ का विरोध करते हैं लेकिन मन में सम्मान का भाव रखते हैं। आपत्तियों के बावजूद वे संघ के महत्व को स्वीकार करते हैं।

आरएसएस प्रमुख ने कहा राष्ट्र का विकास सुनिश्चित करने के लिए हिंदू धर्म और संस्कृति की रक्षा करना जरूरी है। उन्होंने संघ के स्वयंसेवकों से पांच बड़े सिद्धांतों को बढ़ावा देने का आह्वान किया। ये पांच सिद्धांत पर्यावरण, सामाजिक सद्भाव, पारिवारिक मूल्य, नागरिक अनुशासन और आत्म जागरुकता है। भागवत ने पारिवारिक मूल्यों के गिरते स्तर पर भी चिंता व्यक्त की। इसके साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर ध्यान दिलाते हुए कहा कि इससे युवा पीढ़ी पारंपरिक मूल्यों से नाता खो रही है। संघ प्रमुख ने धार्मिक गतिविधियों और परिवार के महत्व को बनाए रखने के लिए कहा कि सप्ताह में एक बार सभी को साथ में भोजन जरूर करना चाहिए।

अब बीजेपी संगठन में नहीं होगा बदलाव

मदन राठौड़ ने बताई ये वजह? कई नेताओं लगा बड़ा झटका

नागौर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में भाजपा संगठन में बदलाव को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लग गया। प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा प्रदेश संगठन में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।

बता दें कि मदन राठौड़ के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद से ही कयास लगाए जा रहे थे कि उनकी टीम में जल्द ही बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है।

सियासी गलियारों में भी यही चर्चा थी कि राजस्थान में होने वाले उप चुनाव से पहले राठौड़ की नई टीम देखने को मिलेगी। लेकिन, अब राठौड़ के बयान से साफ हो गया है कि उनकी टीम में कोई बदलाव नहीं होगा।

ऐसे में राठौड़ की नई टीम में एंट्री की आस लगाए बैठे नेताओं को बड़ा झटका लगा है।

नागौर जिले के खींवसर में लालावास स्थित संकट मोचन धाम पर आयोजित भाजपा संगठन की बैठक में प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि पुरानी गाड़ी ठीक चल रही है। उसमें टायर बदलने की जरूरत नहीं है, छोटी-मोटी खराबी सही करने के लिए कोई पार्ट बदलने की जरूरत पड़े वो बात अलग है। प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि अभी करीब डेढ़ माह का कार्यकाल हुआ है, ऐसे में उन्हें लगता है कि सब कुछ ठीक चल रहा है।

उपचुनाव की परिपाठी को इस बार करेंगे समाप्त

राठौड़ ने कहा कि खींवसर में बार-बार उपचुनाव हो रहे हैं, इस बार इस परिपाठी को समाप्त करना है। यहां विधानसभा चुनाव में भाजपा बहुत कम अंतराल से पराजित हुई थी और इस बार पूरी तैयारी के साथ उपचुनाव लड़ेंगे व विजयी होंगे।

13 नई लीज के विरोध में साधु-संत

अनशन पर बैठे; ग्रामीणों ने कहा- रोजगार जरूरी, खदानों से नुकसान नहीं

भरतपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। भरतपुर में भुसावर के पहाड़ी क्षेत्रों में खनन लगातार जारी है। खनन के कारण पहाड़ी क्षेत्रों में बने मंदिरों में दरार आ गई हैं। इसके कारण कालिया बाबा पहाड़ पर साधु-संतों का धरना व अनशन सोमवार को आठवें दिन भी जारी है। साधु-संतों का कहना है कि अलीपुर में कालिया बाबा उर्फ काला पहाड़ एक धार्मिक पहाड़ है। हर अमावस्या को श्रद्धालु इसकी परिक्रमा करते हैं। इसे पूजने की भी मान्यता है। इसके बावजूद यहां खनन के लिए लीज आवंटित की गई हैं। इन लीज को ही रद्द करने की मांग की जा रही है।

हालांकि स्थानीय लोग लीज धारकों के समर्थन में उतर आए है। लोगों का कहना है कि लीज के आने से लोगों को रोजगार मिलेगा। लोगों ने घरों के टूटने अथवा दरार आने की बात को भी नकार दिया है।

तहसीलदार राजेंद्र मीणा ने बताया- आंदोलन स्थल पर जाकर साधु संत और लोगों से बात कर रहे हैं। सरकार द्वारा 13 नई लीज आवंटित की जा रही हैं। इसका आवेदन ऑनलाइन किया गया था। जिसमें से 9 लीज का आवंटन हो चुका है, बाकी 4 लीज का आवंटन फिलहाल नहीं हुआ है।

लीज के विरोध में गत 2 सितंबर को साधु-संतों ने नायाब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा था और विरोध जताया था। इसके बाद 9 सितंबर से फटा पहाड़ पर साधु संत आंदोलन पर बैठे हैं। आसपास के स्थानीय लोग भी इस आंदोलन में भाग ले रहे हैं।

फटा पहाड़ आश्रम के चंद्रमा बाबा ने बताया- काला पहाड़ को देवस्थान विभाग में शामिल करने की मांग है। खनन के कारण आसपास के गांव के लोग सिलिकोसिस बीमारी से मर रहे हैं। 40 गांवों के लोग साधु-संतों के साथ है और खनन को लेकर विरोध जता रहे है। आज आश्रम पर करीब 50 साधु संत सहित ग्रामीण पहुंचे और लीज को निरस्त करने की मांग की। जन सभा में कलुआ बाबा ने बताया- प्रशासन द्वारा 13 नई लीज आवंटित की जा रही है। उन लीज के आवंटन को रोक दिया जाए। क्योंकि सरकार 13 नई लीज और बढ़ाएगी तो कालिया पहाड़ का अस्तित्व खत्म हो जाएगा। आसपास के लोग कालिया पहाड़ की पूजा करते हैं। अलीपुर निवासी बाबू लाल ने बताया कि मेरे घर की दीवार बारिश के कारण गिर गई थी। उसे आंदोलन करने वाले लोगों ने गलत तरीके से पेश करते हुए कहा वह लीज पर होने वाले धमाके से गिरी है।

भाजपा के सामने प्रत्याशी चयन को लेकर बड़ी चुनौती

राजेंद्र गुढ़ा निर्दलीय लड़कर लगा सकते हैं सेंध

झुंझुनू, 16 सितंबर (एजेंसियां)। झुंझुनू हमेशा से ही कांग्रेस का गढ़ माना जाता रहा है। पिछली बार सात सीटों में से 5 पर कांग्रेस ने जीत हासिल की थी, वहीं दो सीटें भाजपा के खाते में गई थीं। यह सीट राजस्थान विधानसभा की महत्वपूर्ण सीट मानी जाती है। जाट और मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र होने से दोनों ही समुदाय चुनाव को प्रभावित करते हैं।

वर्तमान में उनके बेटे बृजेंद्र ओला इस सीट से विधायक थे। अब उनके सांसद बनने से सीट खाली हो गई है। 2023 के विधानसभा चुनाव में यहां से 10 प्रत्याशियों ने ताल ठोंकी थी, लेकिन मुख्य मुकाबला कांग्रेस और बीजेपी के बीच ही रहा था, जिसमें कांग्रेस प्रत्याशी बृजेन्द्रसिंह ओला ने भारतीय जनता पार्टी के बबलू चौधरी उर्फ निश्चित कुमार को 27 हजार 572 हजार वोटों के मार्जिन से हराया था।

भाजपा इस बार किस पर खेलेगी दांव

इस बार भी भाजपा के लिए यह सीट जीतना बड़ी चुनौती है। बृजेन्द्र ओला यहां जीत की हैट्रिक लगा चुके हैं। कई चुनावों मे भाजपा यहां खाता भी नहीं खोल पाई है।

अब इस बार भाजपा किस मजबूत प्रत्याशी पर दांव खेलती है, ये देखना दिलचस्प होगा।

हालांकि 2018 मे राजेंद्र भांबू निर्दलीय के रूप में मैदान में थे, जिन्हें 41 हजार से ज्यादा वोट मिले थे, वहीं लगातार सक्रिय रहने से भाजपा ने बबलू चौधरी पर विश्वास जताया था।

कुल कितने वोटर

2023 के चुनाव में झुंझुनू सीट पर कुल 2 लाख 68 हजार 613 वोटर्स थे, जिसमें 1 लाख 40 हजार 142 पुरुष वोटर्स तो महिला वोटर्स की संख्या 1 लाख 28 हजार 765 थी। इसमें कुल 1 लाख 91 हजार 381 वोट पड़े, इनमें से कांग्रेस के बृजेन्द्र सिंह ओला को 84,582 वोट मिले तो वहीं भाजपा से बबलू चौधरी उर्फ निश्चित कुमार के खाते में 57,010 वोट आए। ओला ने 27,572 मतों के अंतर से यह मुकाबला जीता था।

सामाजिक और आर्थिक ताना-बाना

झुंझुनू सीट पर हमेशा से ही कांग्रेस का दबदबा रहा है। भाजपा और कांग्रेस से दोनों के लिए ही मैदान में जाट समुदाय के उम्मीदवार को उतारना बेहद सुरक्षित रहता है लेकिन यहां मुस्लिम वोटर्स की भी अच्छी-खासी संख्या है।

मुस्लिम वोट कांग्रेस के परंपरागत वोट माने जाते हैं लेकिन इस बार राजेंद्र गुढ़ा की एंट्री से भाजपा के लिए राजपूत समाज और कांग्रेस के लिए मुस्लिम और एससी-एसटी समाज में सेंध लगने की संभावनाएं बढ़ती नजर आ रही हैं। चुनावों में जीत का बिगुल बजाने के लिए भाजपा के सामने फिलहाल बड़ी चुनौती बनी हुई है।

पुलिया से नदी में गिरे तीन बाइक सवार

मां-बेटे का नहीं चला पता

भीलवाड़ा, 16 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में बड़ा हादसा हो गया। बनास नदी पुलिया से बाइक सवार तीन जने नदी में गिर गए। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने एक महिला को बचा लिया। लेकिन, नदी में बहे मां-बेटे का अभी तक पता नहीं चला है। एसडीआरएफ की टीम आज सुबह से ही रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हुई है। बता दें कि मां-बेटे की देर रात तक तलाश की गई थी। लेकिन, अंधेरा हो जाने के कारण रेस्क्यू रोक दिया गया है।

प्रभारी सुनील बेड़ा के अनुसार नंदराय ग्राम पंचायत के बागला की झोपड़िया निवासी गीता देवी अहीर को ग्रामीणों ने बचा लिया। विष्णु अहीर (25) एवं जेतू देवी (40) वर्ष नदी में डूब गए। जिनकी अंधेरा होने तक तलाश की गई, लेकिन सफलता नहीं मिली।

पुलिया पर भरा था पानी, तभी हो गया हादसा

तीनों बाइक सवार खटवाड़ा गांव की तरफ से वापस अपने गांव बागला की झोपड़िया जा रहे थे। इसी दौरान कस्बे की बनास नदी पर बनी पुलिया पर पानी के अंदर से बाइक को निकालने लगे। पानी के तेज बहाव से बाइक अनियंत्रित हो गई और तीनों पानी के तेज बहाव में नदी में गिर गए।

बचाने के लिए ग्रामीणों ने नदी में लगाई छलांग

तीनों को बचाने के लिए नदी किनारे पर बैठे ग्रामीणों ने नदी में छलांग लगाई और गीता देवी अहीर को बचा लिया। लेकिनि, मां और बेटे को बचा नहीं पाए। नदी में पानी का तेज बहाव होने से कुछ ही देर में दोनों मां और बेटे लोगों की नजर से ओझल हो गए। देर शाम एसडीआरएफ टीम ने भी नदी में तलाश शुरू की। लेकिन अंधेरा होने से रेस्क्यू ऑपरेशन बंद कर दिया।

गोताखोरों को नहीं मिली सफलता

नदी के तेज बहाव में बहे मां और बेटे को तलाश में स्थानीय नागोरी लोहार समाज के युवाओं ने काफी तलाश किया। लेकिन सफलता नहीं मिली। युवाओं की टीम ने एक महिला को तो बचा लिया था। युवाओं की टीम ने नदी के एक किलोमीटर के एरिया में दोनों की देर शाम तक तलाश की।

जान जोखिम में डालकर निकल रहे लोग

पुलिया पर चार दिन से चल रहा पानी करने की बनास नदी की पुलिया पर गत चार दिन से पानी चल रहा है। फिर भी ग्रामीण जान जोखिम में डालकर पुलिया से निकल रहे हैं। ग्रामीणों को रोकने के लिए पुलिस जवान भी तैनात किए। लेकिन ग्रामीणों को रोकने पर भी नहीं रुक रहे हैं।

बीसलपुर बांध छलकने की खुशी में राजस्थान में जश्न

मना रहे 'गांव बहार' उत्सव?

टोंक, 16 सितंबर (एजेंसियां)। जयपुर, अजमेर व टोंक जिले की लाइफलाइन कहे जाने वाले बीसलपुर बांध के इस बार सातवीं बार पूर्ण जलभराव होकर छलकने के साथ ही जिले में इस बार फिर से किसानों को सिंचाई का पानी मिलने की खुशी छाई हुई है। ऐसे में टोंक जिले के राजमहल कस्बे में लोग आज 'गांव बहार' नामक उत्सव मना रहे हैं जिसमें जिले के साथ ही कोटा, बूंदी, भीलवाड़ा, जयपुर, अजमेर, सवाईमाधोपुर जिलों से आज हजारों लोगों की भीड़ राजमहल में जुटेगी।

इससे पहले ये उत्सव 2022 में बांध छलकने के दौरान मनाया गया था। उत्सव को लेकर अलगोजों व ढोलक की थाप की धुन पर जागरण व तेजाजी की बिंदोरी निकाली गई जो गांव के मुख्य बाजार होते हुए गांव के सभी मुख्य मंदिरों तक गई।

वहीं अलसुबह छतरी चौराहे पर पहुंची जहां पर सभी पशु पालकों ने अपने पशुओं को तेजाजी की चिराग के नीचे से निकाला। किसानों का मानना है कि ऐसा करने से उनके पशुओं को किसी प्रकार की कोई बीमारी नही होगी।

आज सोमवार को गांव के हर घर में चूरमा बाटी बनाकर भगवान को भोग लगाया जाएगा। वहीं इस उत्सव में यहां लोग अपने-अपने रिश्तेदारों के साथ ही परिचितों को भी बुलाते हैं। सोमवार शाम को गांव से मेले का आयोजन होगा जिसमें हजारों महिलाओं और पुरूषों की भीड़ एकत्र होगी।

700 रुपए के लिए 15 लोगों की मौत

20 अभी भी अस्पताल में, सावधान रहें, सब कर रहे ऐसी गलती

जयपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के सिरोही जिले में स्थित पिंडवाडा क्षेत्र में हुए हादसे में मृतकों की संख्या बढ़ गई है। कल रात जब हादसा हुआ था उस समय पांच लोगों की जान चली गई थी, देर रात तक यह बढ़कर आठ हो गई थी और अब आज तड़के एक अन्य व्यक्ति की भी जान चली गई है। अब तक नौ लोगों की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि हादसा तूफान गाड़ी चला रहे चालक की लापरवाही से हुआ है।

दरअसल उदयपुर – पालनपुर फोर लेन रोड पर यह हादसा कल रात हुआ। तूफान सवारी गाड़ी में करीब 29 लोग सवार थे। इनमें से करीब 25 उदयपुर के रहने वाले थे और ये सभी गमेती जाति के थे। ये सभी लोग बालोतरा क्षेत्र में एक मंदिर निर्माण के दौरान मजदूरी करने के लिए जा रहे थे। बताया जा रहा है कि उदयपुर से पाली की ओर मुड़ने के लिए पांच किलोमीटर का रूट तय करना था, लेकिन चालक ने गाड़ी को गलत दिशा में दौड़ाना शुरू कर दिया। वह करीब ढाई से तीन किलोमीटर का रूट बचाना चाह रहा था, लेकिन इससे पहले ही सामने से आ रहे टैंकर से गाड़ी की टक्कर हो गई और अब तक नौ लोगों की मौत हो चुकी है। उल्लेखनीय है कि करीब पांच किलोमीटर का रूट बचाने में करीब पांच लीटर पेट्रोल बचाया गया, जिसकी कीमत करीब पांच सौ रुपए थी। लेकिन नौ लोगों की जान चली गई।

गलत दिशा से आ रहे टैंकर ने सही दिशा में जा रहे नौ लोगों को कुचला, छह की मौत

उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी बड़ा सड़क हादसा हुआ था। यह हादसा बूंदी जिले के हिंडौली इलाके में टनल से करीब पांच सौ मीटर दूरी पर हुआ था। गलत दिशा से आ रहे एक टैंकर ने सामने से आ रही कार को जबरदस्त टक्कर मारी थी। इस हादसे में कार सवार छह लोगों की मौत हो गई। उसमें नौ लोग सवार थे। तीन अन्य अस्पताल में भर्ती हैं।

सभी लोग एमपी के देवास के रहने वाले थे। सभी खाटू श्याम जी के दर्शन के लिए आ रहे थे। उल्लेखनीय है कि ट्रेलर ने दो किलोमीट कर रास्ता बचाने के लिए गलत दिशा रूट लिया, जिससे करीब दो सौ रुपए का पेट्रोल जरूर बचा, लेकिन छह लोगों की मौत हो गई।

विवाहिता से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

मुकदमे के डर से फरारी काट रहा था बदमाश

केकड़ी, 16 सितंबर (एजेंसियां)। केकड़ी सिटी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए विवाहिता से दुष्कर्म के मामले में पिछले एक माह से फरार चल रहे आरोपी को अहमदाबाद में गिरफ्तार किया है। आरोपी बिजली विभाग में गार्ड का काम करता है।

थानाधिकारी धोलाराम ने बताया कि गत 6 अगस्त को विवाहिता ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि वह अजमेर रोड स्थित राजकीय अस्पताल के समीप रात एक बजे के करीब रोडवेज बस से उतरकर पैदल अपने पीहर जा रही थी। इसी दौरान विद्युत विभाग के 132 केवी जीएसएस स्टेशन पर गार्ड की नौकरी करने वाले राजेश कुमार ने उसके साथ दुष्कर्म किया।

मुकदमा दर्ज होने के बाद गिरफ्तारी के डर से आरोपी फरार हो गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार बंसल के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामचन्द्र सिंह व पुलिस उपअधीक्षक हर्षित शर्मा के सुपरविजन में विशेष टीम का गठन कर आरोपी की तलाश शुरू की गई और आरोपी को अहमदाबाद से गिरफ्तार कर लिया गया।

जुलूस के दौरान हंगामा, पुलिस और मुस्लिम समुदाय के लोग भिड़े

बारां, 16 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के बारां शहर में सोमवार को जुलूस के रास्ते को लेकर विवाद खड़ा हो गया। मुस्लिम समुदाय के लोग तय रूट के विपरीत महाराणा प्रताप चौराहे के चक्कर लगाकर जाना चाहते थे। लेकिन, प्रशासन ने भीड़ को रोक दिया। इस बात को लेकर पुलिस और मुस्लिम समुदाय के बीच बहस हो गई। बताया जा रहा है कि पुलिस अधीक्षक राजकुमार चौधरी की सतर्कता के चलते बड़ा हादसा टल गया।

गौरतलब है कि बारां शहर में ईद-ए-मिलाद के जुलूस के दौरान विवाद खड़ हो गया। मुस्लिम समुदाय महाराणा प्रताप चौराहे के चक्कर लगाने को लेकर अड़ गया। जिसे लेकर पुलिस ने मना कर दिया। चूंकि यह रास्ता तय रूट से अलग था। हालांकि पुलिस की तत्परता के चलते बड़ी घटना होने से बच गई।

क्यों मनाते हैं ईद-ए-मिलाद

बताते चलें कि ईद-ए-मिलाद-उन-नबी या ईद-ए-मिलाद भी कहा जाता है। यह दिन पैगंबर मोहम्मद के जन्म की खुशी के रूप में मनाया जाता है, जिन्हें इस्लाम में अंतिम नबी माना गया है। यह पर्व इस्लामिक कैलेंडर के तीसरे महीने रबी-अल-अव्वल की 12वीं तारीख को मनाया जाता है।

तीन दिन से बघेरे का मूवमेंट

वायरल हो रही फोटो, दहशत में लोग

सवाई माधोपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। जिले के शिवाड़ कस्बे में पहाड़ी पर पिछले तीन दिन से बघेरे का मूवमेंट बना है। इससे लोगों में दहशत का माहौल बना है। बघेरे का के मूवमेंट की सोशल मीडिया पर भी फोटो व वीडियो वायरल हो रही है। सूचना के बावजूद भी वन विभाग के अधिकारी नहीं पहुंचने से लोगों में रोष बना है।

कस्बे में स्थित देवगिरी पर्वत पर बीत तीन दिन से बघेरे को मूवमेंट देखा जा रहा है। हालांकि पहले लोगों को इस पर विश्वास नहीं हुआ। लेकिन, शनिवार शाम को साढ़े छह बजे शिव मंदिर के आगे स्टेशन रोड पर बने पहाड़ों के मकानों के पीछे इसका मूवमेंट देखा। कई बार पहाड़ी पर बघेरे का मूवमेंट देखा गया है।

कई ग्रामीण मुख्य रास्ते में खड़े रहे और

अपने स्तर पर तलाशी भी की, मगर घने पेड़-पौधों के बीच बघेरा गायब हो गया। इसके बाद से लोगों में भय बना है। इसके बावजूद वन विभाग ने कोई रेस्क्यू ऑपरेशन नहीं किया।

सूचना के बाद हमने शिवाड़ कस्बे में टीम को भेजा लेकिन वहां कुछ नहीं मिला। टीम को लगातार मॉनिटरिंग व गश्त के निर्देश दिए है।

तेलंगाना 2035 तक 40,000 मेगावाट अतिरिक्त नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जोड़ेगा : भट्टी

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री और ऊर्जा मंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राज्य ने 2035 तक 40,000 मेगावाट अतिरिक्त अक्षय ऊर्जा क्षमता जोड़ने का लक्ष्य रखा है। सोमवार को गुजरात के गांधीनगर में चौथे वैश्विक अक्षय ऊर्जा निवेशक सम्मेलन और एक्सपो (री-इन्वेस्ट) को संबोधित करते हुए भट्टी ने कहा कि तेलंगाना टिकाऊ, विश्वसनीय और सस्ती बिजली सुनिश्चित करने, अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं को बढ़ावा देने और निजी निवेश आकर्षित करने के लिए एक व्यापक अक्षय ऊर्जा (आरई) नीति विकसित कर रहा है।

उन्होंने कहा कि नई नवीकरणीय ऊर्जा नीति में कर लाभ और सब्सिडी, एकल खिड़की मंजूरी, पारदर्शी संसाधन आवंटन और खरीद दिशानिर्देश, ट्रांसमिशन और ग्रिड कनेक्टिविटी के लिए एक मजबूत बुनियादी ढांचा योजना जैसे निवेश प्रोत्साहन शामिल हैं। उन्होंने कहा कि राज्य अनुसंधान संस्थानों के साथ साझेदारी और नवीकरणीय ऊर्जा निर्माताओं के लिए प्रोत्साहन को भी बढ़ावा दे रहा है।

उन्होंने कहा कि 300 से अधिक दिनों की धूप के साथ, तेलंगाना की अनुमानित सौर क्षमता लगभग 26.4 गीगा वाट है। उन्होंने कहा कि भारत के शीर्ष पवन राज्यों में से एक के रूप में, तेलंगाना में 150 मीटर पर लगभग 54 गीगा वाट की पवन क्षमता है।

नोबेल शांति शिखर सम्मेलन की मेज़बानी एक वैश्विक अवसर

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नोबेल शांति शिखर सम्मेलन के लिए हैदराबाद को अगले स्थल के रूप में नामित करके, तेलंगाना सरकार का लक्ष्य शहर की वैश्विक प्रतिष्ठा को प्रदर्शित करना है। मुख्यमंत्री अनुमुला रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य हैदराबाद को वैश्विक मंच पर शांति और प्रगति का प्रतीक बनाने के लिए पूर्ण समर्थन देने के लिए तैयार है। वैश्विक प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में हैदराबाद की भूमिका, इसके रणनीतिक महत्व के साथ मिलकर इसे अगले नोबेल शांति शिखर सम्मेलन के लिए आदर्श स्थान बनाती है, जो शांति पर अंतर्राष्ट्रीय संवाद में भारत की जगह को मजबूत करती है।

सम्मेलन में जूपल्ली आमंत्रित

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जूपल्ली कृष्ण राव ने नोबेल शांति सचिवालय को नोबेल शांति पुरस्कार विजेताओं के 19वें विश्व शिखर सम्मेलन में आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद दिया है, जो 18 से 21 सितंबर तक मॉन्टेरी, मैक्सिको में आयोजित होने वाला है। अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण, मंत्री व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं हो पाएंगे। उनकी जगह, टीकंसल्ट के अध्यक्ष और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में शांति के पक्षधर संदीप कुमार मकथला और गांधी किंग फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रो. प्रसाद गोलानापल्ली ऐतिहासिक कार्यक्रम में तेलंगाना का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस अवसर पर बोलते हुए, जुपल्ली कृष्ण राव ने कहा, "हैदराबाद एक ऐसा शहर है जो विरासत और नवाचार का खूबसूरती से मिश्रण करता है। यह अगले नोबेल शांति शिखर सम्मेलन के लिए एकदम सही मेजबान है, और हम इसकी सफलता सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। यह न केवल हमारे राज्य को ऊपर उठाएगा बल्कि भारत को वैश्विक शांति वार्ता के केंद्र में भी रखेगा।" तेलंगाना प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व संदीप कुमार मकतला और प्रो. प्रसाद गोलानापल्ली करेंगे।

अक्टूबर में नए राशन और स्वास्थ्य कार्ड जारी किए जाएंगे: उत्तम

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक आपूर्ति मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने घोषणा की है कि अक्टूबर में नए राशन और स्वास्थ्य कार्ड जारी किए जाएंगे और तेलंगाना में सभी पात्र लाभार्थियों को कार्ड प्रदान किए जाएंगे। यह घोषणा सोमवार को यहां जलसौधा में कैबिनेट उप-समिति की चौथी बैठक के बाद की गई, जहां इन कार्डों को जारी करने पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान, मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने इस विषय पर एक और दौर की चर्चा की आवश्यकता पर जोर दिया और बताया कि पिछले एक दशक में राशन कार्ड जारी करना बहुत कम रहा है। इसके अलावा, उन्होंने दोहराया कि आगामी खरीफ सीजन से, बढ़िया किस्म के धान पर प्रति क्विंटल 500 रुपये का बोनस दिया जाएगा। मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, जो कैबिनेट उप-समिति के सदस्य भी हैं, ने नए राशन कार्ड जारी करने में पारदर्शिता की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने नए राशन कार्ड जारी करने में विफल रहने के लिए पिछली बीआरएस सरकार की आलोचना की और कहा कि केवल 49,476 कार्ड जारी किए गए थे, जो मुख्य रूप से उपचुनाव वाले निर्वाचन क्षेत्रों में दिए गए थे। पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने आश्वासन दिया कि वर्तमान कांग्रेस सरकार के तहत, सभी पात्र व्यक्तियों को व्यवस्थित रूप से दोनों कार्ड प्राप्त होंगे।

जिला कलेक्टर ने गणेश विसर्जन की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 16 सितबर (स्वतत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिला कलेक्टर शशाक ने सबंधित अधिकारियों को मंगलवार 17 सितंबर को गणेश विसर्जन के लिए सभी व्यवस्थाएं तैयार करने के निर्देश दिए हैं। सोमवार को जिला कलेक्टर शशांक ने मंगलवार को आयोजित गणेश विसर्जन के दौरान सरूर नगर तालाब पर व्यवस्थाओं और सुविधाओं का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने नगर निगम आयुक्त, पुलिस अधिकारियों और संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाएं पूरी करने के लिए कई निर्देश दिए हैं ताकि गणेश विसर्जन के दौरान कोई अप्रिय घटना न हो और जनता को कोई असुविधा न हो।इन व्यवस्थाओं के निरीक्षण में जिला अपर कलेक्टर प्रतिमा सिंह, तहसीलदार, नगर निगम आयुक्त, संबंधित अधिकारी व अन्य शामिल हुए।

वादे के अनुसार होगा बुनियादी ढांचे का विकास : श्रीधर बाबू

उद्योग मंत्री ने जीनोम वैली में कई उद्योग का शुभारंभ किया

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री डुडिल्ला श्रीधर बाबू ने सोमवार को शहर के बाहरी इलाके में जीनोम वैली में 3,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के साथ एक फार्मास्युटिकल उद्योग, अनुसंधान एवं विकास केंद्र और बुनियादी ढांचा केंद्र का उद्घाटन किया। लौरस लेबोरेटरीज ने यूरोपीय बहुराष्ट्रीय केआर केए के सहयोग से एक विनिर्माण सुविधा खोली है।

श्रीधर बाबू ने 8.5 एकड़ में बायोपोलिस नामक संस्था द्वारा बनाये जाने वाले भवन परिसर की आधारशिला रखी। कई कंपनियों ने कॉम्प्लेक्स के पूरा होने के तुरंत बाद परिचालन शुरू करने के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। यदि ये मूर्त रूप लेते हैं तो 6,500 लोगों को नौकरी के अवसर मिलेंगे।बाद में श्रीधर बाबू ने जीनोम वैली के विकास और विस्तार पर 30 उद्योगों के मालिकों से मुलाकात की। इसमें भारत बायोटेक, सिंजीन, बायोलॉजिकल-ई, जेएएमपी जैसी मशहूर कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हैं। श्रीधर बाबू ने इस अवसर पर खुलासा किया कि उनकी सरकार का इरादा जीनोम वैली को एशिया में उन्नत फार्मा, अनुसंधान और जीवन विज्ञान के लिए एक पता बनाना है।

उन्होंने नवप्रवर्तन के लिए सकारात्मक माहौल बनाने का वादा किया। उद्यमियों को इसका लाभ उठाकर देश का नाम रोशन करने की सलाह दी गई। मंत्री ने खुलासा किया कि बुनियादी ढांचे के विकास और विस्तार कार्यों के संबंध में वादे के अनुसार काम पूरा किया जाएगा।

यह घोषणा की गई है कि जीनोम वैली को केंद्रीकृत रासायनिक उपचार संयंत्र, सड़कों के चौड़ीकरण और हरियाली बढ़ाने जैसी सुविधाओं के साथ एक आकर्षक विनिर्माण और अनुसंधान केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। श्रीधर बाबू के साथ, टीजीआईआईसी की अध्यक्ष निर्मला जग्गरेड्डी, मेडचेल जिला कलेक्टर गौतम पोथरू, टीजीआईसी के एमडी विष्णुवर्धन रेड्डी, लाइफ साइंसेज, फार्मा निदेशक शक्ति नागप्पन, टीजीआईआईसी के सीईओ मधुसूदन और अन्य ने जीनोम वैली कार्यक्रमों में भाग लिया।

प्रभारी मंत्री ने टैंक बंड पर गणेश विसर्जन व्यवस्था का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने टैंक बंड पर गणेश विसर्जन व्यवस्था का निरीक्षण किया। मंत्री के साथ पीसीसी प्रमुख महेश कुमार गौड़, जीएचएमसी मेयर गद्वाल विजयलक्ष्मी, सरकारी सचेतक आदि श्रीनिवास, मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, सरकारी सलाहकार हरकारा वेणुगोपाल, एमएलसी बालामुरी वेंकट, जीएचएमसी आयुक्त आम्रपाली आदि रहे। मंत्री ने जीएचएमसी आयुक्त आम्रपाली ने यह सुनिश्चित

करने को कहा है कि कोई परेशानी न हो क्योंकि कल पूरे हैदराबाद शहर में गणेश विसर्जन होगा। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने अधिकारियों के साथ टैंक बांध पर लगाए गए क्रेन, विसर्जन के बाद कचरे को हटाने के लिए सफाई कर्मचारियों, बिजली, जल कार्य, पुलिस सुरक्षा आदि पर चर्चा की।

आईआईआईटीएच ने मेडिकल प्रोफेशनल्स के लिए AI पर ऑनलाइन कोर्स शुरू किया

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वारू)। अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद (आईआईआईटीएच) ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त संगठन नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज और आईहड डाटा के सहयोग से "मेडिकल प्रोफेशनल्स के लिए AI" पर एक ऑनलाइन कोर्स शुरू किया। मेडिकल प्रोफेशनल्स के लिए AI पर 12-सप्ताह का ऑनलाइन ओरिएंटेशन कोर्स मेडिकल प्रोफेशनल्स को आवश्यक कौशल से लैस करेगा, जो कि नैदानिक सेटिंग्स में AI तकनीकों को समझने, उनका मूल्यांकन करने और उन्हें लागू करने के लिए आवश्यक है, जिससे रोगी की देखभाल और परिचालन दक्षता में सुधार होगा। इसमें AI, मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग और स्क्रीनिंग, निदान, रोग का निदान और रोगी प्रबंधन से जुड़े नैदानिक अनुप्रयोगों पर केस स्टडी की मूल बातें शामिल हैं।

प्रतिभागी AI टूल और तकनीकों का उपयोग करके नैतिक और शासन संबंधी मुद्दों का भी पता लगाएंगे। वीडियो व्याख्यान, साप्ताहिक संपर्क सत्र और केस स्टडी के माध्यम से वितरित इस कोर्स में क्विज़, असाइनमेंट और आकलन शामिल हैं, जिसके पूरा होने पर प्रमाणन दिया जाएगा। इस कार्यक्रम में देश भर के 24 राज्यों और 56 शहरों में फैले 41 विशेषज्ञताओं में स्नातकोत्तर डिग्री वाले प्रमुख चिकित्सा संस्थानों के वरिष्ठ संकाय/शोध सदस्य शामिल हैं, जिनमें लगभग 200 चिकित्सा पेशेवर भाग ले रहे हैं। आईआरसीटीएच और एनएएमएच के प्रख्यात संकाय सलाहकार इस पाठ्यक्रम को प्रदान करने में शामिल हैं। डीएसटी के सचिव प्रोफेसर अभय करंदीकर, एन एएमएस के अध्यक्ष डॉ शिव कुमार सरीन और आईआईआईटी हैदराबाद के निदेशक प्रोफेसर पी जे नारायणन ने वर्चुअली अपनी तरह के पहले पाठ्यक्रम का शुभारंभ किया।

अंशधारकों को 10 प्रतिशत लाभांश देने की घोषणा

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रोहा को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड की 25वीं वार्षिक साधारण सभा संपन्न हुई जिसमें अंशधारकों को 10 प्रतिशत लाभांश देने की घोषणा की गई।

अग्रोहा बैंक की 25वीं वार्षिक साधारण सभा को संबोधित करते हुए चेयरमैन रतन गुप्ता ने बताया कि अग्रोहा बैंक का जमा आधार लगातार बढ़ रहा है और बैंक तीव्र गति से विकास पथ पर आगे बढ़ रहा है। सभी वित्तीय मानदंडों में सकारात्मक वृद्धि के संकेत हैं। बैंक ने सफलतापूर्वक सभी डिजिटलीकरण कार्य पूरे कर लिए हैं। बैंक में सभी प्रकार के ऑनलाइन भुगतान, शॉपिंग, टिकट होटल बुकिंग, यूटिलिटी बिल भुगतान, पॉस आईएमपीएस (मोबाइल डेबिट कार्ड के साथ रुपे है। बैंकिंग उद्योग पर एक भारतीय अर्थव्यवस्था वर्ष 2023-24 में पर है।

आरबीआई (वित्तीय रूप से मजबूत और अच्छी तरह से प्रबंधित बैंक) द्वारा निर्धारित एफएसडब्ल्यूएम के मानदंडों को पूरा कर रहे हैं। बैंक आरबीआई द्वारा निर्धारित सभी वैधानिक मानदंडों का पूरी तरह से पालन रहा है। चेयरमैन रतन गुप्ता ने कहा कि ने अपनी रजत जयंती पूर्ण की है। उन्होंने कहा कि बैंक के निदेशक मंडल ने अंशधारकों को 10 प्रतिशत लाभांश देने का प्रस्ताव रखा है। बैंक का स्लोगन द मिलेनियम बैंक को पूर्ण रूप से चरितार्थ कर रहा है।

हमारे प्रमोटर शरद बी. पित्ती के बहुमूल्य मार्गदर्शन से बैंक लगातार प्रगति कर रहा है और सभी स्टाफ सदस्यों को उनकी कुशल मेहनत और ग्राहक सेवा के लिए आभार व्यक्त करते हैं। अवसर पर संस्थापक चेयरमैन शरद बी. पित्ती ने भी अपने विचार रखे और बैंक में सहयोग करने वाले निदेशक मंडल, स्टाफ, अंशधारक तथा शुभचिंतकों का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर बदरीविशाल बंसल जी का सम्मान किया गया। अवसर पर अंशधारकों की शंकाओं का समाधान किया गया।

प्रजा पालना दिवस की तैयारियां पूरी : जिला कलेक्टर

आसिफाबाद , 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने एक बयान में कहा कि जिला इस महीने की 17 तारीख को प्रजा पालना दिवस समारोह आयोजित करने के लिए पूर्ण पैमाने पर व्यवस्था के साथ तैयार है। उन्होंने बताया कि समारोह जिला केंद्र स्थित एकीकृत जिला समाहरणालय भवन परिसर में आयोजित किया जाएगा । इस महीने की 17 तारीख को सुबह 9.55 बजे राज्य विधान परिषद के उपाध्यक्ष बंदा प्रकाश ने समारोह में भाग लिया और सलामी ली, सुबह 10 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद राष्ट्रगान, आधिकारिक तेलंगाना गीत और मुख्य अतिथि का भाषण होगा सुबह 10.10 बजे आयोजित किया जाएगा. जिले के अधिकारियों, लोगों और जन प्रतिनिधियों से बड़ी संख्या में उपस्थित होने और समारोह को सफल बनाने का अनुरोध किया गया है।

बंजारा हिल्स स्थित इच्छा पूर्ति गणेश भगवान के मंदिर में पूजा करते हुए राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेश कुमार अग्रवाल, विजय कुमार अग्रवाल (रामू भाई) इन्नानी, विट्ठल दास अग्रवाल, अजय अग्रवाल, राजेंद्र अनीता, गोपाल बलदावा, राजारेड्डी, रामनिवास पंडित, मंसाराम गुप्ता, भरत सोन्थलिया, अरुण दामा, सुरेश कोठारी, दिलीप जैन, शेशैया, पी. नायडु, माया अग्रवाल, संध्या अग्रवाल, अनीता आदि उपस्थित थे

श्री आईमाताजी मंदिर आईलापुर में उज्वणा महोत्सव

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईलापुर बिरमगुड़ा की पावन धारा पर श्री आई माता मंदिर (बडेर) के तत्वावधान में उज्वणा महोत्सव व घोड़ा चढावा कार्यक्रम संपन्न हुआ। शिवरामपल्ली स्थित श्री बाबा रामदेव मंदिर में भक्तों ने बाबाजी को घोड़ा चढाया !

जारी प्रेस विज्ञप्ति में सीरवी समाज उपाध्यक्ष राकेश चोयल व कोषाध्यक्ष मल्लाराम सोलंकी ने बताया कि श्री आईमाताजी मंदिर (बडेर) के निकट शिवजी के मंदिर से बाबा रामदेवजी तस्वीर की पूजा-अर्चना की गई। भारी संख्या मे भक्तों द्वारा बाबाजी के ज्योति व भव्य जल कलश शोभा यात्रा लेकर मंदिर प्रांगण पहुँची ! अवसर पर नौ कुंडिया महायज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें 44 जोड़ों द्वारा हवन महायज्ञ किया गया। इस अवसर पर एक शाम बाबा रामदेवजी के नाम का जागरण आयोजित किया गया। जिसमे भजन गायक शैतानसिंह राजपुरोहित ने बाबा रामदेवजी के भजनों से भाव विभोर कर दिया। कार्यक्रम में पधारे अतिथियों का सिरवी समाज व गौशाला के पदाधिकारियों ने सम्मान किया। सीरवी समाज आईलापुर बिरमगुड़ा व गौशाला के पदाधिकारियों ने एकादसी उज्वणा जोडों का भी स्वागत किया ! मंच का संचालक राकेश चोयल व मल्लाराम सोलंकी ने किया ! अवसर पर चुन्नाराम बर्फा,माणक गहलौत,परमेश्वर वैष्णव , परमेश्वर सांखला , (देवाराम (बासा) माधाराम) , भंवरलाल चौधरी एंव अन्य समाज बंधु उपस्थित थे !

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारतीय हॉकी टीम ने दक्षिण कोरिया को 4-1 से दी मात

खिताबी मुकाबले में चीन से सामना

बीजिंग, 16 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दक्षिण कोरिया को सेमीफाइनल में 4-1 से हराकर एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में जगह बना ली है। भारत का अब फाइनल में सामना चीन से होगा जिसने एक अन्य सेमीफाइनल मैच में पाकिस्तान को हराकर पहली बार खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया है। पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है और अजेय बनी हुई है। भारत के लिए इस मैच में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने दो गोल दागे, जबकि उत्तम सिंह और जरमनप्रीत सिंह ने एक-एक गोल किया। दक्षिण कोरिया के लिए एकमात्र गोल जिहुन यांग ने तीसरे क्वार्टर में दागा था।

भारत ने शुरुआत से बनाई बढ़त

दक्षिण कोरिया के खिलाफ भारत ने पहले क्वार्टर से ही बढ़त बनाए रखी। सबसे पहले उत्तम सिंह ने गोल कर भारत को 1-0 से आगे किया। इसके बाद दूसरे क्वार्टर में भी भारतीय टीम ने अपना दबदबा बनाते हुए बढ़त दोगुनी कर ली। दूसरे क्वार्टर में भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने गोल किया। इस तरह भारत ने पहला हॉफ खत्म होने तक दक्षिण कोरिया पर 2-0 की बढ़त बना ली थी।

तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों ने दागा गोल

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने तीसरे क्वार्टर में भी दक्षिण कोरिया के खिलाफ बढ़त बरकरार रखी। दक्षिण कोरिया ने हॉफ टाइम के बाद वापसी करने की कोशिश की और गोल दागा, लेकिन भारत से आगे नहीं निकल सका। तीसरे क्वार्टर में कोरिया के लिए जिहुन यांग ने गोल किया, तो वहीं, भारत की ओर से जरमनप्रीत सिंह ने भी तीसरा गोल दागने में देर नहीं लगाई। इसके बाद कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने इस मैच का दूसरा गोल किया जिससे भारत ने दक्षिण कोरिया के खिलाफ 4-1 की बढ़त बना ली।

भारत ने दक्षिण कोरिया के खिलाफ बरकरार रखा दबदबा

यह 62वीं बार था जब भारत किसी अंतरराष्ट्रीय हॉकी मैच में दक्षिण कोरिया का सामना कर रहा था। पहली बार दोनों 1958 में टोक्यो में एशियाई खेलों में एक-दूसरे के खिलाफ खेले थे। तब भारत ने दक्षिण कोरिया को 2-1 से हराया था। भारत ने अब तक 39 और दक्षिण कोरिया ने 11 मैच जीते हैं। वहीं, 12 मैच ड्रॉ पर समाप्त हुए। दोनों के बीच इससे पहले आखिरी मैच इसी एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में पूल स्टेज के दौरान खेला गया था, जहां भारत ने दक्षिण कोरिया को 3-1 से हराया था। भारत ने एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में भी यह लय बरकरार रखी।

3 अनकैप्ड खिलाड़ी आरसीबी के टारगेट पर

एक तो दलीप ट्रॉफी का स्टार

मुंबई, 16 सितंबर (एजेंसियां)। आईपीएल के नए सीजन से पहले इस बार मेगा ऑक्शन होने वाला है। मेगा ऑक्शन में नए-नए खिलाड़ियों पर जमकर पैसा बरस सकता है। सभी फ्रेंचाइजियों की नजरें आगामी सीजन के लिए अपनी-अपनी टीमों में अच्छे युवा खिलाड़ियों को शामिल करने पर होगी। ऐसे में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की नजरें भी तीन अनकैप्ड खिलाड़ियों पर रहने वाली हैं। हालांकि इन तीनों खिलाड़ियों में से दो ने आईपीएल में अपनी छाप छोड़ी है। ऐसे में इस बार मेगा ऑक्शन में आरसीबी इन खिलाड़ियों को टारगेट करती हुई दिखाई दे सकती है।

1. मुशीर खान

टीम इंडिया के स्टार धाकड़ खिलाड़ी सरफराज खान के भाई मुशीर खान का प्रदर्शन लगातार बेहतर होता जा रहा है। दलीप ट्रॉफी के अपने पहले ही मैच मुशीर ने कमाल की शतकीय पारी खेली थी। हालांकि इस मैच में मुशीर दोहरे शतक से चूक गए थे। इससे पहले अंडर-19 विश्व कप में भी मुशीर ने कई शतक जमाए थे, ऐसे में अब आरसीबी मेगा ऑक्शन में मुशीर को टारगेट कर सकती है।

2. शशांक सिंह

शशांक सिंह ने पिछला आईपीएल सीजन पंजाब किंग्स के लिए खेला था। पंजाब के लिए शशांक ने काफी कमाल का प्रदर्शन किया था। आईपीएल 2024 उनके लिए काफी शानदार रहा था। पिछले सीजन शशांक ने 14 मैच खेले थे, जिसमें बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने 354 रन बनाए थे। इस दौरान उनके बल्ले से दो अर्धशतक भी निकले थे। अगर पंजाब मेगा ऑक्शन से पहले शशांक को रिलीज करती है तो आरसीबी इस खिलाड़ी को खरीद सकती है।

3. नीतीश कुमार रेड्डी

नीतीश कुमार रेड्डी के लिए आईपीएल 2024 काफी अच्छा रहा था। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलते हुए नीतीश कुमार रेड्डी ने कमाल का प्रदर्शन किया था। आईपीएल 2024 में नीतीश कुमार रेड्डी ने 15 मैच खेले थे, जिसमें बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने 303 रन बनाए थे। इसके अलावा गेंदबाजी करते हुए नीतीश ने 3 विकेट भी चटकाए थे। आरसीबी की नजरें अब इस खिलाड़ी पर भी हो सकती है।

मुझे आत्महत्या की सलाह दी थी

पैरालंपिक में सोना जीतकर नवदीप ने आलोचकों को दिया मुंहतोड़ जवाब

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। पेरिस पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले नवदीप सिंह ने भारत वापसी के बाद अब अपने संघर्ष की कहानी सुनाई है। उन्होंने बताया कि उनकी हालत के कारण लोग उन्हें आत्महत्या की सलाह देते थे। बता दें कि, नवदीप ने पेरिस में भाला फेंक एफ41 वर्ग में पदक जीता था।

नवदीप ने सुनाई आपबीती

पेरिस में भारत का तिरंगा लहराने वाले 23 वर्षीय पैरा एथलीट ने हाल ही में शुभांकर मिश्रा को दिए एक इंटरव्यू में अपनी कहानी सुनाई। उन्होंने बताया कि लोगों को लगता था कि वह जीवन में कुछ नहीं कर पाएंगे, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और अपना उत्साह खत्म नहीं होने दिया। नवदीप ने कहा- आपको क्या लगता है, हमें हौसला कहां से आता है? जब वो बोलते हैं कि तू कुछ नहीं कर सकता। इससे अच्छा तो तू आत्महत्या कर ले। ये क्या जीवन है तेरा?

पिता को किया याद

इस दौरान नवदीप ने अपने पिता को भी याद किया। पैरा एथलीट ने बताया कि उनके पिता ने ही उनकी खेल यात्रा की शुरुआत में मदद की थी। उन्होंने कहा- शुरुआत उन्होंने (पिता) करवाई थी। हर जगह साथ थे। इससे पहले भारतीय पैरा एथलीट ने अपने जैसे पैरा खिलाड़ियों के लिए उस तरह के सम्मान की मांग की थी, जैसा कि सामान्य खिलाड़ियों को मिलता है।

नवदीप के रजत को स्वर्ण में बदला गया

एफ41 वर्ग के फाइनल में नवदीप के सुनहरे थ्रो ने स्टेड डी फ्रांस में भारतीय राष्ट्रगान के गूंजने को सुनिश्चित किया था। नवदीप 47.32 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ दूसरे स्थान पर थे लेकिन ईरान के बेत सयाह सादेघ को अयोग्य घोषित किए जाने के बाद उनके रजत पदक को स्वर्ण में बदल दिया गया। सयाह को बार-बार आपत्तिजनक झंडा प्रदर्शित करने के लिए अयोग्य घोषित किया गया। वह अपनी हरकतों से स्वर्ण पदक गवां बैठे।

बांग्लादेश के तो तेवर ही बदल गए

चेन्नई पहुंचते ही कप्तान ने बता दिया टीम इंडिया को हराने का प्लान

चेन्नई, 16 सितंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया के खिलाफ 2 टेस्ट मैच की सीरीज खेलने के लिए बांग्लादेश क्रिकेट टीम भारत पहुंच गई है. कप्तान नजमुल होसैन शांतो के नेतृत्व में 16 खिलाड़ियों वाला स्क्वॉड सीधे चेन्नई पहुंचा, जहां 19 तारीख से पहला टेस्ट मैच शुरू होगा. चेन्नई पहुंचते ही बांग्लादेशी कप्तान नजमुल होसैन शांतो ने अपने बदले तेवर जाहिर कर दिए और बता दिया कि इस बार उनकी टीम सिर्फ जीत के इरादे से आई है और ये पहली जीत दर्ज करने का अच्छा मौका भी है. पाकिस्तान को टेस्ट सीरीज में हराने के बाद बढ़े हुए हौसलों के साथ इस सीरीज के लिए आए शांतो ने टीम इंडिया को हराने का प्लान भी बता दिया.

टीम इंडिया पर पहली जीत के लिए बेकरार

भारत के खिलाफ ही बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने करीब 25 साल पहले टेस्ट क्रिकेट में एंट्री की थी. इसके बाद से ही बांग्लादेश को अभी तक टीम इंडिया के खिलाफ अपनी पहली टेस्ट जीत का इंतजार है. बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और अब पाकिस्तान समेत कई टीमों को हरा दिया लेकिन टीम इंडिया से पार पाना उसके लिए अभी भी सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है. इस बार हालांकि टीम के हौसले बुलंद हैं क्योंकि पिछले महीने ही उसने पहली बार पाकिस्तान सिर्फ एक टेस्ट ही नहीं, बल्कि पूरी सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप कर दिया. अब बांग्लादेशी टीम का मानना है कि भारत के खिलाफ पहली बार टेस्ट मैच जीतने का ये अच्छा मौका है. शांतो की कप्तानी में बांग्लादेशी टीम इसी प्रदर्शन को दोहराने की इरादे से भारत आई है. अब टीम इंडिया को अपने ही घर में हराना इस वक्त टेस्ट क्रिकेट में सबसे मुश्किल चुनौती है, जिसमें हर बड़ी टीम नाकाम रही है, तो जाहिर तौर पर बांग्लादेश के लिए भी ये आसान नहीं होने वाला. शांतो भी ये जानते हैं लेकिन फिर भी वो बदले हुए तेवरों के साथ सीरीज में उतर रहे हैं. शांतो ने माना कि ये सीरीज चुनौतीपूर्ण होगी लेकिन पाकिस्तान सीरीज के बाद टीम के साथ-साथ पूरे देश में में अतिरिक्त आत्मविश्वास भर गया है. शांतो ने कहा कि उनकी टीम दोनों टेस्ट जीतना चाहती है लेकिन इसके लिए उन्हें अपने प्रोसेस को सही से फॉलो करना होगा.

ऐसे टीम इंडिया को हराना चाहता है बांग्लादेश

बांग्लादेशी कप्तान भी जानते हैं कि टीम इंडिया को हराना उतना आसान नहीं है, जितनी आसानी से उन्होंने पाकिस्तान को हराया था लेकिन उनकी टीम एक खास प्लान के तहत चलना चाहती है. शांतो ने इस प्लान का खुलासा भी किया और बताया कि कैसे टीम अपने पक्ष में नतीजे को मोड़ सकती है. उन्होंने कहा कि टीम का लक्ष्य मैच को पांचवें दिन के आखिरी सेशन तक ले जाना है क्योंकि ऐसा होने पर आखिरी सत्र में नतीजा किसी के भी पक्ष में आ सकता है. 26 साल के बांग्लादेशी कप्तान और उनकी टीम ज्यादा आगे की नहीं सोचना चाहती लेकिन उन्होंने साफ कर दिया कि पूरी टीम अपने दिमाग में सिर्फ जीत का इरादा लेकर ही मैदान पर उतरेगी.

सीपीएल 2024 में 10 विकेट लेकर छाया 19 साल का गेंदबाज

फाफ डु प्लेसी की टीम को मिली चौथी जीत में बना हीरो

खेल डेस्क, 16 सितंबर (एजेंसियां)। कैरेबियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सीजन में फाफ डु प्लेसी की कप्तानी वाली सेंट लुसिया किंग्स ने अपनी एक और जीत की शानदार स्क्रिप्ट लिखी है. फाफ डु प्लेसी की टीम को मिली इस जीत में बल्ले से अगर डेविड वीजा का कमाल देखने को मिला, जिसके दम पर टीम ने 153 रन का लक्ष्य रखा. तो वहीं गेंद से विरोधी को टारगेट से पहले रोकने में बड़ा रोल प्ले किया 19 साल के नूर अहमद ने. अफगानिस्तान के इस स्पिनर ने रनों पर ऐसी लगाम लगाई कि एंटीगा एंड बारबुडा फाल्कंस की टीम जीत से 26 रन दूर रह गई.

नूर अहमद का डेब्यू सीपीएल सीजन, अब तक 10 विकेट

नूर अहमद का ये पहला सीपीएल सीजन है. मतलब इस सीजन से उन्होंने सीपीएल में डेब्यू किया है. सीपीएल 2024 में अब तक खेले 6 मैचों में नूर अहमद ने 13.10 की औसत से 10 विकेट लिए हैं, जिसमें उनका बेस्ट 18 रन देकर 3 विकेट लेना रहा है. अब तक लिए 10 विकेटों के साथ नूर अहमद सीपीएल 2024 में अपनी टीम के सबसे सफल गेंदबाज हैं.

एंटीगा एंड बारबुडा फाल्कंस के खिलाफ नूर अहमद का प्रदर्शन

अब सवाल है कि सीपीएल 2024 के 6 मैचों में 10 विकेट झटकने वाले नूर अहमद ने एंटीगा एंड बारबुडा फाल्कंस के खिलाफ खेले मुकाबले में कितने विकेट लिए? 19 साल के अफगान स्पिनर ने इस मैच में 4 ओवर गेंदबाजी कर 2 विकेट हासिल किए. ये दोनों विकेट एंटीगा और बारमुडा फाल्कंस के दो सबसे बड़े बल्लेबाजों के रहे. पहला विकेट उन्होंने जस्टिन ग्रीव्स का लिया जो एंटीगा एंड बारमुडा फाल्कंस के सबसे सफल बल्लेबाज हैं. उन्होंने 5 मैचों में 174 रन बनाए हैं. वहीं दूसरा विकेट कप्तान क्रिस ग्रीन का झटका, जो 37 गेंदों पर 48 रन ठोककर सेंट लुसिया किंग्स के खिलाफ आक्रामक दिख रहे थे.

सिर्फ विकेट ही नहीं लिए, रन देने में भी की कंजूसी

नूर अहमद की गेंदबाजी की एक और खास बात रही. उन्होंने 2 बड़े विकेट लेने के साथ रन भी बेहद कम दिए. 4 ओवर में 17 गेंदें डॉट डालते हुए उन्हें 3.25 की इकॉनमी से सिर्फ 13 रन दिए. नूर अहमद को इस गेंदबाजी में खैरी पियरे का भी पूरा साथ मिला, जिन्होंने 4 ओवर में 24 रन देकर 3 विकेट झटके. इन दोनों की असरदार गेंदबाजी का ही नतीजा रहा कि एंटीगा एंड बारमुडा फाल्कंस 153 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 126 रन से आगे नहीं बढ़ सकी और मुकाबला हार गई.

सेंट लुसिया किंग्स ने दर्ज की चौथी जीत

फाफ डु प्लेसी की टीम सेंट लुसिया किंग्स ने सीपीएल 2024 में अपनी चौथी जीत दर्ज की, जिसके लिए पहले खेलते हुए उसने 20 ओवर में 8 विकेट पर 152 रन बनाए. सेंट लुसिया किंग्स को इस स्कोर तक पहुंचाने में डेविड वीजा का बड़ा रोल रहा, जिन्होंने 7वें नंबर पर उतरकर 165.38 की स्ट्राइक रेट से 26 गेंदों पर 43 रन ठोके. वो अपनी टीम के टॉप स्कोरर रहे.

हमारे प्लेयर्स खेलते कम बोलते ज्यादा हैं

पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर यूनुस खान बोले- विराट से सीख लें बाबर

इस्लामाबाद, 16 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर यूनुस खान ने खराब फॉर्म से जूझ रहे बाबर आजम को विराट कोहली से सीख लेने की सलाह दी है। यूनुस ने कहा, अगर बाबर और दूसरे टॉप ऑर्डर प्लेयर अच्छा परफॉर्म करने लगेंगे, तो टीम बेहतर रिजल्ट दे पाएगी...हमारे प्लेयर्स खेलते कम बोलते ज्यादा हैं।

पाकिस्तानी स्टार बल्लेबाज बाबर ने पिछले 16 टेस्ट इनिंग में एक भी हाफ सेंचुरी नहीं लगाई है। यूनुस के मुताबिक बाबर आजम को 2019 में टीम का कप्तान इसलिए बनाया गया था, क्योंकि वह टीम में उस समय सबसे अच्छे बल्लेबाज थे।

पूर्व क्रिकेटर ने कहा है कि उन्हें फिर से अपने गेम पर फोकस करने की जरूरत है। बाबर आजम पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं और लगातार उन पर दबाव बन रहा है। हाल ही में घरेलू टूर्नामेंट चैंपियंस कप में उन्होंने एक दमदार पारी खेली है।

कप्तानी छोटी चीज है, प्रदर्शन मायने रखता है - यूनुस

यूनुस खान ने कहा, बाबर ने कम उम्र में काफी कुछ हासिल किया है लेकिन उसे ये जानने की जरूरत है कि वह आगे क्या करना चाहता है।

कप्तानी छोटी चीज है, प्रदर्शन मायने रखता है। विराट कोहली को देखिए, उन्होंने अपनी शर्तों पर कप्तानी छोड़ने का फैसला लिया और अब वह दुनिया भर में रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं। इससे पता चलता है कि देश के लिए खेलने की सोच सबसे पहले होनी चाहिए। अगर थोड़ी भी एनर्जी बची है, तो अपने लिए खेलो।

क्रिकेट पर फोकस रखें

बाबर आजम वनडे वर्ल्ड कप 2023 के दौरान बड़ी पारी खेलने में असफल रहे थे। उनकी कप्तानी में पाकिस्तान की टीम लीग स्टेज से ही बाहर हो गई थी। उनके कप्तानी में टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भी टीम ग्रुप स्टेज से बाहर हुई और अमेरिका जैसी छोटी टीम ने उसे हराया। हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ दो मैच की टेस्ट सीरीज के दौरान भी बाबर आजम के बल्ले से रन नहीं निकले। उन्होंने चार पारियों में 64 रन बनाए।

यूनुस खान ने पाकिस्तान में एक इवेंट के दौरान कहा, "बाबर को मेरी सिर्फ एक सलाह है कि उसे क्रिकेट पर फोकस करना चाहिए। उसको अपने प्रदर्शन में सुधार करना चाहिए। बाबर आजम को कप्तान बनाया गया, क्योंकि वह उस समय सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी थे।

मैं उस समय वहां मौजूद था जब यह निर्णय लिया गया कि टीम के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को कप्तान बनाया जाना चाहिए। अगर बाबर और अन्य खिलाड़ी फील्ड पर अच्छा करेंगे तो रिजल्ट सबको दिखेगा। मैंने देखा है कि हमारे खिलाड़ी प्रदर्शन से ज्यादा बातें करते हैं।

फॉर्मूला-2 रेस में भारत के रेसर कुश मैनी हुए दुर्घटना का शिकार

पिता ने हादसे पर दिया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय रेसर कुश मैनी की कार फॉर्मूला-2 रेस के दौरान बड़ी दुर्घटना से बच गए। 23 साल के खिलाड़ी की कार का इंजन अचानक बंद हो गया था। ऐसे में साथी रेसर जोसफ मारिया मारती और ओलिवर गोएथे के साथ भिड़ंत की आशंका पैदा हो गई। मैनी का कार का पिछला हिस्सा इस टक्कर में क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि वह कार से सुरक्षित निकल आए।

मैनी के पिता ने बताया कि उनका बेटा ठीक है और उन्हें चोट नहीं आई। प्रोटोकॉल के तहत उनके चिकित्सकीय परीक्षण कराए गए हैं और उनकी सभी रिपोर्ट सामान्य आई हैं। इनविक्टा रेसिंग की ओर से फॉर्मूला-2 रेस में अपने दूसरे सीजन में भाग ले रहे मैनी 11वें स्थान पर रहे। रेस ट्राइडेंट के रिचर्ड वरशूर ने जीती।

आयरलैंड टीम ने इंग्लैंड को 5 विकेट से रौंद दर्ज की पहली जीत

डबलिन, 16 सितंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड वुमेंस क्रिकेट टीम ने आयरलैंड का दौरा किया था। जहां पर 3 मैच की वनडे सीरीज के अलावा 2 मैच की टी-20 सीरीज खेली गई थी। वनडे सीरीज को इंग्लैंड ने 2-1 से अपने नाम किया, जबकि टी-20 सीरीज 1-1 से बराबर हो गई। टी-20 सीरीज का आखिरी मैच 15 सितंबर को डबलिन में खेला गया था। इस मैच में आयरलड वुमेंस टीम ने इतिहास रच दिया है। आयरलैंड ने पहली बार इंग्लैंड को टी-20 मैच में शिकस्त देकर इतिहास रचा है।

आयरलैंड ने रचा इतिहास

इससे पहले आयरलैंड वुमेंस टीम ने टी-20 प्रारूप में इंग्लैंड को कभी नहीं हराया था। लेकिन कप्तान गैबी लुईस की अगुवाई में

आयरलैंड ने इतिहास रच दिया और अपनी पहली टी-20 जीत हासिल की। इस मैच में आयरलैंड के खिलाड़ियों ने कमाल का प्रदर्शन किया। बल्लेबाजी के अलावा गेंदबाजी विभाग में आयरलैंड की टीम ने शानदार प्रदर्शन किया था। आयरलैंड ने 1 गेंद शेष रहते ही मुकाबला जीत लिया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 8 विकेट के नुकसान पर 169 रन बनाए थे। इंग्लैंड की ओर से सलामी बल्लेबाज के रूप में ब्रायोनी स्मिथ ने 26 गेंदों में 28 रनों की पारी खेली थी, जबकि टैमी ब्यूमोंट ने 34 गेंदों में 40 रन बनाए थे। उनके अलावा सेरेन स्माल 10 गेंद में 10 रन बनाकर पवेलियन लौंटी। जबकि पैगे स्कोल्फील्ड ने भी 21 गेंदों में 34 रन बनाए थे। टीम के सभी खिलाड़ियों ने छोटा योगदान देकर इंग्लैंड को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए आयरलैंड को अच्छी शुरुआत नहीं मिल सकी। सलामी बल्लेबाज एमी हंटर 3 गेंदों में 1 रन बनाकर पवेलियन की राह लौट गईं। हालांकि इसके बाद गैबी लुईस और ओर्ला प्रेंडरगैस्ट ने पारी को संभाला। लुईस ने 35 गेंदों में 5 चौके की मदद से 38 रनों की पारी खेली, जबकि प्रेंडरगैस्ट ने 51 गेंदों में 13 चौके की मदद से 80 रनों की पारी खेली थी। आयरलैंड ने 170/5 का लक्ष्य 19.5 ओवर में हासिल कर इतिहास रच दिया।

इंग्लैंड-ऑस्ट्रेलिया तीसरा टी-20 रद्द

टॉस भी नहीं हो सका, सीरीज 1-1 से बराबर रही; पहला वनडे 19 को होगा

मैनचेस्टर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी-20 सीरीज का आखिरी और निर्णायक मुकाबला खराब मौसम के कारण रद्दकर दिया गया है। मैनचेस्टर में बारिश होती रही। ऐसे में मुकाबले का टॉस भी नहीं हो सका और मैच बिना एक भी बॉल डाले रद्द कर दिया गया।

इस मैच के रद्द होने से 3 मैचों की टी-20 सीरीज 1-1 की बराबर रही। पहला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया ने 28 रन से जीता था, जबकि दूसरे मुकाबले में इंग्लैंड ने 3 विकेट की जीत हासिल की थी। अब इन दोनों टीम के बीच 5 मैच की वनडे सीरीज खेली जाएगी, जिसका पहला मैच गुरुवार, 19 सितंबर को ट्रेंट ब्रिज में होगा।

इस सीरीज के लिए इंग्लैंड ने हैरी ब्रूक को कप्तान बनाया है। क्योंकि नियमित कप्तान जोस बटलर अभी तक पिंडली की चोट से नहीं उबर पाए हैं।

भ्रष्ट राजनीतिक ताकतों से सतर्क रहने की जरूरत : रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री ने राजीव गांधी की प्रतिमा का अनावरण किया

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी द्वारा कंप्यूटर प्रौद्योगिकी की शुरुआत ने भारत की तकनीकी क्रांति की नींव रखी, जिसने बदले में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव जैसे नेताओं को आधुनिक युग में उभरने में सक्षम बनाया। उन्होंने केटीआर की राजनीतिक यात्रा की आलोचना करते हुए दावा किया कि राजीव गांधी के योगदान के बिना, केटीआर जैसे नेताओं को समान अवसर नहीं मिल सकते थे। सोमवार को तेलंगाना सचिवालय के सामने राजीव गांधी की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद एक कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के फैसलों की प्रशंसा की, जिसमें मतदान की आयु 18 वर्ष करना, भारत के युवाओं को सक्रिय रूप से राष्ट्र के भविष्य को आकार देने की अनुमति देना और ग्राम पंचायतों को सीधे धन उपलब्ध कराकर शासन को विकेंद्रीकृत करने वाले सुधारों की शुरुआत करना शामिल है, जिससे स्थानीय निकायों को सशक्त बनाया जा सके। "राजीव गांधी ने स्थानीय शासन में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करके महिलाओं के अधिकारों की भी वकालत की, जो राजनीति में महिला प्रतिनिधित्व के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण था।मुख्यमंत्री ने तर्क दिया कि सत्ता खोने के बावजूद, कुछ राजनीतिक नेता अहंकारी बने रहे और कांग्रेस पार्टी की विरासत का अनादर किया। रेवंत रेड्डी ने भ्रष्टाचार में लिप्त होने के लिए पिछली बीआरएस सरकार की निंदा की और तेलंगाना के इतिहास और संस्कृति की अनदेखी करते हुए कुछ राजनेताओं द्वारा भव्य फार्महाउसों के निर्माण की आलोचना की। इस बात पर निराशा व्यक्त करते हुए कि बीआरएस सरकार को तेलंगाना के तल्ली की मूर्ति स्थापित करने के बारे में सोचने में 10 साल लग गए, मुख्यमंत्री ने लोगों को आश्वासन दिया कि 9 दिसंबर तक सचिवालय में तेलंगाना के तल्ली की एक मूर्ति स्थापित की जाएगी, जो तेलंगाना के शासन के दिल का प्रतीक है। रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना के लोगों को भ्रष्ट राजनीतिक ताकतों के खिलाफ सतर्क रहने की भी चेतावनी दी जो एक बार फिर राज्य को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं।

केटीआर ने दी कांग्रेस को चेतावनी

राजीव गांधी की प्रतिमा स्थापित करने का मामला

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने डॉ. बीआर अंबेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय के सामने तेलंगाना तल्ली की प्रतिमा के लिए निर्धारित स्थान पर पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की प्रतिमा स्थापित करने के लिए कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस पर तेलंगाना की पहचान और इतिहास का अनादर करने का आरोप लगाया और इसे लोगों और राज्य के लिए उनके संघर्ष का सीधा अपमान बताया।

4 करोड़ लोगों की आकांक्षाओं का प्रतीक तेलंगाना तल्ली की मूर्ति को मूल रूप से तेलंगाना शहीद स्मारक 'अमरज्योति' और डॉ. बीआर अंबेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय के पास स्थापित करने की योजना थी। रामा राव ने कहा कि स्वार्थी राजनीति के लिए जानी जाने वाली कांग्रेस ने राजीव गांधी की मूर्ति को ऐसे महत्वपूर्ण स्थान पर स्थापित करने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के पिता की मूर्ति वहां रखकर कांग्रेस ने तेलंगाना के स्वाभिमान का अपमान किया है।

शांतिपूर्ण माहौल में विसर्जन संपन्न

सीपी ने अधिकारियों के कार्यशैली की सराहना की

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भर में धूमधाम से चल रहे गणेश उत्सव की पृष्ठभूमि में राचकोंडा सीपी सुधीर बाबू ने आज सरूरनगर तालाब में बिना किसी अप्रिय घटना के सभी के समन्वय से शांतिपूर्ण माहौल में विसर्जन संपन्न कराने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को विशेष रूप से बधाई दी। कमिश्नर के साथ डीसीपी एलबीनगर प्रवीण कुमार, एसडीसीपी करुणाकर, डीसीपी क्राइम अरविंद बाबू, ट्रैफिक डीसीपी श्रीनिवासुलु और अन्य अधिकारी और उत्सव समिति के सदस्य मौजूद थे। इसी क्रम में राज्यव्यापी गणेश उत्सव की पृष्ठभूमि में, बोडुप्पल में लक्ष्मीनगर कॉलोनी (हुडा) के रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित गणेश विसर्जन उप्पल तालाब में भव्य रूप से आयोजित किया गया। कमिश्नर सुधीर बाबू ने बिना किसी अप्रिय घटना के शांतिपूर्ण माहौल में विसर्जन सम्पन्न कराने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विशेष रूप से बधाई दी। कमिश्नर के साथ डीसीपी मलकज गिरी पद्मजा, एसीपी चक्रपाणि, ट्रैफिक इंस्पेक्टर लक्ष्मी, सब इंस्पेक्टर ब्रह्मा रेड्डी, अन्य अधिकारी और उत्सव समिति के सदस्य मौजूद थे।

विसर्जन के दौरान डीजे को लेकर विकाराबाद में तनाव

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विकाराबाद जिले के पुदुर मंडल में रविवार रात हल्का तनाव व्याप्त हो गया, जब पुलिस ने गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान डीजे बजाने पर आपत्ति जताई। पुलिस के अनुसार कुछ युवा जुलूस निकाल रहे थे और डीजे बजा रहे थे, तभी स्थानीय सब इंस्पेक्टर मधुसूदन रेड्डी वहां पहुंचे और उन्होंने डीजे बंद करवा दिया। उन्होंने युवाओं से जुलूस को तेजी से आगे बढ़ाने को कहा। डीजे बजाने को लेकर सब इंस्पेक्टर और स्थानीय युवकों के बीच बहस हो गई। सूचना पर परगी सीआई श्रीनिवास राव मौके पर पहुंचे और युवकों को शांत किया तथा गणेश प्रतिमा को अपने वाहन में रखकर विसर्जन स्थल पर पहुंचाया। स्थानीय ग्रामीणों और युवाओं ने शिकायत की कि सब इंस्पेक्टर नशे में था और उसने मूर्ति को क्षतिग्रस्त कर दिया। उच्चाधिकारियों ने घटना की जांच के आदेश दिए।

राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन करेगी बीआरएस

तेलंगाना तल्ली की मूर्तियों का करेगी 'पालाभिषेकम'

हटाकर तेलंगाना के लोगों का अपमान कर रहे हैं। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि यह तेलंगाना के स्वाभिमान और इतिहास का अपमान है। तेलंगाना के लोग अपने इतिहास और राज्य के लिए संघर्ष के इस अपमान को माफ नहीं करेंगे।

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस ने मंगलवार को राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है, जिसमें डॉ. बीआर अंबेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय के सामने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की प्रतिमा स्थापित करने की निंदा की गई है। पार्टी ने तेलंगाना तल्ली की प्रतिमा के लिए आरक्षित स्थान पर पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिमा का अनावरण करने के कांग्रेस सरकार के फैसले का विरोध किया।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने लोगों से बीआरएस कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर 'पालाभिषेकम' करने और राज्य भर के सभी विधानसभा क्षेत्रों में तेलंगाना तल्ली की मूर्तियों पर दूध चढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी राजनीतिक उद्देश्यों से प्रेरित होकर तेलंगाना की पहचान के प्रतीक तेलंगाना तल्ली की मूर्ति को

कांग्रेस के इस फैसले को तेलंगाना की विरासत और भावना के प्रति गंभीर अपमान बताते हुए पूर्व मंत्री ने कहा कि राज्य के लिए लड़ने वाले लोग इस तरह की हरकतों को बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने पूछा कि तेलंगाना तल्ली का अपमान करने की आपकी हिम्मत कैसे हुई? क्या आप इसी तरह तेलंगाना की विरासत का सम्मान करते हैं? उन्होंने जोर देकर कहा कि लोग तेलंगाना की भावना और पहचान को मिटाने के कांग्रेस के प्रयासों को माफ नहीं करेंगे। उन्होंने दोहराया कि तेलंगाना की पहचान और राज्य के आंदोलन के दौरान किए गए बलिदानों को राजनीतिक लाभ के लिए नहीं छिपाया जाना चाहिए।

गणेश लड्डू नीलामी में भाग लेने के बाद सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत!

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के मणिकोंडा इलाके के अलकापुरी टाउनशिप में एक दुखद घटना घटी। गणेश लड्डू पंडाल की नीलामी में भाग लेने के बाद एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर श्याम प्रसाद की दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई। उन्होंने रविवार रात टाउनशिप की गणेश उत्सव समिति द्वारा आयोजित लड्डू नीलामी में उत्साहपूर्वक भाग लिया था। वह घर गए और अचानक बेहोश हो गए और उनकी मृत्यु हो गई। उन्होंने काफी देर तक डांस भी किया और 15 लाख रुपये तक की नीलामी में भाग लिया। इस दुखद घटना के बाद परिवार के सदस्य और कॉलोनी निवासी दुखी हो गए।

सिद्दीपेट में सीएम के खिलाफ शिकायत दर्ज

सिद्दीपेट, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएसवी नेताओं ने सोमवार को सिद्दीपेट के राजगोपालपेट पुलिस स्टेशन में पूर्व मंत्री टी हरीश राव के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के लिए मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। बीआरएसवी नेता गुज्जा राजू और पार्टी युवा विंग के अध्यक्ष गुंड्रावेली वेणु के नेतृत्व में युवा नेताओं ने राजगोपालपेट एसआई को एक याचिका सौंपी। राजू ने कहा कि रेवंत रेड्डी ने रविवार को गांधी भवन में एक बैठक के दौरान हरीश राव के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री हरीश राव के खिलाफ अपनी टिप्पणी वापस लें। बीआरएसवी नेता मित्तापल्ली सुधाकर और पाडिगे लिंगम सहित अन्य उपस्थित थे।

बीआरएस विधायकों ने सीएम रेवंत रेड्डी की आलोचना की

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के विधायक केपी विवेकानंद ने आज कहा कि सीएम रेवंत रेड्डी की संकीर्ण मानसिकता उजागर हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले नौ महीनों से राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हो गई है। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय द्वारा सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए बीआरएस पार्टी के विधायकों के खिलाफ कार्रवाई करने के फैसले के बाद सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी में भूचाल आ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना के लोगों को गुमराह करने के लिए ध्यान भटकाने की राजनीति शुरू कर दी है। यहां तेलंगाना भवन में बीआरएस पार्टी के विधायकों पदी कौशिक रेड्डी और डॉ. संजय के साथ मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने अपनी पार्टी के विधायक कौशिक रेड्डी के खिलाफ प्रतिशोध पर नाराजगी जताई और आरोप लगाया कि उनकी पार्टी के दलबदलू विधायक अरिकेपुडी गांधी ने कौशिक के घर पर हमले को उकसाया।

पुजारी ने रक्तदान शिविर में लिया भाग

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चिलकुर बालाजी मंदिर के मुख्य पुजारी सी.एस.रंगराजन ने मंदिर के कर्मचारियों के साथ मिलाद-उन-नबी के अवसर पर राजेंद्रनगर में मस्जिद-ए-मुहम्मद हुसैन में हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन द्वारा आयोजित रक्तदान अभियान में भाग लिया। राज्य एमएनजे कैंसर अस्पताल में कैंसर से पीड़ित बच्चों के लिए रक्त जुटाने के लिए रक्तदान अभियान चलाया गया। एमएनजे कैंसर अस्पताल के आंकड़ों के अनुसार अस्पताल में रोजाना करीब 100 यूनिट रक्त की जरूरत होती है, जहां साल भर में करीब 2,500 बड़ी और 4,000 छोटी सर्जरी की जाती हैं। एचएचएफ और चिलकुर बालाजी मंदिर पिछले 5 वर्षों से अंतर-धार्मिक संवाद, सांप्रदायिक सद्भाव और शांति को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहे हैं, ऐसे समय में जब बहुसंख्यक हिंदू समुदाय और प्रमुख अल्पसंख्यक समुदाय के बीच बढ़ता ध्रुवीकरण ठंडा और अपने निम्नतम स्तर पर है।

जन्मदिन मनाते समय छात्र कनाडा की झील में डूबा

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कनाडा में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहा हैदराबाद का एक छात्र अपने भाई के जन्मदिन समारोह में भाग लेते समय टोरंटो की एक झील में डूब गया। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार रंगा रेड्डी जिले के मीरपेट का निवासी प्रणीत कनाडा में एक विश्वविद्यालय से एमएस की पढ़ाई कर रहा था और दोस्तों के साथ रह रहा था। रविवार को उसके भाई का जन्मदिन था और इसे मनाने के लिए वह अपने दोस्तों के साथ टोरंटो की एक झील में बोटिंग करने गया था।

स्थानीय मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि झील के बीच में प्रणीत पानी में गिर गया और मदद पहुंचने से पहले ही वह डूब गया। वहां की पुलिस को घटना की जानकारी दी गई और अधिकारियों ने शव को बरामद करने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया। स्थानीय पुलिस घटना के कारणों की जांच कर रही है। प्रणीत के परिवार को सोमवार को पीड़ित के एक दोस्त के ज़रिए यह खबर मिली। परिवार प्रणीत के दोस्तों के संपर्क में है जो कनाडाई अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहे हैं।

सीताराम नहर में डूबे दो नाबालिग

खम्मम, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के सथुपल्ली मंडल के बुग्गापाडु गांव में सोमवार को दो नाबालिग सीताराम परियोजना नहर में डूब गये। मृतक, मदीपल्ली जितेंदर कुमार और पामर्थी शशांक, दोनों 10 साल के थे और तीसरी कक्षा में पढ़ते थे, छुट्टियों के कारण खेलने के लिए बाहर गए थे। वे तैरने के लिए नहर में उतरे लेकिन पानी की गहराई का अंदाजा न लगा पाने के कारण वे डूब गए। स्थानीय लोगों ने जब लड़कों को देखा तो उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन वे तब तक पानी में समा चुके थे। स्थानीय पुलिस ने घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

दो चोर गिरफ्तार, 8 बाइक बरामद

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद कमिश्नर टास्क फोर्स (पश्चिम) की टीम ने सोमवार को दो बाइक चोरों को पकड़कर उनके पास से 8 बाइक बरामद कीं। डीसीपी टास्क फोर्स वाईवीएस सुधींद्र ने बताया कि पल्ला धर्म तेजा उर्फ सनी (27) और सिरिवेल्ला गुरप्पा उर्फ संपत (23), दोनों आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले के मूल निवासी हैं और नियमित रूप से हैदराबाद आते थे और सार्वजनिक स्थानों पर खड़े वाहनों की चोरी में लिप्त थे।

सूचना मिलने पर टास्क फोर्स की टीम ने उन्हें पकड़ लिया और उनके पास से चोरी की गई बाइक बरामद कर ली। दोनों ने शहर के बंजारा हिल्स, मधुरा नगर, काचीगुडा, डोमलगुडा और एसआर नगर तथा आंध्र प्रदेश के तीन अन्य पुलिस थानों से चोरी की थी।

पुलिस ने बताया कि दोनों पहले भी आंध्र प्रदेश में इसी तरह के मामलों में शामिल थे।

लोअर मनैर बांध से छोड़ा गया 3,000 क्यूसेक पानी

करीमनगर, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई अधिकारियों ने बाढ़ के द्वार खोलकर लोअर मनैर बांध से पानी छोड़ा। अधीक्षण अभियंता रमेश ने सोमवार को गेट खोल दिए। दो गेट खोलकर 3,000 क्यूसेक पानी नदी में छोड़ा जा रहा है।

परियोजना को मिड मनैर जलाशय से 3,000 क्यूसेक पानी मिल रहा है। इतनी ही मात्रा में पानी छोड़ा जा रहा है। एलएमडी में 23.903 टीएमसी पानी है, जबकि इसकी भंडारण क्षमता 24 टीएमसी है।

प्रबंधन में सफलता को बढ़ा सकता है आध्यात्मिक दृष्टिकोण : ज्ञानवत्सल स्वामी

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अक्षरधाम के प्रेरक वक्ता, समाज सुधारक और बीएपीएस (बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम संस्था) के प्रख्यात संत डॉ. ज्ञानवत्सल स्वामी ने उद्योगपतियों के लिए अपने दृष्टिकोण में आध्यात्मिकता, सहानुभूति और नैतिक आचरण का पालन करने की आवश्यकता पर बल दिया।

यहां फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई) द्वारा आयोजित एक बैठक में बोलते हुए उन्होंने पेशे में अनैतिक प्रथाओं के बारे में बात की और कहा कि इसमें प्रतिभा, इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास को धूमिल करने की शक्ति है।

उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि दूसरी ओर, नैतिक होने से विश्वसनीयता पैदा होती है और चुंबकत्व की भावना पैदा होती है जिससे सभी आवश्यक संसाधन नैतिक व्यक्ति के पास स्वाभाविक रूप से आ जाते हैं। उन्होंने कहा कि जब प्रबंधन में आध्यात्मिकता आती है, तो प्रबंधन दूसरे स्तर पर विकसित होता है। इस अवसर पर अध्यक्ष सुरेश कुमार सिंघल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रवि कुमार, एफटीसीसीआई के उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार माहेश्वरी, प्रबंध समिति सदस्य एवं कार्यक्रम के संयोजक ए. प्रकाश तथा अन्य उपस्थित थे।

29 सितंबर को होंगे टीजीडीसीए चुनाव

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने तेलंगाना सरकारी डॉक्टर्स सेंट्रल एसोसिएशन (टीजीडीसीए) के लिए चुनाव की तारीख 29 सितंबर तय की है। चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी गई। नामांकन 16 से 19 सितंबर तक स्वीकार किए जाएंगे। वैध नामांकन 20 सितंबर को प्रदर्शित किए जाएंगे, उम्मीदवार 21 सितंबर को नामांकन वापस ले सकते हैं।

मतदान सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक उस्मानिया मेडिकल कॉलेज के ओल्ड स्टूडेंट्स गेस्ट हाउस में होगा। चुनाव कराने के लिए हाईकोर्ट ने जीएम मोहिउद्दीन और न्यायपति प्रशांत को रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.